नीलू प्रिंटिंग प्रेस

हर प्रकार की वेब ऑफसेट एक रंगीन या बहुरंगीन प्रिंटिंग के लिए नोएडा में एक मात्र स्थान

ई-33, सेक्टर-7 नोएडा (यूपी)

फोन नं.: 9811157562

फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

फरीदाबाद, सोमवार 20 जुलाई 2026

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश को प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है

1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी

सर्म्पक करें- 9811157562

समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 16 अंक : 200 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

पुंछ-किश्तवाड़ में बादल फटे, हर ओर तबाही

11 लोगों की मौत, 2 साल के मासूम का शव निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ में शनिवार रात बादल फट गए। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है। पुंछ के सुरनकोट में लैंडस्लाइड से एक मकान मलबे में दब गया। उस वक्त घर में 8 लोग थे। इनमें 2 साल के बच्चे समेत 5 लोगों के शव बरामद किए गए। किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं। उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े-खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया।

उत्तराखंड में भी लैंडस्लाइड,कई जगह मलबे का ढेर जमा

पीटीआई न्यूज एजेंसी को अधिकारियों ने बताया कि नूनाबंदी गांव में घर गिरने से 28 वर्षीय नाजिया कौसर की मौत हो गई। उनके पति मोहम्मद हाफिज और उनके दो से छह साल की उम्र के तीन बच्चे घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोअर मुर्रा में भूस्खलन से एक और घर क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके मालिक मोहम्मद लतीफ और उनके परिवार के पांच सदस्य लापता हैं। अधिकारियों के अनुसार, एक अन्य घटना में मरहोते में इरम नामक एक नाबालिग लड़की नाले में डूब गई, जबकि धुंदक लाथूंग पुल के पास एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया।

एलजी ने स्थिति की समीक्षा की

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बारिश और अचानक आई बाढ़ से प्रभावित पुंछ और राजौरी जिलों में स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत और सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिक प्रशासन, पुलिस, सेना, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और स्थानीय स्वयंसेवकों की बचाव टीमें मौके पर काम कर रही हैं।

राजौरी में अचानक आई बाढ़ बनी कहर

राजौरी सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से एक रहा। अधिकारियों ने बताया कि रात भर हुई लगातार बारिश से आई अचानक बाढ़ ने राजौरी शहर के निचले इलाकों को जलमग्न कर दिया, जिससे सैकड़ों निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। भारी बारिश के कारण अधिकारियों को रियासी जिले में स्थित सलाल बांध के सभी द्वार खोलने पड़े, जिससे चिनाब नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। अधिकारियों ने नदी किनारे रहने वाले निवासियों को सलाह जारी कर नदी के किनारों से दूर रहने और स्थिति सामान्य होने तक मछली पकड़ने, नहाने, पशु चराने या नदी पार करने का प्रयास न करने का आग्रह किया है।

संक्षिप्त समाचार

एमपी में यूसीसी बिल को कैबिनेट की मंजूरी

- सिर्फ तलाक तलाक तलाक बोलने से अब नहीं होगा तलाक

भोपाल (एजेंसी)। जगदीशपुर में आयोजित मोहन कैबिनेट की मीटिंग में कई ऐतिहासिक और अहम फैसले हुए हैं। कैबिनेट ने यूसीसी बिल को मंजूरी दे दी है। मानसून सत्र में इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। सीएम मोहन यादव ने बिल को मंजूरी देने के बाद इसकी महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की है। उन्होंने कहा है कि किसी भी धर्म और समुदाय के लोगों के लिए मध्य प्रदेश में सिर्फ एक ही शादी की इजाजत है।

एमपी में यूसीसी की अहम बातें

एक ही शादी को मंजूरी- यह कानून सभी समुदायों में केवल एक ही शादी को अनिवार्य बनाता है। कोई भी व्यक्ति एक समय में एक ही जीवित जीवनसाथी के साथ शादीशुदा रह सकता है। शादी की उम्र कोई बदलाव नहीं- विवाह के लिए पुरुषों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और महिलाओं की 18 वर्ष तय की गई है। तीन तलाक बोलकर तलाक नहीं- अब मौखिक तलाक और अनौपचारिक पंचायत के फैसलों को पूरी तरह गैर-कानूनी घोषित किया गया है। अब विवाह का समापन केवल कानून में बताए गए स्पष्ट और वैधानिक आधार पर ही होगा। गर्भावस्था के आधार पर सामान अधिकार- अब महिलाओं को भी यह अधिकार दिया गया है कि यदि उनके पति ने शादी के समय किसी दूसरी महिला को गर्भवती किया है तो पत्नी शादी को रद्द घोषित करने की मांग कर सकती है।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए केरल में छुट्टी

- आज बंद रहेंगे स्कूल,छात्रों की मांग पर सरकार का फैसला

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के सामान्य शिक्षा विभाग ने फीफा विश्व कप फाइनल के कारण सोमवार को राज्य के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। शिक्षा विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि यह निर्णय उन छात्रों के अनुरोध पर विचार करने के बाद लिया गया जो फुटबॉल के प्रशंसक हैं और रविवार रात होने वाला विश्व कप फाइनल देखना चाहते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह अवकाश सामान्य शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों पर लागू होगा। सामान्य शिक्षा मंत्री एन. शमसुद्दीन ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अवकाश की घोषणा की। मंत्री ने लिखा, 'बच्चों अब खुश हो।' उन्होंने कहा कि फुटबॉल प्रेमी छात्रों के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए केरल सामान्य शिक्षा विभाग ने फीफा विश्व कप फाइनल के मद्देनजर सोमवार (20 जुलाई) को विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है।

मानसून सत्र से पहले तीन घंटे चली सर्वदलीय बैठक

40 पार्टियां शामिल, रिजिजू बोले-सबने अपनी बात रखी

रिजीजू ने बताया,आज वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके सहित 40 दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने टीएमसी के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है।

विपक्ष के सवाल; महुआ बोलीं- बागी सांसद यहां क्यों

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, जेएमएम, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरे विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का वॉकआउट किया है। उन्होंने कहा कि टेबल ऑफिस की लिस्ट में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सदस्य संख्या 28 दिखाई गई है, जबकि एनसीपीआई नाम की एक गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी के 20 बागी सांसदों के विलय को स्पीकर ने मंजूरी नहीं दी है और उनकी अयोग्यता की याचिकाएं अभी लंबित हैं।

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। 31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला। सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं। सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं।

राममंदिर चढ़ावा चोरी पर राहुल गांधी ने मोदी को लिखी चिट्ठी

कहा-आपकी चुप्पी स्वीकार नहीं,ट्रस्ट के खाते सार्वजनिक हों

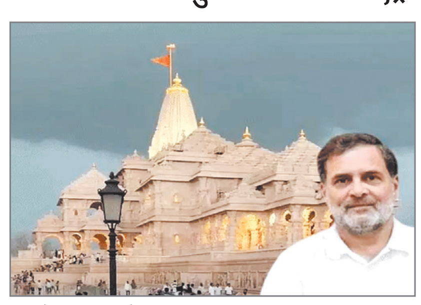

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। खातों को सार्वजनिक किया जाए, ताकि हर भक्त जान सके कि चढ़ावे का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ। जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएं, उनकी जवाबदेही तय हो। शनिवार को लिखी चिट्ठी रविवार को सामने आई। उन्होंने पीएम मोदी से कहा-आपने संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से सरकार ने की।

संघ और विहिप ने 23 जुलाई को संतों का सम्मेलन बुलाया

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बीच विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने 23 जुलाई को अयोध्या की मणिराम छावनी में संतों का सम्मेलन बुलाया है। सूत्रों के मुताबिक, आरएसएस के स्वयंसेवक और वीएचपी के कार्यकर्ता श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। संभल में शनिवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने यूपी सरकार पर हमला बोला। राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर उन्होंने कहा कि जब ट्रस्ट में जिलाधिकारी और प्रमुख सचिव जैसे अधिकारी शामिल थे।

30 साल बाद घर लौटेगा पर्वतारोही जवान का शव

● माउंट एवरेस्ट पर तूफान में फंसे थे लद्दाख के दोरजे ● 26 हजार फीट ऊपर गुफा में शरीर, डीएनए से पुष्टि

लेह (एजेंसी)। माउंट एवरेस्ट की बर्फीली चोटियों पर 26,247 फीट ऊंचे डेथ जोन में पिछले 30 सालों से एक पर्वतारोही का शरीर बर्फ में जमा है। पैरों में हरे जूते होने के कारण दुनिया उसे ग्रीन बूट्स के नाम से जानती रही।

सालों तक इसे आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल शेवांग पाल्जोर का शव माना गया, लेकिन हाल में हुए डीएनए टेस्ट से पुष्टि हुई कि यह लांस नायक दोरजे मोरुप का पार्थिव शरीर है। अब 30 साल इंतजार के बाद इस साल अक्टूबर तक लद्दाख में

दोरजे के परिवार को उनका शव सौंपा जाएगा। दोरजे मोरुप, शेवांग पाल्जोर और सूबेदार शेवांग समनला 1996 में तिब्बत के उत्तरी मार्ग से एवरेस्ट फतह करने निकली पहली भारतीय तीन सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। 10 मई 1996 को शिखर के पास तीनों भीषण बर्फीले तूफान में फंस गए थे। यह अभियान बाद में 1996 माउंट एवरेस्ट डिजास्टर के नाम से जाना गया, जिसमें उस सीजन में 12 पर्वतारोहियों की मौत हुई थी।

एवरेस्ट चढ़ने वालों के लिए लैंडमार्कबन गया था ग्रीन बूट्स

1996 में ब्रिटिश पर्वतारोही और फिल्ममेकर मैट डिकिन्सन ने पहली बार बर्फ में फंसे दोरजे मोरुप के शव का वीडियो रिकॉर्ड किया था। बाद में यह फुटेज समिट फीवर डॉक्यूमेंट्री में भी दिखाई गई। पैरों में पहने हरे रंग के जूतों के कारण इस शव को ग्रीन बूट्स नाम दिया गया। यह शव एवरेस्ट के उत्तरी मार्ग पर एक छोटी गुफा में पड़ा था जो ग्रीन बूट्स गुफा नाम से मशहूर हुआ। शिखर पर जाने वाले लगभग सभी पर्वतारोही इसी रास्ते से होकर गुजरते थे। उनके लिए यह रास्ते की पहचान (लैंडमार्क) बन गया था।

75 वर्षीय पत्नी बोलीं-उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी

अखबार ने दोरजे के घर पहुंचकर उनकी पत्नी कोनचोक यांगस्किट से मुलाकात की। 75 वर्षीय कोनचोक अब सुन नहीं सकतीं। वह पति की पेंशन पर गुजर-बसर करती हैं। जब से बेटे फुंतसोग दोरजे ने पिता का शव लाने वाले मिशन की सूचना दी, तब से वह रो रही हैं। उन्होंने बेटे को कागज पर लिखकर दिया है कि उनकी आखिरी इच्छा एक बार पति को देखने की है। उन्होंने लिखा, उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी। दोरजे के बेटे फुंतसोग भारतीय सेना में हैं। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी से उन्हें अब तक मिशन की पूरी जानकारी नहीं मिली है।

वांगचुक की किडनी खराब हो सकती थी, उन्हें इलाज की जरूरत थी

दिल्ली हाईकोर्ट में बोली मोदी सरकार,प्राइवेट हॉस्पिटल भेजने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सरकार की तरफ से पेश एएसजी चेतन शर्मा ने कहा कि, वांगचुक की तबियत लगातार खराब हो रही थी। उनकी किडनी भी खराब हो सकती थी। इसलिए इलाज जरूरी था। इस पर वांगचुक की पत्नी की तरफ से पेश एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि हमें यह भी नहीं पता कि उन्हें कौन-सी दवाएं या इलाज दिया जा रहा है। हम चाहते हैं कि उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जाए। हमने उन्हें वेदांता अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था भी कर ली है। दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। अस्पताल में भी

वांगचुक की भूख हड़ताल जारी है। रविवार को उनकी भूख हड़ताल का 22वां दिन रहा। उन्होंने ड्रिप, ओआरएस और दवा लेने से इनकार कर दिया है। सीजेपी और वांगचुक 28 जून से नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के समर्थन में आमरण अनशन पर हैं।

वांगचुक को उठाने के लिए देर रात आदेश मिला था

दिल्ली पुलिस के आयुक्त अनुराग कुमार के पद संभालने के 24 घंटे में वांगचुक को धरना स्थल से उठवाकर अस्पताल पहुंचा दिया गया। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार रात 1.30 बजे इसके निर्देश मिले। फिर नई दिल्ली जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंदिर मार्ग थाने में रणनीति बनाई। एक मिनट में बिना टकराव के वांगचुक को कैसे एम्बुलेंस तक ले जाएं, इसकी रिहर्सल की। जैमर लगाने पर भी चर्चा हुई, ताकि कार्रवाई के वीडियो न फैलें। सुबह 5 बजे अधिकारी जंतर-मंतर पहुंचें। वहां अंतिम ब्रीफिंग दी।

DEV MEDICARE CHEMIST

Your Trusted Medical Store

SECTOR 7, FARIDABAD

Allopaathic & Ayurvedic Medicine

BP & sugar Mechines, Thermometers, Oximeters

DISCOUNT ON VARIOUS MEDICINES

Surgical Items, Baby Products, Health Supplements

Wide Range of Cosmetics

ORDER NOW - 9650518651 (Call/Whatsapp)

Hours: 8 AM to 10 PM

100% Genuine Medicines

Experienced Staff

SINCE 2007

TARUN JEWELLERS

TODAY BIS HALLMARK

92% Gold Rate

₹1,36,600/-

Making Charges 8%

100% BUY BACK + EXCHANGE

पिछले 19 वर्षो से हमारी दुकान एक ही स्थान पर हैं। इसके अलावा हमारी कोई दूसरी ब्रांच नहीं हैं।

Shop No. 25, Sec-7, Huda Mkt, FBD

0129-3668332, 9990032657

कामधेनु संस्थान में वन महोत्सव, मासिक हवन और निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

तावडू/फरीदाबाद। भेदी नजर,सुनील कुमार जांगड़ा, कामधेनु आरोग्य वैलनेस संस्थान में आज वन महोत्सव, मासिक हवन और निशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। आयोजन में क्षेत्र के अनेक महानुभावों और गोभक्तों ने भाग लेकर कार्यक्रम का लाभ उठाया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री विनोद कुमार जी, दिल्ली उच्च न्यायालय, आशीर्वचन ठाकुर संजीव कृष्ण जी, भागवताचार्य, गोभक्त, संस्थापक, समर्पण गौशाला, गोवर्धन, श्री सुभाष चंद्र यादव, चीफ कान्सर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट, गुरुग्राम तथा हरियाणा राज्य और देश के अनेक महानुभाव उपस्थित रहे। हवन से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया । हवन का संचालन आदर्श गर्ग ने किया। हवन प्रथा के अनुसार जुलाई मास में वसुधा गोयल, संजय सचदेवा, शेफाली, भव्य सचदेव, विनीत, लव, आशुतोष गर्ग, प्रज्ञा के जन्मदिवस पर, लव और सौम्य के विवाह की वर्षगांठ, जगदीश अग्रवाल और शर्मिला जैन के स्वास्थ्य सुधार और नन्द किशोर गोयनका जी के स्वर्गवास पर उनके नाम से अग्नि देव को आहुति अर्पित की गई तथा समस्त मानव जाति के हित में सुख-शांति के लिए प्रार्थना की गई। मंच का संचालन संस्थान के महामन्त्री प्रियंक गुप्ता ने किया। स्वागत कार्यक्रम में ठाकुर संजीव कृष्ण जी का स्वागत योगेश मोदी, मदन जिंदल और ब्रह्मदत्त ने, विनोद कुमार का यशपाल सिंगल, डॉक्टर एस पी गुप्ता और पुरेन्द्र गोयल ने और सुभाष चंद्र यादव का विशाल गर्ग, अनुपम गुप्ता और रुचिर गुप्ता ने गोगुल्लक, तुलसी का पौधा, कामधेनु स्मृति चिन्ह एवं पटका भेंट करके किया।

डॉक्टर एस पी गुप्ता ने मंचासीन महानुभावों का परिचय देते हुए बताया कि संस्थान मे वर्ष मे 3 बार वन महोत्सव मनाया जाता है और यहाँ पर निर्विघ्न रूप से मासिक हवन का आयोजन हो रहा है। उन्होंने बताया कि ठाकुर संजीव कृष्ण जी का साथ और मार्गदर्शन हमेशा रहा है। उन्ही की प्रेरणा से संस्थान मे कामधेनु मंदिर का भी निर्माण हुआ है। गुप्ता जी ने बताया कि न्यायमूर्ति विनोद कुमार जी का सरल व्यक्तित्व है और उनका गोमाता के प्रति असीम प्यार और स्नेह है। उन्होंने बताया कि सुभाष यादव बहुत बड़े गोभक्त है और मौन रहकर गुप्त रूप से गोसेवा करते रहते है। गुप्ता जी ने बताया कि गोमाता 24 घंटे हमे आक्सिजन प्रदान करती है। गोमाता को विश्वमाता कहा जाता है उसके बहुत से कारण है। गोमाता ऐसी माता है जो सभी को प्यार करती है। गोमाता के दूध, घी, दही, गोमूत्र और गोबर, इन पंचगव्य का उपयोग हमारे दैनिक जीवन मे तो है ही साथ ही साथ बहुत सी गंभीर बीमारियों मे भी इनका बहुत उपयोग है।

प्रियंक गुप्ता ने बताया कि ना केवल अच्छे स्वास्थ्य के लिए बल्कि संपत्ति अभिवृद्धि मे गोमाता का बहुत योगदान है इसके उन्होंने उदाहरण भी पेश किए। उन्होंने बताया कि ठाकुर संजीव कृष्ण से जब भी कोई उनकी गोशाला के बारे मे पूछता है तो वो हमेशा यही कहते है कि एक गोवर्धन धाम मे है और दूसरा यहाँ पर है।

उषा जैन ने बताया कि वह 60 वर्ष से अमरीका मे रह रही है लेकिन उन्हे अपने भारतीय होने पर गर्व है क्योंकि भारत ने उन्हे आध्यात्मिकता दी, संस्कार दिए, वैल्यूस दिए। उन्होंने 'राम राम राम राम बोलो सत्संग मे, आओ सत्संग मे गाओ सत्संग मे...' भजन गाकर सुनाया।

सुभाष चंद्र यादव जी ने बताया कि वो पिछले 3-4 वर्षों से संस्थान से जुड़े हुए है। संस्थान का गोमाता को और वन महोत्सव को जोड़ना बहुत अच्छी बात है। पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण / पौधारोपण बहुत जरूरी है। उन्होंने हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नारे 'एक पेड़ माँ के नाम' को जनमानस को अपनाने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि हमे कम से कम दो पेड़ तो लगाने ही चाहिए एक अपने लिए और एक आने वाली संतति के लिए।

विनोद कुमार जी ने बताया कि वह यहाँ आने और निमंत्रित करने के लिए खासतौर पर संस्थान की संस्थापक अध्यक्षा शशि गुप्ता जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करते है। उन्होंने श्री विनोबा भावे की गोरक्षा अभियान और महात्मा गांधी जी के जीवन मे गोसेवा के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि गोमाता और वन का अभिन्न संबंध है। उन्होंने बताया कि गोमाता और ग्रामीण व्यवस्था के पुनर्स्थापन की बहुत जरूरत है।

आचार्य संजीव कृष्ण ठाकुर जी ने अपने सम्बोधन मे बताया कि उनका यहाँ आना लगा रहता है और हर वर्ष 3-4 बार तो यहाँ आना होता ही है। उन्होंने कहा गोमाता ने गुप्ता जी को अपनी सेवा के लिए चुना है। अगर हम अपने घर मे गोमाता को नहीं रख सकते परंतु कम से कम अपने हृदय मे गोमाता को जरूर रखना चाहिए।

उन्होंने इस प्रसिद्ध सूक्ति का उच्चारण किया :

● पिबन्ति नद्यः स्वयमेव नाम्भः स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः।

● नादन्ति सस्यं खलु वारिवाहाः परोपकाराय सतां विभूतयः॥

अथार्थ जैसे नदियाँ अपना जल स्वयं नहीं पीतीं, वृक्ष अपने फल खुद नहीं खाते और बादल अपनी वर्षा से उपजाया हुआ अन्न (सस्य) स्वयं नहीं खाते । उसी प्रकार, सज्जन पुरुषों की संपत्ति और महानता हमेशा परोपकार (दूसरों की भलाई) के लिए ही होती है। प्रकृति का यह नियम हमें यह सिखाता है कि जिस प्रकार नदियां, पेड़ और फूल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों की भलाई के लिए जीते हैं, उसी प्रकार एक महान और अच्छे व्यक्ति का जीवन भी निःस्वार्थ भाव और समाज की सेवा के लिए समर्पित होता है। कबीर जी ने भी कहा है ' 'वृक्ष कबहुँ न फल भखै, नदी न संचय नीर / परमार्थ के कारने, साधुन धरा शरीर ' '।

हमारे सभी देवी देवताओं के साथ कोई ना कोई जीव है जैसे भगवान कृष्ण के साथ गोमाता है, भगवान शिव के साथ बैल है, गणेश जी के साथ चूहा है, माँ भगवती के साथ सिंह है, कार्तिकेय जी के साथ मोर है। इसके अलावा हमारे सभी देवी देवताओं के साथ कोई ना कोई वृक्ष और फूल भी जुड़ा है। भारत जैसी सभ्यता और संस्कृति कहीं नहीं है। मुफ़्त वैक्सीन बाटने वाला इकलौता देश भारत है। उन्होंने बताया कि हमारे शस्त्रों मे मातृ देवो भव , पितृ देवो भव, आचार्य देवो भव, अतिथि देवो भव की बात तो है ही। लेकिन आज की जरूरत के हिसाब से 'परस्पर देवो भव' की अत्यंत आवश्यकता है। गोरक्षा स्वयं को बचाने की लड़ाई है। कहा जाता है कि 'गाय मरी तो बचता कौन, गाय बची तो मरता कौन '। जो व्यक्ति गोमाता का दूध पीता है, गोमूत्र का सेवन करता है और आध्यात्मिक सेवा करता है तो उसे भौतिक कमी कभी नहीं रहती। जब आप गोसेवा के लिए एक रुपया भी देते है तो ध्यान रखना चाहिए कि वह हमारे सत्कर्म मे जुड़ता है। जो गोसेवा करता है उस पर गोपाल की कृपा अवश्य होती है। मेरे पास विचार शक्ति है और गुप्ता जी के पास क्रिया शक्ति है। जो अधर्म करता है उससे बड़ा दोषी वह है जो अधर्म को होने देता है। जो धर्म को जानता है शास्त्रों को जानता है लेकिन हृदय मे रखकर बैठ जाता है वह भी अधर्मी है। अगर हम अच्छे काम नहीं कर सकते तो भी अच्छे काम का अनुमोदन अवश्य करें। हमे कृतज्ञ होना चाहिए कृतघ्न नहीं। उन्होंने '? सर्वे भवन्तु सुखिनः । सर्वे सन्तु निरामयाः । सर्वे भद्राणि पश्यन्तु । मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत' से अपनी वाणी को विराम दिया।

मास्टर रिशान गुप्ता ने 'नीड़ का पेड़' पर एक कविता प्रस्तुत की।

अध्यक्षा शशि गुप्ता ने अपने धन्यवाद प्रस्ताव में बताया कि जब ईश्वर कृपा होती है तो संतों का पधारना और उनके दर्शन होते है। संजीव कृष्ण ठाकुर तो उनके पारिवारिक संत है जो उनका निरंतर मार्गदर्शन करते है। श्री विनोद कुमार जी तो सादगी और विनम्रता की प्रतिमूर्ति है। उन्होंने स्वयं यहाँ गर्मी मे संस्थान के बाहर की सड़क पर खड़े होकर जलसेवा की है। श्री सुभाष यादव जी ने हमे याद दिलाया की हम प्रकृति को भूल रहे है और प्रकृति का निरंतर ह्रास हो रहा है। आज प्रकृति के संवर्धन और संरक्षण की बहुत आवश्यकता है। आज जितने नए पेड़ लगते है उससे ज्यादा हम काट देते है।

संस्थान मे पधारे हुए महानुभावों, गोभक्त अतिथियों ने वृक्षारोपण / पौधारोपण कार्यक्रम मे भाग लिया और निशुल्क चिकित्सा शिविर का भी लाभ लिया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने कामधेनु मन्दिर एवं कामधेनु आरोग्य वैलनेस संस्थान का अवलोकन किया तथा गौवंश को सवामणि एवं चारा अर्पित करने के उपरान्त प्रसाद ग्रहण किया ।

इस अवसर पर श्रीमती विष्णु भगवान, आदेश, अनूप, सुमित, संतोष यादव, तेजपाल यादव, तेजपाल तंवर, महेश, डॉक्टर नरेश कुमार जैन, डॉक्टर विवेक, रेनू सिंह, महेंदेर गोयल, सुरेंदेर रायज़ादा (ऐड्वकेट), राजेश पटेल, विनोद, सुषमा जी, उमा जी, अंजू जी, गजेन्द्र गुप्ता, संजय, जी डी शर्मा, जीतू यादव, सुदेश, नवीन झा, बृंदावन बिस्सर सहित क्षेत्रीय गांवों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एसएमसी सदस्यों के साथ सीधा संवाद कार्यक्रम का आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-55 आयोजित

फरीदाबाद (बिजेंद्र फौजदार) आज आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-55 फरीदाबाद में हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के सदस्यों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सीधा संवाद कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) श्रीमती अंजलि श्रोत्रिया के विद्यालय आगमन पर विद्यालय के संस्थापक एसएमसी सदस्य गुरमीत सिंह देओल एवं वर्तमान एसएमसी कार्यकारिणी द्वारा उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी अंशु सिंगला, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी बसंत कुमार ढिल्लों, उप जिला शिक्षा अधिकारी श्री मनोज मित्तल, संदेश सोलंकी, खंड शिक्षा अधिकारी बल्लभगढ़ सतीश चौधरी सहित शिक्षा विभाग के अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती लक्ष्मी देवी, समस्त अध्यापकगण तथा स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में विद्यालयों के समग्र विकास, स्कूल प्रबंधन समितियों की प्रभावी भूमिका, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, डिजिटल अवसंरचना को मजबूत करने तथा प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया। उन्होंने एसएमसी सदस्यों से विद्यालयों के विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

101 पौधारोपण एवं पौधा वितरण अभियान के सफल नेतृत्व पर मिला सम्मान, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

▸▸ फरीदाबाद जिला बार एसोसिएशन ने एडवोकेट डॉ. मोहन तिवारी को 'प्रकृति प्रेम सम्मान' से किया सम्मानित

फरीदाबाद। जिला न्यायालय परिसर, सेक्टर-12 में आयोजित भव्य समारोह में एडवोकेट एवं समाजसेवी डॉ. मोहन तिवारी को पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'प्रकृति प्रेम सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें जिला बार एसोसिएशन, फरीदाबाद द्वारा 101 पौधारोपण एवं पौधा वितरण अभियान के सफल नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जिला बार एसोसिएशन के प्रधान राजेश बैंसला एवं महासचिव टीका डागर की उपस्थिति में डॉ. मोहन तिवारी के नेतृत्व में 101 पौधारोपण एवं पौधा वितरण अभियान का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ, 101 विशिष्ट लोगों का सम्मान समारोह तथा भव्य कवि सम्मेलन का भी आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में अधिवक्ता, पत्रकार, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। डॉ. मोहन तिवारी पिछले कई वर्षों से दिल्ली-एनसीआर में पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय हैं और 10 हजार से अधिक पौधों का पौधारोपण एवं वितरण कर चुके हैं। उनके इस अभियान से हजारों लोग पर्यावरण संरक्षण से जुड़ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उनके सामाजिक एवं पर्यावरणीय कार्यों के लिए उन्हें पूर्व में हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. मोहन तिवारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और पौधारोपण को जनआंदोलन बनाकर ही आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भाकड़ौजी स्कूल के एसएमसी चेयरमैन व प्रिंसिपल से किया सीधा संवाद

स्कूल प्रबंधन समितियों से सीधा संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव भाकड़ौजी स्कूल की एसएमसी के चेयरमैन नसीम खान व स्कूल के प्रिंसिपल से भी बात की । उन्होंने भाकड़ौजी स्कूल की वर्तमान स्थिति एवं उपलब्धियों की जानकारी दी । नसीम खान ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि इस विद्यालय में वर्तमान में 1100 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें 500 छात्राएं तथा 600 छात्र हैं । पिछले कुछ वर्षों में विद्यालय में छात्राओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है, जिसके चलते अधिक संख्या में अभिभावक अपनी बेटियों को स्कूल भेज रहे हैं । साथ ही सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं ।नसीम खान ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा सरकारी नौकरियों में पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया अपनाए जाने से विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति रुचि और विश्वास बढ़ा है । अब गरीब परिवारों के बच्चे भी अपनी मेहनत के बल पर सरकारी नौकरियां प्राप्त कर रहे हैं, जिससे शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बना है ।विद्यालय के प्राचार्य सुनील श्योराण ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम 94 प्रतिशत रहा, जबकि पूर्व वर्षों में परिणाम अपेक्षाकृत कम रहता था । विद्यालय स्टाफ, स्कूल प्रबंधन समिति और विद्यार्थियों के संयुक्त प्रयासों से परीक्षा परिणाम में उल्लेखनीय सुधार हुआ है ।उन्होंने बताया कि गत वर्ष विद्यालय के एक विद्यार्थी ने नीट परीक्षा में 2354वीं रैंक प्राप्त कर एम्स में प्रवेश हासिल किया । इसके अलावा विद्यालय की तीन छात्राओं का नर्सिंग पाठ्यक्रम में चयन हुआ है । विद्यालय के दो पूर्व विद्यार्थी पुलिस कांस्टेबल बने हैं तथा एक विद्यार्थी का चयन ग्रुप–डी में हुआ है ।प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय हरियाणा की सीमा पर स्थित है, जहां से राजस्थान की सीमा लगभग दो किलोमीटर तथा उत्तर प्रदेश की सीमा लगभग तीन किलोमीटर दूर है । दूरदराज क्षेत्र में स्थित होने के कारण प्रारंभिक वर्षों में कई चुनौतियां थीं, लेकिन स्कूल प्रबंधन समिति और ग्रामीणों के सहयोग से उनका समाधान किया गया । विद्यालय के आसपास स्थित कई मिडिल स्कूलों से विद्यार्थी यहां उच्च शिक्षा के लिए आते हैं ।उन्होंने कहा कि विद्यालय में सबसे पहले छात्राओं की शिक्षा को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम आज देखने को मिल रहे हैं । विद्यालय में खेल मैदान एवं खेल नर्सरी जैसी आवश्यकताओं से जिला प्रशासन को भी अवगत कराया गया है और इनके शीघ्र समाधान की उम्मीद है ।इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त ज्योति, जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र शर्मा, विद्यालय का स्टाफ तथा स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे ।

फरीदाबाद पुलिस का बड़ा अभियान:पिछले 10 सालों के गंभीर अपराधियों का सत्यापन जारी, डीसीपी राजेश कुमार मोहन

फरीदाबाद। भेदी नजर,सुनील कुमार जांगड़ा, फरीदाबाद पुलिस ने गंभीर अपराधों में संलिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए एक विशेष पायलट प्रोजेक्ट आरजेएसएफ के तहत व्यापक अभियान शुरू किया हुआ है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत पिछले 10 सालों में हत्या, लूट, डकैती, हत्या के प्रयास, एक्सटॉर्शन, शस्त्र अधिनियम जैसे गंभीर मामलों में गिरफ्तार अपराधियों पर फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। ऐसे अपराधी जो अदालत से जमानत मिलने के बाद निर्धारित शर्तों का उल्लंघन कर फरार हो गए हैं, उनकी तलाश के साथ-साथ अब उनके जमानतदारों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है, ताकि फरार अपराधियों की न्यायालय में उपस्थिति सुनिश्चित कराई जा सके। पुलिस उपायुक्त अपराध,राजेश कुमार मोहन के अनुसार फरीदाबाद पुलिस द्वारा पिछले दस वर्षों के गंभीर अपराधों के रिकॉर्ड का विस्तृत विश्लेषण किया गया। विश्लेषण के आधार पर ऐसे अपराधियों की सूची तैयार कर उन्हें संबंधित थाना प्रभारियों को सत्यापन, निगरानी और नियमित मॉनिटरिंग के लिए सौंपा गया। जिस पर पुलिस थाना की टीमों ने घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन अभियान चलाया। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में ऐसे आरोपी सामने आए जो अपने दिये गये पते पर नहीं मिले। ऐसे अपराधियों को 'बेल जंपर'

घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। साथ ही उनके जमानतदारों के खिलाफ भी कार्रवाई करने के लिए माननीय न्यायालय में आवेदन दाखिल कर कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। फरीदाबाद पुलिस ने 3 जमानतदारों के विरुद्ध 491 भारतीय नागरिक संरक्षण संहिता के अंतर्गत माननीय न्यायालय में आवेदन कर कार्रवाई शुरू कर दी है वहीं 8 अन्य जमानतदारों के विरुद्ध दस्तावेज तैयार किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे फरार आरोपियों को बेल जंपर घोषित किया जाएगा, उनके जमानतदारों के विरुद्ध भी कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने और अधिक जानकारी देते हुए बताया कि यह पहल केवल फरार आरोपियों को पकड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि आदतन अपराधियों पर प्रभावी निगरानी स्थापित करने और भविष्य में अपराधों की पुनरावृत्ति रोकने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। अभियान की प्रमुख उपलब्धियां-पिछले 10 वर्षों के रिकॉर्ड के आधार पर 3,499 गंभीर अपराधियों की पहचान कर संबंधित थानों को सत्यापन एवं निगरानी के लिए सौंपा गया। इनमें से 2,212 अपराधियों (63.22 प्रतिशत) का भौतिक सत्यापन पूरा किया जा चुका है, जबकि शेष 1,287 अपराधियों का सत्यापन प्राथमिकता के आधार पर जारी है।

● सत्यापन के दौरान 1,368 अपराधी अपने दर्ज पते पर मिले।

● 161 अपराधी विभिन्न जेलों में बंद पाए गए व 55 की मृत्यु हो चुकी है।

● आदतन अपराधियों पर सतत निगरानी रखने के लिए 35 हिस्ट्री शीट खोली गई हैं।

● अभियान के दौरान 13 गंभीर अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया, जो नए मामलों में वांछित थे।

● 628 अपराधी अपने दर्ज पते पर नहीं मिले अथवा फरार पाए गए, जिन्हें बेल जंपर घोषित करने की प्रक्रिया जारी है।

सर्वोत्तम कार्य करने वाली 'विद्यालय प्रबंधन समितियों' को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

● समितियां एक लाख रूपये तक के छोटे-मोटे कार्य करवा सकेंगी ● एडीसी की मंजूरी के बाद 25 लाख तक होगी सीमा ● मुख्यमंत्री ने स्कूलों के मूल्यांकन के लिए 'सच' पोर्टल को किया लांच

● राज्य के सरकारी स्कूलों की 'विद्यालय प्रबंधन समितियों' के साथ किया राज्य स्तरीय संवाद

नूंह जुबैर खान नूंह , हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज घोषणा की कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में खंड स्तर पर सर्वोत्तम कार्य करने वाली 'विद्यालय प्रबंधन समितियों' को ईनाम के तौर पर 10 लाख रुपये दिए जाएंगे। इस राशि का उपयोग स्कूल के विकास में किया जाएगा। इसमें सर्वोत्तम विद्यालय प्रबंधन समिति का चयन 'सच' पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। इसके अलावा , सभी 'विद्यालय प्रबंधन समितियों' को पेयजल का टैंक ठीक करवाने , टॉयलेट एवं दीवार की मरम्मत जैसे छोटे -मोटे एवं आवश्यक कार्यों के लिए एक लाख रुपए तक खर्च करने की शक्तियां दी जाएंगी। अतिरिक्त उपायुक्त की स्वीकृति के बाद 25 लाख रुपये तक खर्च करने की अनुमति होगी।मुख्यमंत्री रविवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास से राज्य के सरकारी स्कूलों की 'विद्यालय प्रबंधन समितियों' के साथ वर्चुअल माध्यम से सीधा राज्यस्तरीय संवाद कर रहे थे। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने

इस अवसर पर सरकारी स्कूलों के मूल्यांकन के लिए 'सच ' नामक पोर्टल को भी लांच किया। श्री नायब सिंह सैनी ने प्रत्येक जिला के एक स्कूल की विद्यालय प्रबंधन समिति से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा संवाद किया। उन्होंने सभी समितियों के अध्यक्ष , सचिव एवं सदस्यों से स्वच्छता , पेयजल की व्यवस्था , टॉयलेट , स्टेडियम , स्कूल में बच्चों की संख्या , बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम, सुपर -100 एवं बुनियाद कार्यक्रम में बच्चों का प्रवेश के अलावा आईआईटी , आईआईएम , राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों का प्रदर्शन से लेकर विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठकों एवं पीटीएम को लेकर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने शिक्षा एवं उनके स्कूलों की बेहतरी के लिए सुझावों तथा आवश्यकताओं पर भी बातचीत की। विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी पदाधिकारियों ने राज्य सरकार द्वारा स्कूली शिक्षा को लेकर उठाए गए कदमों की प्रशंसा की और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को साधुवाद भी दिया।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरुप हरियाणा सरकार स्कूली शिक्षा को गुणवत्तापरक एवं संस्कारवान बनाने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी शिक्षा में निहित होती है , इसलिए समिति के सदस्य अपने दायित्वों को समझते हुए स्कूल के वातावरण को अनुकूल बनाने के लिए मिल-जुल कर कार्य करें। उन्होंने स्कूलों के मुखियाओं से भी आह्वान किया कि सभी अध्यापक , विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य एवं बच्चे स्कूल परिसर में पौधरोपण करें। बच्चों को ' एक पेड़ मां के नाम' लगाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों से भी सरकारी स्कूलों का समय -समय पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

सीजेपी के 'संसद मार्च' से पहले दिल्ली में हाई अलर्ट

जंतर-मंतर पर वामपंथी छात्रों ने डाला डेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। रविवार छुट्टी का दिन होने के चलते कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग जुटे। विपक्षी दलों ने सतर्कता बरतते हुए सीजेपी को समर्थन देने की रफ्तार बढ़ा दी है। खासकर वामपंथी छात्र संगठन इस आंदोलन में काफी सक्रिय नजर आ रहे हैं।

ढपली के साथ जंतर मंतर पर जेएनयू के वामपंथी छात्र संगठन से जुड़े छात्र सैकड़ों की संख्या में पहुंचकर डेरा जमा लिया है। इस बीच, सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होने के बाद सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। वह अनशन पर बैठ गए हैं।

चंद्रशेखर आजाद भी जंतर मंतर पहुंचे

शनिवार दोपहर बाद से ही वामपंथी छात्रों की भीड़ जंतर मंतर पर पहुंचने लग गई। देर रात्रि नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद भी जंतर मंतर पहुंचे। कुछ देर पहले एक्स पोस्ट पर एक वीडियो संदेश जारी कर अभिजीत दीपके ने आज रविवार को लोगों से बड़ी संख्या में जंतर मंतर पहुंचने का आह्वान किया है। साथ ही रविवार रात्रि रुकने की भी अपील की है। उन्होंने अंदेशा जताते हुए कहा है कि रविवार रात पुलिस उन लोगों को हटाने की कोशिश कर सकती है।

दिल्ली पुलिस ने बढ़ाई निगरानी

विशेष है कि सोमवार से संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। जिसके मद्देनजर पुलिस और अर्धसैनिक बल भी सक्रिय है। दिल्ली पुलिस के शीर्ष अधिकारियों द्वारा मामले पर नजर रखी जा रही है। कल सोमवार को संसद मार्च के आह्वान के चलते आज आंदोलनकारियों की गतिविधियां पूरे दिन तेज रहने की संभावना है। अब देखना यह होगा कि पुलिस आज रात में ही प्रदर्शनकारियों को मनाकर हटाने की कोशिश करती है या सोमवार को संसद की ओर कूच का इंतजार करती है। वैसे, पुलिस प्रशासन पहले से ही सोमवार को प्रस्तावित संसद मार्च को लेकर पूरी तरह सतर्क है। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखा गया है। जबकि, आज विपक्षी दलों के समर्थन से आंदोलन की तीव्रता बढ़ने के आसार हैं।

दिल्ली के फतेहपुर बेरी में गोदाम में लगी आग, दमकल की 11 गाड़ियां बुझाने में जुटीं; कोई हताहत नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के फतेहपुर बेरी स्वरूप कॉलोनी स्थित गोदाम में रविवार सुबह आग लग गई। सूचना पर आनन-फानन में दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई हैं।

दमकल विभाग को सुबह 6.43 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, इवेंट मैनेजमेंट के सामने वाले गोदाम में आग लगी है। आग किस वजह से लगी इसका पता अभी नहीं चल सका है। वहीं, आग से अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

दिल्ली की विशेष लोक अदालत में हुआ 15036 चेक बाउंस मामलों का निपटारा, 131.40 करोड़ पर समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) ने शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के तहत चेक बाउंस मामलों के निपटारे के लिए दिल्ली के सभी जिला अदालत परिसरों में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया। इस दौरान कुल 15,036 मामलों का निपटारा किया गया और 131.40 करोड़ रुपये की राशि पर समझौता हुआ।

जल्द निपटारे में मदद कर रही लोक अदालत: डीएसएलएसए के अनुसार, चेक बाउंस के मामलों की बढ़ती संख्या और अदालतों में लंबित मुकदमों का बोझ कम करने के उद्देश्य से इस विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। चूंकि, इस तरह के मामले मुख्य रूप से वित्तीय विवादों से जुड़े होते हैं और आपसी सहमति से उनका समाधान संभव होता है, इसलिए लोक अदालत इन्हें शीघ्र निपटाने का प्रभावी माध्यम साबित हो रही है। प्राधिकरण ने बताया कि विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए सभी जिला अदालतों के सहयोग से पहले ही व्यापक तैयारियां की गई थीं। इसके तहत लंबित और प्री-लिटिगेशन मामलों की पहचान कर उनकी सूची तैयार की गई, सभी पक्षकारों को समय पर नोटिस भेजे गए, बैंकों के अधिकृत अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई व पर्याप्त संख्या में लोक अदालत पीठों का गठन किया गया। पक्षकारों के बीच समझौता कराने के लिए प्रशिक्षित मध्यस्थों की भी तैनाती की गई। लोक अदालत से पहले विभिन्न अदालतों में प्री-लोक अदालत बैठकें भी आयोजित की गई, ताकि अधिक से अधिक मामलों में पहले ही सहमति बन सके और सुनवाई के दिन उनका निपटारा किया जा सके।

विशेष लोक अदालत की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए डीएसएलएसए के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न अदालत परिसरों का दौरा किया।

पक्षकारों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा: सदस्य सचिव राजीव बंसल ने साकेत अदालत, विशेष सचिव तन्वी खुराना ने तीस हजारी अदालत, अतिरिक्त सचिव अभिनव पांडेय ने कड़कड़डूमा अदालत व सचिव (वाद) भारती गर्ग ने पटियाला हाउस अदालत परिसर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, मध्यस्थों और पक्षकारों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वादकारियों की सुविधा के लिए सभी प्रमुख अदालत परिसरों में महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सहायता काउंटर भी स्थापित किए गए। प्राधिकरण के अनुसार, न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों, मध्यस्थों और पक्षकारों के सक्रिय सहयोग से बड़ी संख्या में मामलों का आपसी सहमति से निपटारा संभव हो सका।

दक्षिणी दिल्ली को जाम से मिलेगी राहत, कालकाजी और सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर का काम जल्द होगा शुरू

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। आउटर रिंग रोड पर कालकाजी और सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर की दूसरी लेन बनाने में आ रही बाधा अब दूर हो गई है। दोनों ही साइट पर ठेकेदार कंपनी को निर्माण सामग्री रखने के लिए जगह नहीं मिल रही थी।

कालकाजी फुटओवर ब्रिज के पास पीडब्ल्यूडी की साइट पर जहां निर्माण सामग्री आनी शुरू हो गई है, वहीं अब सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर के पास डीडीए ने इसके लिए दो एकड़ जमीन उपलब्ध करा दी है। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने शनिवार को डीडीए की ओर से जमीन की मांग को मंजूरी मिलने की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दिसंबर 2025 में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली थी। साथ ही मोदी मिल फ्लाईओवर को कालकाजी फ्लाईओवोर से जोड़ने का काम भी मंजूर किया था। प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बावजूद खाली स्थान की कमी के कारण काम शुरू नहीं हो पाया था। दिल्ली सरकार ने सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर के पास डीडीए से लगभग दो एकड़ ज़मीन मांगी थी ताकि ट्रैफ़िक की आवाजाही में ज्यादा रुकावट के बिना निर्माण कार्य किया जा सके। इस निर्माण से ग्रेटर कैलाश और नेहरू प्लेस, चित्तरंजन पार्क और चिराग दिल्ली इलाके के बीच बिना किसी परेशानी के आवाजाही हो सकेगी।

लगभग 412 करोड़ रुपये की यह परियोजना दक्षिणी दिल्ली में ट्रैफिक की समस्या को कम करने में कारगर साबित हो सकती है। गावर कंस्ट्रक्शन को इसका काम सौंपा गया है, जिसे अगले 24 से 30 महीनों में दोनों फ्लाईओवर का काम पूरा करना है।

मई में ही मिट्टी की जांच और भू-तकनीकी सर्वे किया गया पर निर्माण सामग्री रखने के लिए स्थान उपलब्ध न होने का काम आगे नहीं बढ़ पा रहा था।

अब कालकाजी फ्लाईओवर के पास निर्माण सामग्री आनी शुरू हो गई है और सावित्री सिनेमा के पास स्थान मिलने से अगले कुछ दिनों में दोनों जगहों पर दूसरी लेन के फ्लाईओवर निर्माण का काम शुरू कर दिया जाएगा। भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा दक्षिणी दिल्ली में जाम की समस्या बड़ी चुनौती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा से इसे लेकर आग्रह किया था। जाम की समस्या दूर करना दिल्ली सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।

पहले चरण में 79404 छात्रों ने स्वीकार की सीट, 10746 ने फीस जमा कर प्रवेश किया पक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू में स्नातक (यूजी) दाखिले के पहले चरण में प्रवेश प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। शनिवार शाम छह बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, 79,404 अभ्यर्थियों ने आवंटित सीट स्वीकार कर ली है।

इनमें से 26,061 आवेदनों का कालेजों द्वारा सत्यापन पूरा कर उन्हें फीस जमा करने की अनुमति दे दी गई, जबकि 10,746 विद्यार्थियों ने आनलाइन फीस जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर लिया है। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष पहले चरण में 71,624 उपलब्ध सीटों के मुकाबले 93,033 सीट आवंटन किए थे। यानी सीटों की वास्तविक संख्या से करीब 21 हजार अधिक आवंटन किए गए।

25 जुलाई को आएगी दूसरे चरण की सीट आवंटन सू: विश्वविद्यालय का कहना है कि यह रणनीति पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर अपनाई गई है, क्योंकि बड़ी संख्या में छात्र एक से अधिक संस्थानों में विकल्प मिलने पर सीट छोड़ देते हैं। इससे सभी सीटें समय पर भरने में मदद मिलती है। दूसरे चरण की सीट आंवटन सूची 25 जुलाई को आएगी।

डीयू के अनुसार, पहले चरण में सीट पाने वाले विद्यार्थियों के लिए 18 जुलाई रात 11:59 बजे तक सीट स्वीकार करने का अंतिम अवसर था। इसके बाद संबंधित कालेज दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे और योग्य अभ्यर्थियों को फीस भुगतान के लिए मंजूरी देंगे। जिन छात्रों को भुगतान की अनुमति मिल चुकी है, उन्हें निर्धारित समयसीमा के भीतर फीस जमा करनी होगी, तभी उनका प्रवेश अंतिम रूप से माना जाएगा। इस वर्ष डीयू की प्रवेश प्रक्रिया में रिकार्ड रुचि देखने को मिली। 2,18,284 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की, जबकि 2,06,835 विद्यार्थियों ने कालेज और पाठ्यक्रम की प्राथमिकताएं भरी थीं। इन्हीं के आधार पर पहली आवंटन सूची जारी की गई।

संसद के मानसून सत्र के दौरान दिल्ली की इन सड़कों पर बढ़ेगा जाम

ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का मानसून सत्र सोमवार 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। सत्र के दौरान संसद भवन और नई दिल्ली क्षेत्र में वीवीआइपी आवाजाही बढ़ने और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहने के कारण कई प्रमुख सड़कों और चौराहों पर यातायात प्रभावित रह सकता है। इसे देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने आम लोगों से यात्रा की बेहतर योजना बनाने और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

इन मार्गों से बचने की सलाह: ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, रफी मार्ग, मोतीलाल नेहरू मार्ग, मौलाना आजाद रोड, के. कामराज मार्ग, रायसीना रोड, राजेंद्र प्रसाद रोड, संसद मार्ग, अशोका रोड, तालकटोरा रोड, पंडित पंत मार्ग और रकाबगंज गुरुद्वारा रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ सकता है। आवश्यकता न होने पर इन मार्गों से बचने की सलाह दी गई है। इसी तरह विजय चौक, पटेल चौक, बोट क्लब, बूटा सिंह मार्ग, रेल भवन, प्राइम चौक, सुनेहरी मस्जिद, जीआरजी और जलेबी चौक जैसे प्रमुख चौराहों पर भी यातायात प्रभावित रहने की संभावना है। ऐसे में वाहन चालकों को इन क्षेत्रों में अतिरिक्त समय लेकर निकलने की सलाह दी गई है।

इन वैकल्पिक मार्गों को इस्तेमाल करने का सुझाव

यातायात पुलिस ने जनपथ, मान सिंह रोड, अकबर रोड, तीन मूर्ति मार्ग, शांति पथ, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद रोड, कमाल अतातुर्क मार्ग और पंचशील मार्ग को वैकल्पिक रास्तों के रूप में सुझाया है। इसके अलावा विनय मार्ग, आउटर सर्कल (कनाट प्लेस), बाबा खड़क सिंह मार्ग, मदर टेरेसा क्रिसेंट रोड और सरदार पटेल मार्ग का भी आवश्यकता अनुसार उपयोग किया जा सकता है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से धैर्य बनाए रखने, यातायात नियमों का पालन करने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पूरी तरह पालन करने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि आम नागरिकों के सहयोग से संसद के मानसून सत्र के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा जा सकेगा।

दिल्ली में उमस भरी गर्म रात से हाल बेहाल

न्यूनतम तापमान 31 डिग्री दर्ज, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर वालों को उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिली। दिन के साथ ही रात में भी गर्मी अधिक हो रही है। दिल्ली में शुक्रवार को पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहा था।

शनिवार को यह कम होकर 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। अब फिर से न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यह सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक है। दोपहर तक मौसम में कुछ बदलाव होने की उम्मीद है।

तेज हवा के साथ बारिश के आसार

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। दोपहर तक 20 से 40 किलोमीटर तक हवा चलने के साथ ही हल्की वर्षा होगी। लेकिन उमस भरी गर्मी बनी रहेगी। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। वहीं, रविवार को सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड पर 29.2 डिग्री सेल्सियस, पालम में 29 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड पर 30 अयानगर में 29.4 डिग्री सेल्सियस और रिज स्टेशन पर27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची बिजली की मांग

उमस भरी गर्मी के कारण बिजली की खपत भी बढ़ गई है। बिजली की अधिकतम मांग शुक्रवार को 84 सौ मेगावाट के ऊपर पहुंच गई थी। शनिवार को भी मांग आठ हजार मेगावाट से अधिक रही।

दिल्ली में भारत-इंग्लैंड मैच पर ऑनलाइन सट्टेबाजी का भंडाफोड़, चार्टर्ड अकाउंटेंट समेत 5 गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत-इंग्लैंड क्रिकेट मैच पर आनलाइन सट्टेबाजी कराने वाले एक संगठित गिरोह का पता लगाते हुए पश्चिमी जिला पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया है कि गिरोह के संचालन में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की अहम भूमिका थी, जबकि कारोबार में घाटा झेल चुका उसका एक साथी भी नेटवर्क चलाने में सहयोग कर रहा था। पुलिस का कहना है कि इस रैकेट का मास्टरमाइंड क्षेत्र का एक बड़ा कारोबारी है, जो फिलहाल फरार है। उसकी तलाश की जा रही है और पूरे नेटवर्क की जांच जारी है।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जतिन टंडन (34), योगेश गोयल (30), अनमोल (33), शिखर अग्रवाल (38) और मोहित ढींगरा (41) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, योगेश गोयल पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट है और रैकेट के संचालन में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका सामने आई है। वहीं, अनमोल पहले पारिवारिक गारमेंट्स कारोबार से जुड़ा था, लेकिन कारोबार में घाटा होने के बाद वह इस अवैध गतिविधि से जुड़ गया। शिखर अग्रवाल और मोहित ढींगरा भी नेटवर्क के संचालन में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

आरोपियों ने डिजिटल साक्ष्य मिटाने की कोशिश की: उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 16 जुलाई को सूचना मिली थी कि कीर्ति नगर के एन-ब्लाक स्थित एक मकान से भारत-इंग्लैंड क्रिकेट मैच पर आनलाइन सट्टेबाजी कराई जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसीपी पंजाबी बाग जय प्रकाश के निर्देशन और थाना प्रभारी इंस्पेक्टर महाबीर सिंह व इंस्पेक्टर मनीष कुमार के नेतृत्व में एक टीम ने मकान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मकान के अंदर पांच लोग आनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी करते मिले। पुलिस टीम को देखकर आरोपितों ने लैपटाप और मोबाइल फोन बंद कर डिजिटल साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने तुरंत सभी को पकड़ लिया।

फरार मास्टरमाइंड की तलाश जारी: प्रारंभिक जांच में इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर लाइव बेटिंग इंटरफेस संचालित मिला। मौके से 28 मोबाइल फोन, दो लैपटाप, दो आडियो रिकार्डर, एक हेडफोन, सट्टेबाजी के रिकार्ड और लेनदेन दर्ज तीन नोटबुक आदि सामान बरामद किए हैं। इस संबंध में कीर्ति नगर थाना पुलिस ने दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट, 1955 की धारा 3, 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया है।

दिल्ली में दो अगस्त को लगेगा देश का सबसे बड़ा रक्तदान शिविर, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में नाम दर्ज कराने के लक्ष्य के साथ दो अगस्त को दिल्ली मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। लक्ष्मी तरु फाउंडेशन के तत्वावधान होने वाले इस रक्तदान शिविर को लेकर दावा किया गया है कि यह देश का सबसे बड़ा मेगा रक्तदान शिविर होगा। इसका लक्ष्य करीब 3,100 यूनिट रक्त एकत्र कर गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में नाम दर्ज कराना है। शनिवार को बताया गया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी, शिविर सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक चलेगा। शिविर भारतीय सशस्त्र बलों तथा थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को समर्पित रहेगा। इसका संदेश ए ड्रॉप फार द आर्मी तथा एवरी ड्राप गिव्स समवन ए न्यू लाइफ है। एकत्रित रक्त आर्म्ड फोर्सेज ट्रांसफ्यूजन सेंटर (एएफटीसी), एम्स, सफदरजंग अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, हिंदू राव अस्पताल, लायंस ब्लड सेंटर, रोटरी ब्लड सेंटर तथा अन्य अधिकृत एवं लाइसेंस प्राप्त ब्लड बैंकों और अस्पतालों को उपलब्ध कराया जाएगा।

केवल रिकॉर्ड बनाना लक्ष्य नहीं: फाउंडेशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष विपिन गर्ग ने बताया कि हमारा उद्देश्य केवल रिकार्ड बनाना नहीं, बल्कि सशस्त्र बलों के जवानों, थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों, दुर्घटना पीड़ितों तथा अन्य जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराना है। महासचिव अंकित गर्ग, आर्थोपेडिक विशेषज्ञ डा. महेश कुमार, बाइकर एवं हीलर सिंपल अरोड़ा तथा युग संस्कृति न्यास के संस्थापक एवं अध्यक्ष आचार्य धर्मवीर ने अभियान की जानकारी दी।

उत्तर मध्य रेलवे

जेम बिड सूचना 11/2026 — **ई-निविदा सूचना** — दिनांकः 17.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल सामग्री प्रबंधक/आगरा, उत्तर मध्य रेलवे के अधीन निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

जेम बिड संख्याः GEM/2026/B/7709849 dt. 16.07.2026	ईएमडी (रू.): 196180/-
विवरणः एक्सएलपीई केबल फॉर वर्किंग वोल्टेज	
मात्राः 16450 MTR	जेम बिड खुलने की तिथिः 17.08.2026

नोटः 1. उपरोक्त सभी जेम बिड का पूरा विवरण GEM की वेबसाईट https://www.gem.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त बिड हेतु जेम बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको GEM की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिए। 5. ड्राइंग की कीमत के लिए विनिधान जेड 650- एवं बयाना राशि (ई.म.डी) जमा करने के लिए विनिधान विविध भंडार 00844517 है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए GEM की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1656/26(K)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या 15/2026/आर.एस./जे.एच.एस. — दिनांकः 16.07.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर (चल स्टॉक), उत्तर मध्य रेल, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिये ऑनलाईन (**ई-टेन्डरिंग**) के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं.ः झाँसी-आर.एस.-डब्ल्यू.सी.-टी3-2026-27-आर.टी.1	
निविदा मूल्यः Rs. 1770888.00	
कार्य का विवरणः विद्युत लोको शेड, झाँसी के इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल, मेजरिंग तथा टेस्ट उपकरणों का वार्षिक कैलिब्रेशन करना तीन वर्ष की अवधि के लिए।	
बयाना राशिः Rs. 35400.00	स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधिः 36 माह
निविदा सं.ः झाँसी-आर.एस.-डब्ल्यू.सी.-टी1-2025-26-आर.टी.5	
निविदा मूल्यः Rs. 37878000.00	
कार्य का विवरणः हिटैची टैक्शन मोटर HS-15250 का इलेक्ट्रिकल रिपेयर करना।	
बयाना राशिः Rs. 757600.00	स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधिः 24 माह

निविदा बंद होने की तिथिः 14.08.2026 प्रत्येक निविदा हेतु। निविदाकार निविदा दिनांक **14.08.2026** को **15:00 बजे** तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर देखें। 1640/26(K)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

संपादकीय

सोनम वांगचुक, बिगड़ती सेहत- क्या सरकार की चुप्पी ही असली परीक्षा है?

सरकार को उनसे बातचीत करना और अनशन खत्म कराना जरूरी नहीं लग रहा है। सवाल है कि सरकार के ऐसे रुख को लोकतंत्र के आईने में किस नजरिए से देखा जाएगा। शनिवार को भी सोनम वांगचुक दवा लेने से इंकार कर दिया था। किसी भी लोकतंत्र में जनता की ओर से अगर सरकार के रुख या उसकी नीतियों पर सवाल उठाया जाता है, तो एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह स्वाभाविक स्थिति है। ऐसे में सरकार का दायित्व होता है कि वह उन सवालों पर विचार करे, हर संभव और संतुष्ट करने वाला उचित उत्तर दे। विडंबना यह है कि कई बार सरकार की ओर से जन-आंदोलनों को लेकर उदासीनता या फिर उपेक्षा का भाव दिखाया जाता है और इसी वजह से कोई समस्या सुलझने के बजाय और ज्यादा जटिल हो जाती है।नीट परीक्षा में गड़बड़ी के विरोध में जब युवाओं ने दिल्ली के जंतर मंतर पर आंदोलन शुरू किया, तभी सरकार को उनके साथ बातचीत करके कोई समाधान निकालने की कोशिश करनी चाहिए थी। मगर सरकार की अनदेखी के बाद भी जिस तरह लोगों ने इस मसले पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को उठाना जारी रखा है, उससे साफ है कि वे फिलहाल इसे एक प्रतीकात्मक हल की तरह देख रहे हैं। हैरानी की बात है कि सरकार को आंदोलनकारियों के साथ संवाद स्थापित करके कोई रास्ता निकालना जरूरी नहीं लग रहा।हालांकि सरकारी उदासीनता के बावजूद प्रश्नपत्र लीक होने और परीक्षा रद्द होने के मुद्दे पर शुरू हुआ आंदोलन अभी जारी है और अब कई नेता भी वहां अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। मगर इस बीच पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन के साथ जुड़ने और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठने के बाद जंतर मंतर पर युवाओं के आंदोलन को नई गति मिली है और वे अपनी मुख्य मांग पूरी करने पर जोर दे रहे हैं।मगर यह चिंता की बात है कि करीब तीन हफ्ते से लगातार अनशन पर रहने की वजह से जहां सोनम वांगचुक की सेहत में लगातार गिरावट आ रही है, वहीं सरकार को उनसे बातचीत करना और अनशन खत्म कराना जरूरी नहीं लग रहा है। सवाल है कि सरकार के ऐसे रुख को लोकतंत्र के आईने में किस नजरिए से देखा जाएगा। क्या यह सरकार के लिए एक शर्मिंदा करने वाली स्थिति नहीं होनी चाहिए कि दिल्ली उच्च न्यायालय को यह याद दिलाना पड़ रहा है कि अनशन पर बैठे एक आंदोलनकारी को लेकर सरकार का क्या दायित्व होना चाहिए?गौरतलब है कि गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर हर रोज नजर रखें और जरूरत पड़ने पर उन्हें चिकित्सीय मदद मुहैया कराएं। अदालत ने एक अहम टिप्पणी की कि जिंदगी अनमोल है और उसे बचाने के लिए अधिकारियों को सारे चिकित्सीय प्रयास करने चाहिए। साथ ही वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति की नियमित रूप से जांच करनी चाहिए। दिल्ली हाई कोर्ट के ये निर्देश निश्चित रूप से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक के जीवन को बचाने के लिहाज से अहम हैं, लेकिन यह सरकार का भी दायित्व है कि वह बिना देर किए इस मसले पर वांगचुक सहित आंदोलनकारियों से संवाद स्थापित करे और कोई ठोस हल निकाले।

बारिश नहीं, कुप्रबंधन है असली गुनहगार- आखिर हर मानसून में क्यों डूब जाते हैं भारत के शहर?

(बलवंत राज मेहता)

जलवायु परिवर्तन ने कई चुनौतियों को और कठिन बना दिया है। अब वर्षा का स्वरूप बदल गया है। पहले जो पानी कई दिनों में गिरता था, वह अब कुछ घंटों में गिर जाता है। ऐसे में पचास-साठ वर्ष पुराने मानकों पर बनी सीवर व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है।

काले बादलों के बीच भारी बारिश के बाद पानी में डूबी शहरी सड़क, जलमग्न वाहन, पैदल चलते लोग और अवरुद्ध नाला–भारतीय शहरों में मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति को दर्शाता। वर्षा ऋतु को लेकर भारतीय मानस में अप्रतिम लगाव रहा है। यही वह समय है जब किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए काले मेघों के घुमड़ने का इंतजार करते हैं। बरसात में देरी हो जाए, तो फसलों पर असर पड़ने की संभावना होती है। बारिश की बूंदें पड़ते ही तृषित धरती भी शीतल होने लगती है और चारों ओर फिर से हरियाली छाने लगती है।

भारतीय परंपरा में चौमासे का खास महत्त्व है। सावन का नाम लेते ही लोकगीत, झूले लहलहाती फसलों के साथ जीवन का उल्लास आंखों के सामने तैरने लगता है। मगर विडंबना देखिए कि यही बारिश आज शहरों में भय का पर्याय बनती जा रही है। बादल बरसते हैं, तो महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक सड़कें नदियों में बदल जाती हैं। कहीं वाहन बह जाते हैं, कहीं अस्पतालों में पानी भर जाता है, तो कहीं हवाईअड्डे ठप पड़ जाते हैं। कई बार तो लोग अपने घरों में कैद होकर रह जाते हैं। यह दृश्य अब अपवाद नहीं, लगभग हर मानसून में यह विवशता दिखाई देती है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या भारत में सचमुच बारिश अधिक हो रही है या हमारी शहरी व्यवस्था सिकुड़ गई है? उत्तर दूसरा अधिक सटीक प्रतीत होता है। प्रकृति ने अपना स्वभाव पूरी तरह नहीं बदला। दरअसल, हमने अपने शहरों का चरित्र बदल दिया है। जिन तालाबों में पानी रुकना चाहिए था, वहां बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी गईं। जिन नालों से वर्षा का पानी निकलता था, वहां मकान बना दिए गए। जिन आर्द्रभूमियों को शहर का 'प्राकृतिक गुर्दा' कहा जाता है, उन्हें कंक्रीट से ढक दिया गया। अब पानी अपने पुराने रास्ते खोजता है, तो हम उसे 'आपदा' कह देते हैं।

हमारी नगर योजनाओं में वर्षों तक एक गंभीर भूल होती रही। शहरों को केवल आबादी बसाने की जगह समझा गया, जबकि पानी के प्रवाह का विज्ञान लगभग भुला दिया गया। सड़कें चौड़ी होती गईं, लेकिन नालियां संकरी होती चली गईं। तालाब और बावड़ियां लुप्त होती चली गईं। सीमेंट और डामर ने धरती की सांसें बंद कर दीं। पानी के जमीन में उतरने के रास्ते खत्म होते गए। परिणाम यह हुआ कि कुछ घंटों की बारिश पूरे शहर की गति रोक देती है।

यह भी सच है कि जलवायु परिवर्तन ने कई चुनौतियों को और कठिन बना दिया है। अब वर्षा का स्वरूप बदल गया है। पहले जो पानी कई दिनों में गिरता था, वह अब कुछ घंटों में गिर जाता है। ऐसे में पचास-साठ वर्ष पुराने मानकों पर बनी सीवर व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है। नाले उफनने लगते हैं। सड़कें नदी बनने लगती हैं। ऐसे में व्यवस्था से अपेक्षा करना स्वयं को धोखा देना है।

इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा अटल नवीकरण एवं शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत 2.0), वर्षा जल संचयन, शहरी बाढ़ प्रबंधन और 'स्पंज सिटी' जैसी अवधारणाओं को आगे बढ़ाना एक सकारात्मक पहल है। यदि इन योजनाओं का ईमानदारी से क्रियान्वयन हुआ, तो भारतीय शहरों की तस्वीर बदल सकती है, लेकिन भारत का अनुभव यह भी कहता है कि किसी योजना की सफलता उसकी घोषणा में नहीं, उसके धरातल पर दिखाई देने वाले परिणामों में होती है।

'स्पंज सिटी' शब्द सुनने में आधुनिक लगता है, पर उसकी मूल अवधारणा भारतीय परंपरा से बहुत दूर नहीं है। हमारे गांवों में जोहड़ थे, बावड़ियां थीं, तालाब थे, खुले मैदान थे और खेतों की मेड़ें थीं। तब बरसात का पानी जमीन में समा जाता था। शहरों ने इन सबको विकास की राह में बाधा मान लिया। अब वही शहर करोड़ों रुपए खर्च करके कृत्रिम जलाशय और 'रेन गार्डन' बनाने की योजना बना रहे हैं। इसे विडंबना कहें या विकास की अधूरी समझ? समस्या केवल तकनीकी नहीं, प्रशासनिक भी है।

हर वर्ष मानसून आने से कुछ दिन पहले नालों की सफाई का अभियान शुरू होता है। कैमरों के सामने कचरा निकलता है, प्रेस विज्ञप्तियां जारी होती हैं। कुछ दिनों बाद पहली तेज बारिश सारी तैयारियों की पोल खोल देती है। यदि जल निकासी व्यवस्था बारह महीने की जिम्मेदारी न होकर केवल मानसून पूर्व औपचारिकता बनी रहेगी, तो स्थिति नहीं बदलेगी।

नगर निकायों की जवाबदेही तय किए बिना इस संकट का समाधान संभव नहीं है। किसी शहर में यदि हर वर्ष वही सड़कें डूबती हैं, वही अंडरपास जलमग्न होते हैं और वही इलाके जलभराव का शिकार होते हैं, तो इसे प्राकृतिक आपदा नहीं कहा जा सकता। यह प्रशासनिक विफलता है। दुर्भाग्य यह है कि हमारे यहां जिम्मेदारी तय करने की संस्कृति अभी भी कमजोर है। बारिश समाप्त होते ही फाइलें भी सूख जाती हैं और अगले मानसून तक सब कुछ भुला दिया जाता है।

समाज भी इस विफलता से पूरी तरह मुक्त नहीं है। नालियों में प्लास्टिक फेंकना, जल निकासी मार्गों पर अतिक्रमण करना, वर्षा जल संचयन की व्यवस्था न बनाना और सार्वजनिक स्थानों को कूड़ाघर में बदल देना भी जलभराव को आमंत्रित करता है। शहरों की देखरेख सरकार करती है, लेकिन नागरिकों की भी जिम्मेदारी बनती है। सबका अपना दायित्व है।

मुंबई, चेन्नई, बंगलुरु, कोलकाता और गुवाहाटी जैसे शहर वर्षों से इस मौसम में बाढ़ की मार झेल रहे हैं। राजस्थान जैसे अपेक्षाकृत कम वर्षा वाले प्रदेश में भी जयपुर, जोधपुर और कोटा में कुछ घंटों की बारिश के बाद सड़कों का डूब जाना बताता है कि समस्या केवल बारिश की मात्रा नहीं, बल्कि शहरी नियोजन की गुणवत्ता है। दूसरी ओर इंदौर, सूरत और कुछ अन्य शहरों ने यह संकेत भी दिया है कि यदि इच्छाशक्ति हो, तो सुधार असंभव नहीं है। यह कहना जल्दबाजी होगी कि 2030 तक भारत पूरी तरह जलभराव मुक्त हो जाएगा। इतना बड़ा दावा तभी विश्वसनीय होगा, जब शहरों के मास्टर प्लान में प्राकृतिक जल निकासी को प्राथमिकता मिले, अवैध अतिक्रमण हटें, प्रत्येक नए भवन में वर्षा जल संचय अनिवार्य रूप से लागू हो, नालों का वैज्ञानिक तरीके से पुनर्निर्माण हो और शहरी विकास का हर निर्णय जल विज्ञान को ध्यान में रख कर लिया जाए। केवल योजनाओं के नाम बदलने या नई समय-सीमा घोषित करने से शहर नहीं बदलते। दरअसल, जलभराव का संकट हमें विकास की एक बड़ी भूल की याद दिलाता है। हमने शहरों को रहने योग्य बनाने के बजाय केवल फैलाने का प्रयास किया। भारत को यदि सचमुच विकसित राष्ट्र बनना है, तो उसे अपने शहरों को पानी से लड़ना नहीं, पानी के साथ जीना सिखाना होगा। यह प्रश्न केवल जलभराव का नहीं, शासन की प्राथमिकताओं और विकास की दिशा का है। जिस देश ने सदियों पहले तालाबों, बावड़ियों, जोहड़ों और जलमार्गों की ऐसी परंपरा विकसित की थी, वही आज बारिश की कुछ घंटों की मार से पंगु हो जाता है। यह विडंबना किसी प्राकृतिक अभिशाप की नहीं, बल्कि नियोजन की भूलों की कहानी है। शहरों को स्मार्ट बनाने की होड़ में उन्हें संवेदनशील बनाना हम भूल गए। विकास तब तक अधूरा रहेगा, जब तक वह प्रकृति के साथ संवाद करना नहीं सीखता। यदि अमृत 2.0, 'स्पंज सिटी' और वर्षा जल संचयन जैसी पहलें कागज से निकल कर ईमानदारी से जमीन पर उतरती हैं, तो आने वाले वर्षों में तस्वीर बदल सकती है, लेकिन यदि अतिक्रमण, लापरवाही और जवाबदेही का अभाव यों ही बना रहा, तो हर मानसून नई घोषणाएं करेगा और हर बरसात पुराने जख्म हरे करेगी।

संसद का मानसून सत्र : लोकतंत्र का महायुद्ध या राष्ट्रीय सहमति का महापर्व ?

विनोद कुमार सिंह
'तकियावाला',स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।संविधान निर्माताओं ने संसद को केवल कानून बनाने की संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संवाद,जनाकांक्षाओं की अभिव्यक्ति और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच के रूप में स्थापित किया।संसद की गरिमा केवल सत्ता पक्ष के बहुमत से नहीं,बल्कि एक सशक्त,जागरूक और उत्तरदायी विपक्ष से भी निर्मित होती है।लोकतंत्र का सौंदर्य इसी संतुलन में निहित है।सरकार जनादेश का प्रतिनिधित्व करती है,जबकि विपक्ष जनमत की निगरानी करता है।दोनों की सक्रिय और रचनात्मक भूमिका ही संसदीय लोकतंत्र को जीवंत बनाती है।इसी लोकतांत्रिक परंपरा को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से प्रत्येक संसदीय सत्र से पूर्व केन्द्र सरकार सर्वदलीय बैठक आयोजित करती है।यद्यपि यह संविधान द्वारा अनिवार्य नहीं है, फिर भी दशकों से विकसित यह संसदीय परम्परा सरकार और विपक्ष के बीच संवाद का सबसे महत्त्वपूर्ण माध्यम रही है।इस बैठक में आगामी सत्र की कार्ययोजना,विधायी प्राथमिकताओं,जनहित से जुड़े मुद्दों तथा सदन को व्यवस्थित और सुचारु रूप से चलाने पर विचार-विमर्श किया जाता है। लोकतंत्र में संवाद की यह परम्परा ही राजनीतिक मतभेदों को संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर बनाए रखने का आधार बनती है।20 जुलाई से प्रारम्भ हुए संसद के मानसून सत्र की शुरुआत इस बार सहमति के वातावरण में नहीं,बल्कि तीखे राजनीतिक मतभेदों के साथ हुई है।सत्र से पूर्व आयोजित सर्वदलीय बैठक में आम आदमी पार्टी,तृणमूल कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के कई दलों ने उन सांसदों को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई,जिन्होंने अपनी मूल राजनीतिक पार्टी से अलग होने की घोषणा की है अथवा जिनकी स्थिति दल-बदल विरोधी कानून के अंतर्गत अभी लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष विचाराधीन है।विपक्ष ने इसे संसदीय मर्यादाओं के विपरीत बताते हुए बैठक का बहिष्कार किया। सरकार का पक्ष है कि निमंत्रण संसदीय अभिलेखों और उपलब्ध आधिकारिक स्थिति के आधार पर भेजे गए हैं तथा इसमें किसी प्रकार की प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं हुआ है।यह विवाद केवल एक बैठक तक सीमित नहीं है।इसके पीछे भारतीय राजनीति में लगातार बढ़ता अविश्वास,दल -बदल की घटनाएँ, गठबंधनों का विघटन,राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे प्रश्न भी जुड़े हैं।विपक्ष का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष को कमजोर करने की दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर कार्य कर रहा है।सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहती है कि लोकतंत्र में प्रत्येक निर्वाचित जनप्रतिनिधि को कानून के दायरे में राजनीतिक निर्णय लेने का अधिकार है तथा दल- बदल से जुड़े मामलों का अंतिम निर्णय संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार संबंधित अध्यक्ष अथवा सभापति ही करते हैं।इस बार मानसून सत्र का महत्त्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि सरकार अनेक महत्त्वपूर्ण विधेयकों को संसद में प्रस्तुत करने अथवा पारित कराने की तैयारी में है।संसद की उपलब्ध कार्यसूची और सरकारी संकेतों के अनुसार आयकर(संशोधन) विधेयक,सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम विकास(संशोधन)विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन)विधेयक,सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक,राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन)विधेयक तथा विदेशी अंशदान (विनियमन)अधिनियम में संशोधन जैसे विषय सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। हालाँकि संसद की कार्यसूची गतिशील होती है और कार्यमंत्रणा समिति अथवा सरकार के निर्णय के अनुसार इसमें परिवर्तन,नए विधेयकों का समावेश अथवा प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण भी संभव है।सरकार का दावा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य प्रशासनिक सुधार,न्यायिक दक्षता,कर व्यवस्था का सरलीकरण,निवेश को प्रोत्साहन, सुशासन तथा पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ करना है।सरकार का यह भी कहना है कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए विधायी सुधारों की गति बनाए रखना समय की आवश्यकता है।यही कारण है कि मानसून सत्र को सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के सबसे महत्त्वपूर्ण विधायी सत्रों में से एक मान रही है।दूसरी ओर राजनीतिक विमर्श का सबसे संवेदनशील विषय संविधान संशोधन,परिसीमन तथा महिला आरक्षण का प्रभावी क्रियान्वयन बना हुआ है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पारित हो चुका है,किन्तु उसका वास्तविक क्रियान्वयन नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही संभव है।विपक्ष का आरोप है कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के बजाय भविष्य की प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है। सरकार का कहना है कि संविधान के वर्तमान प्रावधानों के अंतर्गत परिसीमन के बिना आरक्षण लागू करना संभव नहीं है।स्पष्ट है कि यह विषय राजनीतिक बहस के साथ-साथ संवैधानिक व्याख्या का भी प्रश्न बन चुका है।परिसीमन आने वाले वर्षों की भारतीय राजनीति का सबसे महत्त्वपूर्ण संवैधानिक विषय बनता दिखाई दे रहा

घृणा, गरीबी और असमानता- क्या भारत का विकास हाशिये के आखिरी आदमी तक पहुंच पाया है

(संतोष पटेल)

> 'घृणा' एक ऐसा शक्तिशाली और विनाशकारी भाव है, जिसने मानव इतिहास के पृष्ठों को रक्त और राख से रंगा है। शेक्सपियर ने प्रेम और घृणा को व्यक्तित्व के दो ध्रुव बताया है। वास्तविकता यह है कि घृणा में जलने वाला व्यक्ति अपनी समस्त ऊर्जा उस व्यक्ति या व्यवस्था के प्रति समर्पित कर देता है, जिसे वह नापसंद करता है। यह एक ऐसी आत्मघाती प्रक्रिया है, जो पाने वाले का कम, लेकिन उसे पोषित करने वाले का सर्वस्व नष्ट कर देती है। तथागत बुद्ध ने 'धम्मपद' में इस शाश्वत सत्य को अत्यंत स्पष्टता से रेखांकित किया है—इस संसार में द्वेष कभी भी द्वेष से शांत नहीं होता, वह केवल अद्वेष, प्रेम और करुणा से ही शांत होता है।

मानव सभ्यता के इतिहास पर अगर हम निष्पक्ष दृष्टि डालें, तो यह स्पष्ट होता है कि प्राकृतिक आपदाओं, महामारियों या हिंसक वन्यजीवों ने मानवता को उतना नुकसान नहीं पहुंचाया है, जितना स्वयं मनुष्य ने मनुष्य को पहुंचाया है। पशु जगत में हिंसा का आधार प्रायः जैविक है - भूख या आत्मरक्षा।

मगर मनुष्य ही एकमात्र ऐसी प्रजाति है, जो बिना किसी स्पष्ट उकसावे के, विचारधारा, धर्म, जाति या वर्चस्व के नाम पर संगठित हिंसा को अंजाम देती है। घृणा और असहिष्णुता का यह विषाक्त वातावरण एक ऐसी पीढ़ी को जन्म देता है, जो विरासत में ही द्वेष की घुट्टी लेकर पैदा होती है।

जब हम घृणा, गरीबी और शोषण के अंतर्संबंधों पर बात करते हैं, तो प्रगतिशील कवि और गीतकार साहिर लुधियानवी की कालजयी पंक्तियां मानस पटल पर उभर आती हैं। उन्होंने अपनी नज्म 'चकलें' में उस कड़वे सच को उकेरा था, जो आज भी हमारे आधुनिक समाज के चेहरे पर एक तमाचा है–'संसार की हर एक बेशर्मी, गुरबत की गोद में पलती है/ चकले ही में आकर रुकती हैं, फाकों (भूख) में जो राहें निकलती हैं।'

'घृणा' एक ऐसा शक्तिशाली और विनाशकारी भाव है, जिसने मानव इतिहास के पृष्ठों को रक्त और राख से रंगा है। शेक्सपियर ने प्रेम और घृणा को व्यक्तित्व के दो ध्रुव बताया है। वास्तविकता यह है कि घृणा में जलने वाला व्यक्ति अपनी समस्त ऊर्जा उस व्यक्ति या व्यवस्था के प्रति समर्पित कर देता है, जिसे वह नापसंद करता है। यह एक ऐसी आत्मघाती प्रक्रिया है, जो पाने वाले का कम, लेकिन उसे पोषित करने वाले का सर्वस्व नष्ट कर देती है। तथागत बुद्ध ने 'धम्मपद' में इस शाश्वत सत्य को अत्यंत स्पष्टता से रेखांकित किया है–इस संसार में द्वेष कभी भी द्वेष से शांत नहीं होता, वह केवल अद्वेष, प्रेम और करुणा से ही शांत होता है।

दरअसल, अपराध और सामाजिक पतन का मूल कारण आमतौर पर व्यक्ति का जन्मजात चरित्र नहीं, बल्कि व्यवस्था द्वारा थोपी गई दरिद्रता, बेबसी और निरंतर अभाव होता है। जब एक समाज अपनी ही संतानों को भूख और हताशा के आगे घुटने टेकने पर मजबूर कर देता है, तो उस समाज में मानवीय मूल्यों का क्षरण होना स्वाभाविक है। साहिर का मार्मिक सवाल 'जिन्हें नाज है हिंद पर, वो कहां हैं' आज भी उन सत्ताधीशों, नीति-निर्माताओं और संभ्रांत वर्ग को झकझोरने के लिए पर्याप्त है, जो विकास की चकाचौंध और बड़े-बड़े आंकड़ों में तो चमकते हैं, लेकिन हाशिये पर खड़े उस अंतिम व्यक्ति की पीड़ा को देखने से कतराते हैं, जिसके श्रम से यह राष्ट्र खड़ा है।

अक्सर हम सामाजिक अपराधों और दंगों को केवल व्यक्तिगत नैतिक पतन या सांप्रदायिक कट्टरता के रूप में देखते हैं, जबकि इसका एक गहरा आर्थिक आधार भी है। शहरों में जिस प्रकार का विभाजन हुआ है, वह बढ़ती असमानता का जीवंत प्रमाण है। जब एक तरफ समृद्धि के उत्तुंग शिखर हों और दूसरी तरफ सुविधाओं से वंचित मलिन बस्तियां, तो वहां उपजे आक्रोश की पृष्ठभूमि को समझा जाना चाहिए। यह आक्रोश केवल गरीबी का परिणाम नहीं है, बल्कि संसाधनों के अनुचित वितरण, अवसर की असमानता और निरंतर शोषण का संचित परिणाम है।

गरीब वर्ग स्वभाव से कहीं अधिक सहिष्णु और कानून का पालन करने वाला होता है, लेकिन जब उसे यह अहसास होता है कि व्यवस्था, भ्रष्टाचार, अकर्मण्यता और पक्षपात के कारण उसके हकों को कुचला जा रहा है, तो उसके भीतर 'सापेक्षिक वंचना' का भाव जागृत होता है।

आज के भारत में एक साथ कई शताब्दियां जी रही हैं– कहीं बैलगाड़ी है, तो कहीं लेम्बोर्गिनी। उपभोक्तावादी संस्कृति ने अमीर और गरीब के बीच की गहरी खाई को और अधिक चौड़ा कर दिया है। अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन यह विकास वंचित वर्गों के लिए समावेशी नहीं बन पाया है। जो लोग विकास की इस दौड़ में पीछे छूट गए हैं, उनका धैर्य अब जवाब दे रहा है।

यह नीति-निर्माताओं के लिए खतरे की घंटी है। यदि हम शहरी विकास के नाम पर केवल उन लोगों की सुविधा सुनिश्चित करेंगे, जो आर्थिक रूप से संपन्न हैं, तो हम उन लाखों-करोड़ों लोगों की उपेक्षा कर रहे हैं, जिनके श्रम और पसीने पर यह पूरी शहरी सभ्यता और उसके आराम का ढांचा टिका है।

आजादी के अमृतकाल में भी हम केवल 'मुफ्त की योजनाओं' और लोक-लुभावन वादों के सहारे समाज को सांत्वना दे रहे हैं। सच्चाई यह है कि ये कृत्रिम और तात्कालिक उपचार अब नाकाफी हैं। राष्ट्र की वास्तविक वृद्धि तब होगी, जब युवाओं को उनके परिश्रम का उचित प्रतिफल मिलेगा, तंत्र में संवेदनशीलता होगी और विकास की मुख्यधारा में हर हाथ को काम मिलेगा। यह न केवल सामाजिक न्याय का तकाजा है, बल्कि बढ़ते हुए मध्य वर्ग के लिए भी आत्म-संरक्षण का प्रश्न है। अगर मध्य वर्ग हाशिये के समाज को साथ लेकर नहीं चलता, तो सामाजिक विखंडन और अराजकता का खतरा बना रहेगा।

आज हमें ऐसे दूरदर्शी विचारकों और नेतृत्व की आवश्यकता है, जो एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकें जो केवल सांख्यिकी में नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा में उन्नत हो। घृणा का उन्मूलन केवल उपदेशों या कठोर कानूनों से नहीं, बल्कि समानता और न्यायपूर्ण वितरण से होगा। जब एक मजदूर का बेटा यह महसूस करेगा कि राष्ट्र उसके सपने का भी उतना ही सम्मान करता है, जितना कि किसी बड़े कॉरपोरेट जगत के नायक का, तभी 'भारत' का विचार पूर्ण होगा।

समय आ गया है कि हम 'दलों' और 'दस्तावेजों' की राजनीति से ऊपर उठकर एक ऐसे समावेशी भारत का निर्माण करें, जहां किसी भी नागरिक को घृणा, भूख या अभाव की गोद में न पलना पड़े। सच्चा राष्ट्रवाद वही है, जो अपने सबसे कमजोर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान ला सके।

भाजपा का शक्ति केंद्रों को सशक्त बनाने पर जोर, 21 जुलाई को होगी 4729 शक्ति केंद्रों पर टिफिन बैठकें

● मुख्यमंत्री नायब सैनी पिंजौर, प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता राई और संगठन मंत्री गन्नौर में शक्ति केंद्र बैठक में रहेंगे मौजूद ● मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष भी टिफिन लेकर पहुंचेंगे बैठक में ● प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने सभी जिलों के जिला पदाधिकारियों के साथ की वर्चुअल बैठक ● सशक्त शक्ति केंद्र से और सशक्त होगा संगठन : डा. अर्चना गुप्ता ● 4729 शक्ति केंद्रों के लिए वक्ताओं के नाम तय

पंचकूला। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में 377 मंडलों के बाद अब 4729 शक्ति केंद्रों को मजबूत बनाने के लिए पूरा जोर लगा दिया है। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने 21 जुलाई को प्रदेश के सभी शक्ति केंद्रों पर एक साथ बैठक रखने के निर्देश दिए हैं। इन सभी बैठकों में विषय लेने के लिए जाने वाले वक्ताओं के नाम भी तय कर दिए गए हैं। खुद मुख्यमंत्री नायब सैनी पिंजौर में शक्ति केंद्र की बैठक लेंगे, जबकि प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता सोनीपत के राई शक्ति केंद्र और संगठन मंत्री फणींद्रनाथ शर्मा गन्नौर शक्ति केंद्र पर मौजूद रहेंगे। रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पंचकूला जिले के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और यहीं से प्रदेश के बाकी सभी 25 जिलों के कार्यकतर्काओं के साथ वर्चुअली जूम के माध्यम से मीटिंग की। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी जिलों के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि शक्ति केंद्रों का और अधिक मजबूत होना समय की मांग है, इसलिए सभी कार्यकर्ता सभी शक्ति केंद्रों को और अधिक मजबूत करने में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि सशक्त शक्ति केंद्र से संगठन और अधिक मजबूत होगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि शक्ति केंद्रों की बैठक में उस

शक्ति केंद्र क्षेत्र के अंदर रहने वाले सभी भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और चुने हुए जनप्रतिनिधि बैठक में उपस्थित रहें। डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम पर भी प्रदेश अध्यक्ष और संगठन मंत्री ने विशेष जोर दिया। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने बैठक में सभी जिलों में 11 सदस्यीय समिति बनाने के भी निर्देश दिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि शक्ति केंद्रों पर होने वाली बैठकों में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पिंजौर, संगठनमंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा गन्नौर और वह स्वयं राई में होने वाली बैठक में उपस्थित रहेंगी और बूथ समितियां बनाने, मन की बात को सभी बूथों पर सुनने और सरल पर अपलोड करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

कार्यकर्ताओं में आत्मीयता बढ़ाने के लिए बैठकों को टिफिन बैठकों का रूप– शक्ति केंद्रों पर होने वाली बैठकों को टिफिन बैठक का रूप दिया गया है। बैठक में जाने वाला हर कार्यकर्ता और वक्ता अपने घर से भोजन का टिफिन लेकर बैठक में शामिल होंगे और सभी मिलकर सहभोज करेंगे। खुद मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता भी अपने घर से टिफिन लेकर ही बैठक में शामिल होंगे। डाक्टर अर्चना गुप्ता ने कहा कि सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी, वक्ता तथा जनप्रतिनिधि अपने-अपने घरों से टिफिन लेकर बैठक में पहुंचेंगे और कार्यकर्ताओं के साथ सह भोज करेंगे तो आपसी आत्मीयता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं में आपसी तालमेल ही भाजपा की शक्ति है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह की बैठकों से कार्यकर्ताओं के बीच आपसी मेलजोल, संवाद और समन्वय बढ़ेगा तो पार्टी के प्रति निष्ठा और समर्पण भाव भी कार्यकर्ताओं में प्रबल होगा।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने कहा कि संगठन द्वारा निर्धारित प्रत्येक अभियान में सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि हर कार्यकर्ता पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ संगठन के हर अभियान को सफल बनाएंगे तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के विकसित हरियाणा के संकल्प को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण का संकल्प तभी साकार होगा जब मोदी और नायब सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विकास और जनकल्याण की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए।

प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष लगातार झूठ, भ्रम और दुष्प्रचार का वातावरण बनाने का प्रयास करता है। ऐसे समय में भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर केंद्र की मोदी सरकार और हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा ऐतिहासिक उपलब्धियों की सही जानकारी लोगों तक पहुंचाएं। साथ ही विपक्ष के भ्रामक प्रचार का तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर प्रभावी जवाब दें।

संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने कहा कि भाजपा का संगठन पूरी तरह बूथ आधारित संगठन है और उसकी सभी गतिविधियों का केंद्र बूथ ही है। उन्होंने कहा कि जब तक बूथ मजबूत नहीं होगा, तब तक संगठन की वास्तविक शक्ति विकसित नहीं हो सकती। इसलिए प्रत्येक पदाधिकारी को बूथ सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नियमित प्रवास, सतत संपर्क और कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा कि शक्ति केंद्रों की सक्रियता ही संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगी और आने वाले सभी चुनावों में भाजपा की सफलता का मजबूत आधार बनेगी।

अमर बलिदानी मंगल पांडे का सर्वोच्च बलिदान स्वतंत्रता की चेतना का प्रथम शंखनाद था : डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र

▶▶ अमर बलिदानी मंगल पांडे की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में मातृभूमि शिक्षा मंदिर द्वारा मातृभूमि सेवा मिशन के तत्वावधान में शौर्य संवाद कार्यक्रम संपन्न।

कुरुक्षेत्र,प्रमोदकौशिक/अमित : हर क्रांति को शुरुआत में एक चिंगारी की जरूरत होती है। एक ऐसी चिंगारी जो लोगों को प्रेरित करे,उकसाए और प्रोत्साहित करें ताकि वे अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करें और अपना हक वापस लें। मंगल पांडे ने अंग्रेजों के खिलाफ 1857 के विद्रोह से पहले वह चिंगारी प्रदान की और उसके बाद भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नायक बन गए। यह विचार अमर बलिदानी मंगल पांडे की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में मातृभूमि शिक्षा मंदिर द्वारा आयोजित शौर्य संवाद कार्यक्रम में मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती, भगवान श्रीकृष्ण एवं मंगल पांडे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन से हुआ। अमर बलिदानी पांडे की जयंती के अवसर पर मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रभक्ति के कार्यक्रम व्यक्त किए। शौर्य संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत, अमर बलिदानी मंगल पांडे का सर्वोच्च बलिदान स्वतंत्रता की चेतना का प्रथम शंखनाद था और उनकी अमर क्रांतिज्योति युगों युगों तक हर भारतीय हृदय में राष्ट्र सेवा का दीप जलाती रहेगी।

उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में रहते हुए गाय और सूअर की चर्बी वाले कारतूसों का इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया और 29 मार्च 1857 को बैरकपुर में अंग्रेज़ अधिकारियों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंका।8 अप्रैल, 1857 को मंगल पांडे को फांसी दे दी गई। भारत का जन जन सदैव उनका ऋणी रहेगा।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती मोना शर्मा ने भी विद्यार्थियों को मंगल पांडे के जीवन के बारे बताया। मातृभूमि शिक्षा मंदिर के प्रभारी भागवत स्वरूप ने कार्यक्रम का संचालन एवं कार्यालय प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का समापन वन्देमातरम से हुआ। कार्यक्रम में आश्रम के सदस्य, विद्यार्थी एवं अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार–2026 के लिए आवेदन आमंत्रित, 31 जुलाई है अंतिम तिथि

रेवाड़ी। महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 हेतु नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा यह पुरस्कार उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण तथा कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां अर्जित की हो। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार देश के प्रतिभाशाली एवं प्रेरणादायी बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने की एक प्रतिष्ठित पहल है। इस पुरस्कार का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त करने वाले बच्चों को पहचान प्रदान करना तथा अन्य बच्चों को भी प्रेरित करना है। उन्होंने जिले के सभी विभागाध्यक्षों, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक एवं गैर-सरकारी संगठनों से आह्वान किया है कि वे अपने क्षेत्र के प्रतिभाशाली एवं योग्य बच्चों की पहचान कर उनके नामांकन समय पर सुनिश्चित करें, ताकि रेवाड़ी जिले के अधिक से अधिक बच्चों को इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान के लिए नामित किया जा सके। महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि 5 वर्ष से अधिक तथा 18 वर्ष से कम आयु के भारतीय नागरिक बच्चे, जो भारत में निवास कर रहे हैं, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 हेतु पात्र हैं। इच्छुक बच्चे स्वयं अथवा किसी अन्य व्यक्ति/संस्था द्वारा नामित किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक आवेदक एवं अनुशंसाकर्ताhttpsÑ//awards.gov.in/ पर जाकर ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन कर सकते हैं। निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त नामांकनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

कनीना में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

▶▶ ठाकुर जी मंदिर में आयोजित इस कथा में दूर–दराज से पहुंचे श्रद्धालु

कनीना सुनील दीक्षित कनीना के स्वामी वाड़ा मोहल्ला स्थित ठाकुर जी के मंदिर में रविवार से श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। जिसमें दूर-दराज से श्रद्धालु पंहुचे। मथुरा-वृंदावन से आए कथावाचक महंत पूर्ण देव महाराज के श्रीमुख से इस अमृतमयी कथा का वाचन किया जा रहा है। मंदिर के पुजारी कंवरसेन वशिष्ठ ने बताया कि कथा से पूर्व प्रातः 9 बजे कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें 251 महिलाओं ने कलश धारण कर शोभायात्रा में हिस्सा लिया। मुख्य यजमान पवन कुमार शर्मा व सरोज देवी, दीपक व ज्योति, अभय व अनु, राजकुमार व बीना तथा जितेन्द्र व उजाला ने विधि-विधान व वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ ठाकुर जी महाराज की विशेष पूजा-अर्चना की।

यजमानों ने भगवान से सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। कलश यात्रा के दौरान ढोलक-मृदंग की थाप पर मधुर संकीर्तन तथा मथुरा की दुर्लभ झांकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रथम दिन की कथा में महंत पूर्ण देव जी ने सरल व मधुर भाषा में भागवत माहात्म्य, धुंधकारी प्रेत आत्मा की मोक्ष कथा और भागवत श्रवण के नियमों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि सोमवार को श्री शुकदेव जन्म और देवर्षि नारद के पूर्व जन्म के चरित्र का वर्णन किया जाएगा। इस अवसर पर ओम प्रकाश शर्मा, मोहन सिंह, राजेश यादव,नवीन, सुनील कुमार, राहुल, कृष्ण शर्मा सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

घरेलू हिंसा एवं मानसिक उत्पीड़न एवं साइबर क्राइम से जूझ रही महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है वन स्टॉप सेंटर

▶▶ हरियाणा के 22 जिलों सहित भारत देश में 926 शहरों में कार्यरत हैं ये केंद्र

कनीना सुनील दीक्षित महिलाओं के संरक्षण व सुरक्षा को लेकर जिला मुख्यालय पर स्थापित किए गए एडीआर सेंटर कारगर सिद्ध हो रहे हैं। देखा जाए तो पूरे देश में इनकी संख्या 926 है जो वन स्टॉप सेंटर के नाम से विख्यात हैं। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक देश भर में 13.37 लाख से अधिक घरेलू हिंसा एवं अन्य हादसें से पीड़ित महिलाओं को आपातकालीन सहायता, कानूनी मदद और आश्रय प्रदान किया जा चुका है। हरियाणा के 22 जिलों में वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं। दिलचस्प बात है कि हरियाणा में इस योजना की शुरुआत सबसे पहले 31 अगस्त 2015 को करनाल जिले से की गई थी। नारनौल जिले में कार्यरत सेंटर संचालिका वंदना यादव ने बताया कि आधुनिक चकाचैंद में जहां महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी कामयाबी का परचम लहरा रही हैं, वहीं दूसरी ओर वे घरेलू हिंसा, मानसिक उत्पीड़न और साइबर क्राइम जैसी समस्याओं से भी जूझ रही हैं। ऐसी पीड़ित और असहाय महिलाओं के लिए सरकार द्वारा संचालित 'वन स्टॉप सेंटर'सखी केंद्र एक बड़ा सहारा बनकर उभरा है। इस केंद्र की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ पीड़ित महिलाओं को कानूनी मदद से

लेकर चिकित्सा और रहने की व्यवस्था तक, सब कुछ एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराया जाता है। एक ही छत के नीचे 5 बड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। जिसके लिए आपातकालीन सहायता और बचाव संकट में फंसी महिला को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना और त्वरित राहत देना। चिकित्सीय सहायता, कानूनी सलाह व जरूरत पडने पर सरकारी वकील, परामर्श व अस्थाई आश्रय मुहैया करवा जाता है। पीडित महिलाओं व उनके बच्चों, सर्टेन एज लिमिट तक के लिए केंद्र में 5 दिनों तक मुफ्त रहने और खाने की अस्थाई व्यवस्था की जाती है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ कानूनी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि पीड़ित महिला को मानसिक रूप से मजबूत बनाकर समाज में दोबारा ससम्मान जीने के काबिल बनाना है। नारनौल वन स्टॉप सेंटर पर वंदना यादव केंद्र प्रशासक के पद पर कार्यरत हैं। जो अपनी टीम सहित आए दिन महिलाओं व बच्चों के हित में कार्य कर रही हैं।

क्या है वन स्टॉप सेंटर– यह केंद्र किसी भी प्रकार की हिंसा यौन उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना, मानव तस्करी या तेजाब पीड़ित महिलाओं और 18 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं को तत्काल सहायता प्रदान करता है। संकट में फंसी कोई भी महिला यहाँ आकर मदद की गुहार लगा सकती है। टोल फ्री नम्बर से भी संपर्क कर सकती हैं।

25 रोटावेटर और 17 लेज़र लैंड लैवलर पर अनुदान के लिए 21 जुलाई को होगा चयन : डीसी

फरीदाबाद। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा जिले के किसानों के लिए स्क़ूस्कीम के तहत नए रोटावेटर और लेज़र लैंड लैवलर की खरीद पर सब्सिडी देने के लिए 21 जुलाई को ऑनलाइन ड्रा निकाला जाएगा। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम 21 जुलाई को सुबह 11 :30 बजे लघु सचिवालय के मीटिंग हॉल कमरा न0 603 में होगा। सहायक कृषि अभियंता राकेश ने बताया कि योजना के तहत विभाग द्वारा कुल 25 रोटावेटर और 17 लेज़र लैंड लैवलर पर अनुदान देंने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए विभाग को पहले ही आवेदन प्राप्त हो चुके है, जिसमे रोटावेटर के 51 व लेज़र लैंड लैवलर 33 किसान योग्य पाए गए है इन्ही किसानों की सूची में से ही अंतिम लाभार्थियों का चुनाव इस ऑनलाइन ड्रा के माध्यम से किया जायेगा 7 विभाग द्वारा प्रक्रिया की सूचना सम्बन्धित अधिकारियो को भेजी गई है ताकि योजना का लाभ सही समय पर वास्तविक व जरूरतमंद किसानों को पहुंच सके।

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 अभियान

▶▶ गणना पत्र जमा कराने के लिए केवल 5 दिन शेष, 24 जुलाई है अंतिम तिथि ▶▶ 31 जुलाई को प्रकाशित होगा मतदाता सूची का प्रारूप : जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अभिषेक मीणा

रेवाड़ी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार हरियाणा में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 अभियान के तहत जिला में मतदाता सूची के पुनरीक्षण एवं सत्यापन के लिए केवल 5 दिन शेष रह गए हैं। गणना पत्र जमा करवाने की अंतिम तिथि 24 जुलाई है। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि में जिला के सभी पात्र मतदाता अपने गणना पत्र भरकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास जमा कराएं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) 24 जुलाई तक घर–घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे तथा गणना पत्र एकत्रित करेंगे। इसके साथ ही मतदान केंद्रों के युक्तिकरण एवं पुनर्व्यवस्था का कार्य भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 जुलाई तक पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 31 जुलाई 2026 को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया जाएगा। इसके उपरांत 31 जुलाई से 30 अगस्त 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 31 जुलाई से 28 सितंबर 2026 तक किया जाएगा तथा 3 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची लोकतांत्रिक प्रक्रिया की आधारशिला है, इसलिए प्रत्येक पात्र नागरिक का इसमें सही विवरण दर्ज होना आवश्यक है।

24 जुलाई का इंतजार न करें, जल्द-से-जल्द जमा कराएं गणना प्रपत्र : उपायुक्त आयुष सिन्हा

▶▶ गणना प्रपत्र जमा कराने के लिए सिर्फ पांच दिन शेष, जल्द– से – जल्द अपने बीएलओ को जमा करें गणना प्रपत्र प्राप्त

फरीदाबाद। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)–2026 अभियान के तहत मतदाता सूची के अद्यतन एवं शुद्धिकरण का कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। अभियान के तहत गणना प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि 24 जुलाई निर्धारित है। ऐसे में उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा ने जिले के सभी पात्र मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे अंतिम समय तक प्रतीक्षा करने के बजाय अपना गणना प्रपत्र (Enumeration Form) शीघ्र भरकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास जमा कराएं और मतदाता सूची के इस महत्वपूर्ण पुनरीक्षण अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उपायुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले के सभी बीएलओ 24 जुलाई तक घर–घर जाकर सत्यापन एवं गणना प्रपत्र संग्रहण का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्र जमा कराने के लिए सिर्फ 5 दिन बचें हैं, ऐसे में अपने बीएलओ से संपर्क कर जल्द से जल्द गणना प्रपत्र जमा कराएं। उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 जुलाई 2026 को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया जाएगा। इसके उपरांत 31 जुलाई से 30 अगस्त तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 31 जुलाई से 28 सितंबर तक किया जाएगा तथा 3 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा ने कहा कि जिला प्रशासन और निर्वाचन विभाग की सभी टीमें इस अभियान को सफल बनाने के लिए मिशन मोड में कार्य कर रही हैं। बीएलओ लगातार घर–घर जाकर मतदाताओं से संपर्क स्थापित कर रहे हैं ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने अथवा विवरण अद्यतन कराने से वंचित न रहे। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जिन मतदाताओं ने अभी तक अपना गणना प्रपत्र जमा नहीं कराया है, पांच दिनों के भीतर अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क करें और आवश्यक दस्तावेजों सहित गणना प्रपत्र अवश्य जमा कराएं। उन्होंने कहा कि 24 जुलाई का इंतजार करने के बजाय जल्द से जल्द यह प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि यदि किसी प्रकार की तकनीकी अथवा दस्तावेज संबंधी कमी सामने आती है तो उसका समय रहते समाधान किया जा सके। समय पर गणना प्रपत्र जमा कराने से मतदाता सूची में मतदाता का विवरण सही, अद्यतन एवं त्रुटिरहित दर्ज किया जा सकेगा।

विद्यालय प्रबंधन समितियां शिक्षा व्यवस्था की सशक्त कड़ी, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में निभाएं सक्रिय भूमिकाः एडीसी अंजलि श्रोत्रिया

▶▶ विद्यालय प्रबंधन समितियों के साथ सीधा संबंध' राज्य स्तरीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन ▶▶ अतिरिक्त उपायुक्त अंजलि श्रोत्रिया ने सेक्टर–55 स्थित राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम में की शिरकत

फरीदाबाद। विद्यालय शिक्षा विभाग, हरियाणा द्वारा रविवार को 'विद्यालय प्रबंधन समितियों के साथ सीधा संबंध' विषय पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों की विद्यालय प्रबंधन समितियों (एसएमसी) के सदस्यों से सीधा संवाद करते हुए विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा सामुदायिक सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया। फरीदाबाद में इस कार्यक्रम का आयोजन सेक्टर–55 स्थित राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त अंजलि श्रोत्रिया मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के साथ मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना तथा शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा की। अतिरिक्त उपायुक्त अंजलि श्रोत्रिया ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समितियां शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। विद्यालयों के विकास, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, बेहतर शैक्षणिक वातावरण तथा आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण में समितियों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा उपलब्ध कराना है, जिसमें अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन समितियों की साझेदारी अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समितियां विद्यालय और समाज के बीच प्रभावी सेतु का कार्य करती हैं।

सोनीपत की बेटी मैत्री तुषिर ने नीट परीक्षा में लहराया सफलता का परचम, देशभर में हासिल की 366वीं रैंक

सोनीपत, एजेंसी। जिले के गांव गढ़ी ब्राह्मणन की बेटी मैत्री तुषिर ने नीट 2026 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर में 366वीं रैंक हासिल की है. मैत्री की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है. मैत्री ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, शिक्षकों और एकेडमी को दिया है, जहां उन्होंने पढ़ाई की और नीट की तैयारी की. परिवार में खुशी का माहौल : कहते हैं कि मेहनत और सही मार्गदर्शन मिल जाए तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं रहता. इस बात को सच कर दिखाया है सोनीपत के गांव गढ़ी ब्राह्मणन की रहने वाली मैत्री तुषिर ने मैत्री ने देश की प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में 366वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल कर अपने परिवार और जिले का नाम रोशन किया है. मैत्री ने बताया कि 'उन्होंने अपनी पढ़ाई के दौरान लगातार मेहनत की और लक्ष्य पर फोकस बनाए रखा.' उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, शिक्षकों को दिया. मैत्री की इस उपलब्धि पर परिवार में खुशी का माहौल है. घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है. मेहनत और लगन का परिणाम है नीट : वहीं एकेडमी के शिक्षकों का कहना है कि 'मैत्री की सफलता उनकी वर्षों की मेहनत और लगन का परिणाम है.' शिक्षकों ने नीट पेपर लीक जैसे मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं छात्रों का मनोबल तोड़ती हैं और दोबारा परीक्षा की तैयारी में उन्हें मानसिक दबाव और एकाग्रता की समस्या का सामना करना पड़ता है.

सोनीपत में बिजली-पानी के संकट से हाहाकार, पीड़ित बोले शासन-प्रशासन के दावे हवा-हवाई

सोनीपत, एजेंसी। भीषण गर्मी के बीच सोनीपत में बिजली और पानी की गंभीर किल्लत ने आम जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है. शासन और प्रशासन द्वारा किए गए बड़े-बड़े दावों के बावजूद, शहर में पानी और बिजली की कमी से लोग त्रस्त हैं. अब सोनीपत नगर निगम की जनता जवाब मांग रही है कि बिजली और पानी के बिना लोग कैसे जिएं. प्रदर्शन में शामिल हुए बीजेपी पार्षद, बोले 'हमारा कोई सुनने वाला नहीं है' : तस्वीरें सोनीपत की है जहां अपनी समस्याओं को लेकर लोग सड़कों पर उतर आए हैं और जाम लगा रहे हैं, जिससे आने-जाने वाले वाहन चालकों के साथ तू-तू, मैं-मैं और झड़पें हो रही हैं. बिजली-पानी की समस्या को लेकर सोनीपत-गोहाना मुख्य मार्ग पर भी जाम लगाया गया. लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बाद भी उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है. उनका कहना है कि अब जाम लगाकर ही वे अपनी समस्याओं का समाधान करवाएंगे. निगम वासियों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं होता, सड़क जाम रहेगी. इस विरोध प्रदर्शन में बीजेपी पार्षद भी शामिल हुए. उन्होंने कहा कि 'उनकी कोई सुनने वाला नहीं है और पिछले पांच दिनों से बिजली और पानी नहीं है.' अधिकारी नहीं उठा रहे हैं फोन : बिजली और पानी की कीमत को लेकर सोनीपत शहर के अलग-अलग स्थान पर सुबह से लेकर शाम तक जाम लगा रहा. वहीं सभी जगह पर लोगों की एक ही मांग थी कि अधिकारियों द्वारा दावे किए जाते हैं कि किसी भी तरह की पानी और बिजली की किल्लत नहीं होने दी जाएगी, लेकिन जब जरूरत पड़ती है तो अधिकारी फोन तक नहीं उठाते बार-बार शिकायत के बाद भी कोई समाधान नहीं किया जाता. बिजली की तार जलकर नीचे गिर जाते हैं. वहीं शहर वासियों ने स्थाई समाधान की मांग उठाई है और कहा है कि अगर जल्द ही स्थाई समाधान नहीं किया गया तो रोड पूरी तरह जाम कर दिए जाएंगे.

पिता बना हैवान, नशे की हालत में डेढ़ साल की बच्ची का किया शारीरिक शोषण, पुलिस ने किया गिरफ्तार

यमुनानगर, एजेंसी। यमुनानगर के साढौरा में एक पिता ने अपनी डेढ़ साल की बच्ची के साथ घिनौनी वारदात को अंजाम दिया. नशे में धुत आरोपी ने अपनी नाबालिग बेटी का शारीरिक शोषण किया, जिसे बच्चों ने देखा और मां को बता दिया. जानकारी के बाद बच्ची की मां मौके पर पहुंची को उसके होश उड़ गए. महिला तुरंत थाने पहुंची और अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है. जानें पूरा मामला : दरअसल, ये पूरा मामला यमुनानगर जिले के कस्बा साढौरा का है. यहां एक शख्स नशे की हालत में घर पहुंचा और उसने अपनी ही मासूम बेटी के साथ इस घिनौनी वारदात को अंजाम दे डाला. इस खौफनाक सच का खुलासा तब हुआ जब वहां मौजूद कुछ बच्चों ने आरोपी की इस करतूत को देख लिया. बच्चों ने तुरंत भागकर मासूम बच्ची की मां को इस बात की जानकारी दी. जैसे ही मां मौके पर पहुंची, उसके पैरों तले जमीन खिसक गई. बदहवास मां ने बिना वक्त गंवाए तुरंत पुलिस स्टेशन जाकर अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. दोनों का कराया गया मेडिकल : इधर, शिकायत मिलते ही महिला पुलिस ने तत्परता दिखाई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस पीड़ित मासूम बच्ची और आरोपी पिता दोनों को यमुनानगर के सिविल अस्पताल लेकर पहुंची, जहां दोनों का मेडिकल कराया गया. जांच में जुटी पुलिस : मामले में महिला थाना प्रभारी शीला वंती ने कहा कि, आरोपी के तीन बच्चे हैं, जिनमें से पीड़ित बच्ची दूसरे नंबर पर है. इस घिनौनी वारदात ने साढौरा क्षेत्र समेत पूरे यमुनानगर को सन्न कर दिया है. लोग हैरान हैं कि आखिर कोई पिता इतना बड़ा हैवान कैसे हो सकता है. पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को आज कोर्ट में पेश किया, जहां से माननीय अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है. फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है.

सोनीपत की बेटी मैत्री तुषिर ने नीट परीक्षा में लहराया सफलता का परचम, देशभर में हासिल की 366वीं रैंक

सोनीपत, एजेंसी। जिले के गांव गढ़ी ब्राह्मणन की बेटी मैत्री तुषिर ने नीट 2026 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर में 366वीं रैंक हासिल की है. मैत्री की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है. मैत्री ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और एकेडमी को दिया है, जहां उन्होंने पढ़ाई की और नीट की तैयारी की. परिवार में खुशी का माहौल : कहते हैं कि मेहनत और सही मार्गदर्शन मिल जाए तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं रहता. इस बात को सच कर दिखाया है सोनीपत के गांव गढ़ी ब्राह्मणन की रहने वाली मैत्री तुषिर ने मैत्री ने देश की प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में 366वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल कर अपने परिवार और जिले का नाम रोशन किया है. मैत्री ने बताया कि 'उन्होंने अपनी पढ़ाई के दौरान लगातार मेहनत की और लक्ष्य पर फोकस बनाए रखा.' उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों को दिया. मैत्री की इस उपलब्धि पर परिवार में खुशी का माहौल है. घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है. मेहनत और लगन का परिणाम है नीट : वहीं एकेडमी के शिक्षकों का कहना है कि 'मैत्री की सफलता उनकी वर्षों की मेहनत और लगन का परिणाम है.' शिक्षकों ने नीट पेपर लीक जैसे मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं छात्रों का मनोबल तोड़ती हैं और दोबारा परीक्षा की तैयारी में उन्हें मानसिक दबाव और एकाग्रता की समस्या का सामना करना पड़ता है.'

करनाल में नर्सिंग छात्रा ने बचाई महिला की जान, 2 मिनट तक लगातार सीपीआर दिया, बस की चपेट में आने से हो गई थी बेहोश

करनाल, एजेंसी। कई बार कुछ मिनट किसी की पूरी जिंदगी बदल देते हैं. करनाल में भी ऐसा ही एक दिल छू लेने वाला दृश्य देखने को मिला, जहां एक नर्सिंग छात्रा ने अपनी सूझबूझ, साहस और प्रशिक्षण का ऐसा परिचय दिया कि मौत से जूझ रही एक बुजुर्ग महिला की सांसें फिर लौट आईं. सड़क पर घायल पड़ी महिला को देखकर जहां लोग सिर्फ तमाशबीन बने हुए थे, वहीं बीएससी नर्सिंग की छात्रा सोनाक्षी राणा बिना एक पल गंवाए मदद के लिए दौड़ पड़ी और लगातार सीपीआर देकर महिला की जान बचाने का प्रयास करती रही. इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग सोनाक्षी की जमकर सराहना कर रहे हैं.

रोडवेज बस की टक्कर के बाद थम गई थीं सांसें: जानकारी के अनुसार करनाल के लाडो धाम के पास बुधवार को कुरुक्षेत्र के ईशाकपुर निवासी 65 वर्षीय रोशनी देवी सड़क पार कर रही थीं. इसी दौरान हरियाणा रोडवेज की तेज रफ्तार बस ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि वो कई फीट दूर जा गिरीं और उनकी सांसें थम गईं. मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन किसी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या किया जाए.

जब नर्सिंग छात्रा ने संभाली कमान: हादसे के वक्त गांधी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड फार्मेसी की बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्रा सोनाक्षी राणा कॉलेज से घर लौट रही थीं. उन्होंने घायल महिला की नब्ज और सांसें जांचीं और बिना समय गंवाए तुरंत सीपीआर देना शुरू कर दिया. करीब दो मिनट तक लगातार सीने पर दबाव देकर वो महिला की सांसें वापस लाने का प्रयास करती रहीं. कुछ ही देर बाद महिला में जीवन के संकेत दिखाई देने लगे और उनकी सांसें धीरे-धीरे सामान्य होने लगीं.

एंबुलेंस नहीं पहुंची तो खुद अस्पताल ले गईं: सोनाक्षी लगातार आसपास मौजूद लोगों से एंबुलेंस बुलाने की अपील करती रहीं, लेकिन जब मदद समय पर नहीं पहुंची, तो उन्होंने सड़क से गुजर रहे एक वाहन को रुकवाया और घायल महिला को उसी में अस्पताल के लिए रवाना किया.

सबसे बड़ी बात ये रही कि अस्पताल पहुंचने तक भी उन्होंने सीपीआर देना बंद नहीं किया, ताकि महिला की सांसें लगातार चलती रहें.

कौन हैं सोनाक्षी राणा करनाल के राणा गांव की रहने वाली सोनाक्षी राणा गांधी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड फार्मेसी में बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं. उनके पिता चनवा राम आर्म्ड फोर्स में देश की सेवा कर चुके हैं और वर्तमान में हरियाणा पुलिस, मधुबन में कार्यरत हैं. बेटी के इस साहसिक कार्य ने पूरे परिवार का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है.

कॉलेज ने किया सम्मानित: सोनाक्षी के इस मानवीय और साहसिक कार्य से प्रभावित होकर गांधी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड फार्मेसी के प्रबंधन और शिक्षकों ने उन्हें सम्मानित किया. मिठाई खिलाकर उनका उत्साह बढ़ाया गया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के बाद लोग सोनाक्षी को 'रियल हीरो' और 'जिंदगी बचाने वाली बेटी' कहकर सम्मान दे रहे हैं.

सोनाक्षी ने बताया कैसे बचाई जान: सोनाक्षी ने बताया कि कॉलेज की छुट्टी के बाद वो अपने साथियों के साथ घर लौट रही थीं. तभी उन्होंने देखा कि एक महिला बस से उतरकर सड़क पार कर रही थी और तेज रफ्तार रोडवेज बस की चपेट में आ गई. ये दृश्य देखकर वह भी घबरा गई और उनके हाथ कांपने लगे, लेकिन नर्सिंग की पढ़ाई के दौरान मिली ट्रेनिंग याद आई. उन्होंने तुरंत महिला की नब्ज जांची और सीपीआर देना शुरू कर दिया. एक समय ऐसा भी आया जब महिला की सांस पूरी तरह रुक गई थी, लेकिन लगातार सीपीआर देने से उनकी सांसें दोबारा चलने लगीं. सोनाक्षी ने इस सफलता का श्रेय अपने कॉलेज के शिक्षकों को दिया, जिन्होंने उन्हें संकट की घड़ी में लोगों की मदद करना सिखाया.

पिता बोले- आज बेटी ने मेरा सिर गर्व से ऊंचा कर दिया: सोनाक्षी के पिता चनवा राम ने कहा कि उन्हें अपनी बेटी पर बेहद गर्व है. उन्होंने कहा कि जब वह आर्म्ड फोर्स में रहकर देश की सेवा करते थे, तब उनका सीना गर्व से चौड़ा होता था और आज बेटी को एक अनजान महिला की जान बचाते देखकर वही गर्व दोबारा महसूस हो रहा है. उन्होंने सभी बेटियों से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय साहस और समझदारी से काम लें.

गुरुग्राम में अंडा कारोबारी पर हमला, मंथली ना देने पर कार्यालय में की तोड़फोड़, सीसीटीवी में कैद वारदात

गुरुग्राम, एजेंसी। खेड़की माजरा इलाके में जबरन वसूली को लेकर एक अंडा कारोबारी के कार्यालय पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है. आरोप है कि कुछ लोग देर रात कारोबारी के ऑफिस में घुस आए और जमकर तोड़फोड़ करने के साथ कर्मचारियों की पिटाई कर दी. पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई है. पुलिस ने फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है. मंथली नहीं देने पर अंडे व्यापारी पर हमला: पीड़ित कारोबारी अंकुश यादव खेड़की माजरा गांव के रहने वाले हैं. अंकुश ने बताया कि वह अंडे का व्यापार करते हैं. उनका आरोप है कि पिछले कुछ समय से इलाके का एक युवक, जिसे पव्वा डॉन के नाम से जाना जाता है, उन पर दबाव बना रहा था. आरोप के मुताबिक, उससे हर महीने 50 हजार रुपये देने की मांग की जा रही थी. रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई थी. ऑफिस में की तोड़फोड़: अंकुश यादव का कहना है कि उन्होंने किसी भी तरह की मंथली देने से इनकार कर दिया. इसके बाद देर रात आरोपी अपने कई साथियों के साथ उनके कार्यालय पहुंचा. आरोप है कि हमलावरों ने डंडों और कुल्हाड़ी जैसे हथियारों से ऑफिस में जमकर तोड़फोड़ की. कार्यालय में रखा सामान क्षतिग्रस्त कर दिया गया और वहां मौजूद कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई. सीसीटीवी में कैद वारदात, पुलिस की जांच जारी: शोर-शराबा सुनकर जब दुकान मालिक और अन्य लोग बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई. जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है.घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया. पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में ले ली है. पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार के मुताबिक 'सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है. जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी. '

दादरी को श्रुति चौधरी ने दी करोड़ों की सौगात, 7.56 करोड़ की परियोजनाओं का किया उद्घाटन

चरखी दादरी, एजेंसी। हरियाणा की सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने चरखी दादरी में करोड़ों रुपये की सिंचाई एवं विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया.

इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास, जल संरक्षण और किसानों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई.

मीडिया से बातचीत में उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंशीलाल को लेकर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के बयान पर उठे राजनीतिक विवाद पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी.

'विपक्ष बयान को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा ': श्रुति चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि, 'विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल जी की बातों को तोड़-मरोड़कर पेश कर कृत्रिम विवाद खड़ा करने की कोशिश कर रहा है. मनोहर लाल ने केवल आपातकाल के दौरान हुई राजनीतिक बातचीत का एक संदर्भ साझा किया था, लेकिन विपक्ष ने उसे राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया. '

'चौधरी बंशीलाल हरियाणा के निर्माता हैं ': सिंचाई मंत्री ने आगे कहा कि, 'चौधरी बंशीलाल जी हरियाणा के निर्माता के रूप में जाने जाते हैं. पूरा प्रदेश उनके योगदान को सम्मान के साथ याद करता है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भी हमेशा उनके योगदान का सम्मान किया है. जो लोग आज उनके नाम पर राजनीति कर रहे हैं, उन्होंने उनके जीवनकाल में कभी उनका साथ नहीं दिया. '

7.56 करोड़ की छह परियोजनाओं का उद्घाटन: श्रुति चौधरी ने बताया कि, 'चरखी दादरी में 7 करोड़ 56 लाख रुपये की लागत से तैयार छह विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है.

इन परियोजनाओं से लगभग 40 हजार लोगों और 1,350 एकड़ कृषि भूमि को सीधा लाभ मिलेगा. सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं और सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार निवेश कर रही है. '

42 करोड़ से होगा बधवाना डिस्ट्रीब्यूट्री का नवीनीकरण: उन्होंने जानकारी दी कि, '42 करोड़ रुपये की लागत से बधवाना डिस्ट्रीब्यूट्री के नवीनीकरण का कार्य कराया जाएगा.

इस डिस्ट्रीब्यूट्री का निर्माण पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंशीलाल ने करवाया था, लेकिन लंबे समय से इसका रखरखाव नहीं हुआ. अब इसके नवीनीकरण से करीब 20 गांवों के किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा मिलेगी.

फिर होगी मानसून की दमदार एंट्री! 20 से 22 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को जल्द राहत मिलने वाली है. मौसम विभाग के अनुसार, रविवार से प्रदेश के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा. मानसून की सक्रियता बढ़ने के कारण अगले कुछ दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश होने की संभावना है. मौसम विभाग ने कुछ जिलों के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया है. आज इन जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट: मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर और कुरुक्षेत्र में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है. इन जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है. इसके अलावा प्रदेश के मध्य और दक्षिणी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है. 20 जुलाई से मानसून होगा पूरी तरह सक्रिय: मौसम विभाग का कहना है कि 20 जुलाई से मानसून पूरे हरियाणा में सक्रिय हो जाएगा. 20 से 22 जुलाई के बीच मानसून अपने चरम पर रहेगा और कई जिलों में भारी बारिश दर्ज की जा सकती है. 20 और 21 जुलाई को यमुनानगर, अंबाला, पंचकूला, कुरुक्षेत्र, करनाल और कैथल में गरज-चमक के साथ भारी बारिश होने की संभावना है. वहीं, 22 जुलाई को भी उत्तरी हरियाणा के कई हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है. दक्षिण और पश्चिमी हरियाणा में भी होगी अच्छी बारिश: मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, इस दौरान सिरसा, फतेहाबाद, हिसार और जींद समेत दक्षिण और पश्चिमी हरियाणा के कई जिलों में भी अच्छी बारिश होने की संभावना है. 23 जुलाई को बारिश की तीव्रता में कुछ कमी आ सकती है, हालांकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की जा सकती है. मौसम बदलने से बिजली की मांग में आई कमी: राज्य में मौसम का मिजाज बदलने के साथ ही बिजली की मांग में भी कमी दर्ज की गई है. 17 जुलाई को हरियाणा में बिजली की मांग ऑल टाइम पीक 14,429 मेगावाट तक पहुंच गई थी. वहीं, 18 जुलाई की शाम मौसम में बदलाव आने के बाद यह घटकर 13,887 मेगावाट रह गई.

दुश्मनी का खौफनाक अंत, सहारनपुर के जेसीबी चालक की पीट-पीटकर हत्या

यमुनानगर, एजेंसी। नत्थनपुर गांव में रंजिश के चलते जेसीबी चालक की पीट-पीटकर हत्या का मामला सामने आया है. मृतक की पहचान आकिल के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के सहारनपुर का रहने वाला था. पुलिस ने इस मामले में तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

लहुलुहान हालत में मिला शव: मृतक के भाई आदिल ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसका भाई आकिल नत्थनपुर में स्थित कृष्णा कंस्ट्रक्शन कंपनी में बतौर जेसीबी चालक काम करता था. 15 जुलाई की रात करीब 8:20 बजे उन्हें सूचना मिली कि आकिल की तबीयत बहुत खराब है. जब आदिल अपने पिता के साथ मौके पर पहुंचा, तो कंपनी परिसर में आकिल का शव एक खाट पर पड़ा हुआ था. आकिल के नाक से खून बह रहा था और उसकी गर्दन, कमर व चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान थे.

रंजिश में तीन लोगों पर हत्या का आरोप: मौके पर मौजूद चश्मदीदों और सहकर्मियों ने परिजनों को बताया कि आकिल की ये हालत सामान्य नहीं थी. अनिल, रामदास और पुजारी नाम के तीन व्यक्तियों ने पुरानी रंजिश के चलते उसे लाठी-डंडों से बेदम होने तक पीटा था. गंभीर चोटों के कारण आकिल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए.

चंडीगढ़ में स्ट्रीट वेंडरों का प्रदर्शन, नई ड्रॉ प्रक्रिया का विरोध, नगर निगम कार्यालय के बाहर की नारेबाजी

चंडीगढ़, एजेंसी। शहर के स्ट्रीट वेंडरों के लिए नगर निगम कार्यालय, सेक्टर-17 में नई वेंडिंग साइटों का ड्रॉ निकाला गया. ये प्रक्रिया टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) की निगरानी में ज्वाइंट कमिश्नर हिमांशु गुप्ता की मौजूदगी में पूरी की गई. ड्रॉ के जरिए उन पात्र स्ट्रीट वेंडरों को नई साइटें आवंटित की गईं, जिनके पास पहले कोई निर्धारित स्थान नहीं था. हालांकि ड्रॉ के दौरान कई वेंडरों ने इसका विरोध करते हुए नारेबाजी की और पूरी प्रक्रिया का बहिष्कार किया.

चंडीगढ़ में स्ट्रीट वेंडरों का प्रदर्शन: प्रदर्शन कर रहे वेंडरों का कहना था कि उन्हें जिन स्थानों पर भेजा जा रहा है, वहां ना पीने के पानी की व्यवस्था है, ना सार्वजनिक शौचालय और ना ही आसपास कोई बाजार है. उनका आरोप था कि ऐसी जगहों पर दुकान लगाने से ग्राहकों का आना मुश्किल होगा और उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो जाएगा. वेंडरों ने कहा कि वो नियमित रूप से नगर निगम को निर्धारित शुल्क जमा कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें ऐसे स्थान दिए जा रहे हैं, जहां कारोबार चलाना संभव नहीं है. उनका कहना था कि यदि सुविधाजनक स्थान उपलब्ध नहीं कराया जा सकते, तो उनसे ली गई फीस वापस की जाए. विरोध के दौरान वेंडरों ने निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की.

नगर निगम की सफाई: दूसरी ओर, नगर निगम का कहना है कि ये पूरी प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार अपनाई गई है. अधिकारियों के मुताबिक, जिन पात्र वेंडरों की पहले से आवंटित साइटें खाली थीं, उन्हें वही स्थान दोबारा दिए जा रहे हैं, जबकि अन्य पात्र वेंडरों को पारदर्शी ड्रॉ के माध्यम से नई साइटें आवंटित की गई हैं. इससे पहले शुक्रवार को नगर निगम आयुक्त एवं टाउन वेंडिंग कमेटी के अध्यक्ष अमित कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्ट्रीट वेंडिंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई अहम फैसले लिए गए. बैठक में नगर निगम अधिकारियों, विभिन्न विभागों, व्यापारिक संगठनों और वेंडर प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया.

बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के आदेश: बैठक में सभी वेंडिंग जोन और मॉडल वेंडिंग जोन का संयुक्त सर्वे कराने का निर्णय लिया गया. इस सर्वे में नगर निगम, आर्किटेक्चर विभाग, मार्केट एसोसिएशन, टीवीसी और स्ट्रीट वेंडर प्रतिनिधि शामिल होंगे. सर्वे के दौरान प्रत्येक वेंडिंग साइट की उपयोगिता, उपलब्ध जगह, यातायात व्यवस्था और अन्य जरूरी पहलुओं का आकलन किया जाएगा, ताकि भविष्य में बेहतर योजना के साथ साइटों का विकास और आवंटन किया जा सके. नगर निगम ने यह भी कहा कि सभी वेंडिंग जोन में स्ट्रीट लाइट, पेयजल, सार्वजनिक शौचालय, साइटों की स्पष्ट मार्किंग और सीसीटीवी कैमरे जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं. अधिकारियों को तय समय के भीतर ये सुविधाएं विकसित करने को कहा गया है. यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. वेंडरों ने दी आंदोलन की चेतावनी: ज्वाइंट कमिश्नर हिमांशु गुप्ता ने बताया कि 'जिन पात्र स्ट्रीट वेंडरों के पास पहले कोई साइट नहीं थी, उन्हें ड्रॉ के माध्यम से स्थान आवंटित किए गए हैं. नगर निगम का प्रयास है कि सभी वेंडिंग जोन में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वेंडर बिना किसी परेशानी के अपना व्यवसाय चला सकें.' वहीं प्रदर्शन कर रहे वेंडरों का कहना है कि जब तक जमीन पर सभी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होतीं, तब तक वे इस आवंटन को स्वीकार नहीं करेंगे.

राजस्थान में फिर सक्रिय हो सकता है मानसून, 15 जिलों में यलो अलर्ट जारी

जयपुर,एजेंसी। राजस्थान में मानसून की रफ्तार एक बार फिर बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार पहले पूर्वी राजस्थान और उसके बाद पश्चिमी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। मौसम केंद्र जयपुर ने रविवार को प्रदेश के 15 जिलों में आंधी और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में सबसे अधिक 32 मिलीमीटर बारिश दौसा जिले के बसवा क्षेत्र में हुई। इसके अलावा अलवर, धौलपुर, बूंदी और कोटा के कुछ इलाकों में भी हल्की बारिश हुई। हालांकि प्रदेश में इस मानसून सीजन के दौरान अब तक सामान्य से करीब 25 प्रतिशत कम वर्षा हुई है, जिससे किसानों और आमजन की निगाहें आगामी बारिश पर टिकी हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी भारत के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र कमजोर होकर अब चक्रवाती परिसंचरण तंत्र में बदल गया है। वहीं मानसून ट्रफ लाइन अमृतसर, करनाल और रांची से होकर गुजर रही है। इसके प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में अगले दो से तीन दिन तक कमजोर मानसूनी परिस्थितियां बनी रह सकती हैं, लेकिन 20 और 21 जुलाई से कोटा, भरतपुर, जयपुर और अजमेर संभाग के कुछ क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने पश्चिमी राजस्थान के लिए भी राहतभरी खबर दी है। विभाग के अनुसार 22 से 28 जुलाई के बीच जोधपुर और बीकानेर संभाग के कई इलाकों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की प्रबल संभावना है। फिलहाल पश्चिमी राजस्थान में केवल श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के कुछ हिस्सों में ही हल्की बारिश हुई है।

उधर, प्रदेश में गर्मी का असर भी बना हुआ है। श्रीगंगानगर लगातार सबसे गर्म जिला बना हुआ है। पिछले 10 दिनों में से 9 दिन श्रीगंगानगर प्रदेश का सबसे गर्म स्थान रहा। शनिवार को यहां अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस मापा गया। वहीं बीकानेर में अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी सप्ताह में मानसून की गतिविधियों में सुधार होने से प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर शुरू हो सकता है, जिससे तापमान में गिरावट आने और खरीफ फसलों को राहत मिलने की उम्मीद है।

ड्यूटी के दौरान महिला थाना के एएसआई की मौत, हार्ट अटैक की आशंका

दौसा,एजेंसी। महिला थाना में तैनात एएसआई गिरधारी लाल मीणा की शनिवार देर रात ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। महिला थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि 56 वर्षीय एएसआई गिरधारी लाल मीणा शनिवार रात ड्यूटी ऑफिसर के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। रात करीब 11:30 बजे उन्हें अचानक सांस लेने में तकलीफ और बेचैनी महसूस हुई। कुछ ही देर में उनकी हालत गंभीर हो गई और वे अचेत हो गए। साथी पुलिसकर्मियों ने तत्काल उन्हें जिला अस्पताल की इमरजेंसी यूनिट पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। गिरधारी लाल मीणा मूल रूप से अलवर जिले के प्रतापगढ़ क्षेत्र स्थित हमीरपुर गांव के निवासी थे। उनके परिवार में एक पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। उन्होंने पुलिस विभाग में करीब 35 वर्षों तक सेवाएं दीं। वे लंबे समय तक दौसा कोतवाली थाने में हेड कॉन्स्टेबल के पद पर कार्यरत रहे थे। करीब तीन माह पूर्व ही उनका पदोन्नति होकर एएसआई पद पर चयन हुआ था, जिसके बाद उनका स्थानांतरण महिला थाने में किया गया था। रविवार सुबह जिला अस्पताल में उनका पोस्टमॉर्टम कराया गया। इसके बाद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, जिसे अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक गांव हमीरपुर ले जाया गया। एएसआई की अचानक मौत से पुलिस महकमे में शोक की लहर है।

विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला

▶▶ धौलपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत, पुलिस जांच जारी

धौलपुर,एजेंसी। धौलपुर के मनियां थाना क्षेत्र के कृपा का पुरा गांव में शनिवार को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मनियां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार, कृपा का पुरा निवासी अनुष्का (22) पत्नी आकाश का शव शनिवार को घर के कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए मनियां अस्पताल भिजवाया। रविवार को मृतका के पीहर पक्ष को सूचना दी गई। पीहर पक्ष के पहुंचने के बाद रविवार को पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतका की शादी करीब दो वर्ष पहले हुई थी। पुलिस फिलहाल मामले की गहन जांच में जुटी है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा।

उदयपुर सांसद बोले-आदिवासी हिंदू नहीं हैं जैसी मार्केटिंग हो रही

▶▶ धर्मांतरण का एक पूरा इकोसिस्टम काम कर रहा; आदिवासी इलाकों में बड़ा नेटवर्क सक्रिय

उदयपुर,एजेंसी। आदिवासी समाज के बच्चों को गोवा से शनिवार शाम उदयपुर लाया गया। उन्हें बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की टीम यहां लेकर पहुंची। जिसके बाद उदयपुर सांसद मन्ना लाल रावत ने अपना एक वीडियो जारी किया। रावत ने वीडियो के जरिए कहा कि बच्चों को अवैध तरीके से मानव तस्करी के लिए तमिलनाडु ले जाया जा रहा था। ऐसी घटनाएं पहले भी हुई हैं और इसकी सूचनाएं लगातार आ रही हैं। इससे साफ पता चलता है कि क्षेत्र में धर्मांतरण का एक पूरा इकोसिस्टम काम कर रहा है। आदिवासी इलाकों में बड़ा नेटवर्क सक्रिय है। सांसद रावत ने नेटवर्क का खुलासा करते हुए कहा कि ऋषभदेव थाना क्षेत्र के कानूवाड़ा में एक एफआईआर दर्ज हुई है। 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक व्यक्ति नेपाल का है, एक पंजाब का है। जानकारी के अनुसार नेपाल के व्यक्ति के साथ पाकिस्तानी भी था। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ से भी तीन लोग इसमें जुड़े हुए थे। बाहरी लोग यहां आकर आदिवासी क्षेत्रों में छद्म तरीके से रहते हैं और धर्मांतरण की अवैध गतिविधियों को अंजाम देकर स्थानीय लोगों में अलगाव पैदा करते हैं। विकास को रोकने का प्रयास किया जा रहा सांसद ने आरोप लगाया कि ये लोग क्षेत्र में हो रही विकास की गतिविधियों और विकास के मार्ग को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। ये आदिवासियों को गरीब बनाए रखने के लिए लोभ-प्रलोभन देते हैं और यहां बड़े पैमाने पर पैसे के लेन-देन की सूचनाएं हैं। डूंगरपुर और बांसवाड़ा से भी ऐसी घटनाएं सामने आई सांसद ने पहले की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि डूंगरपुर के सेंट पॉल स्कूल और बांसवाड़ा के कलिंजरा में भी ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। कोई 'ऐसी भारत' नाम के लोग भी यहां आकर कट्टरता की बातें करते हैं और लोगों को भड़काकर संविधान के खिलाफ ले जाते हैं।

महिला से गहने लूटने का आरोपी युवक गिरफ्तार

हनुमानगढ़,एजेंसी। हनुमानगढ़ टाउन पुलिस ने एक बुजुर्ग महिला से सोने की बाली छीनने के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान संगरिया के फतेहपुर निवासी मंगल सिंह (28) के तौर पर हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छीनी गई सोने की बाली भी बरामद कर ली है। यह घटना 14 जुलाई को हुई थी। टिब्बी तहसील के नाईवाला निवासी राकेश कुमार ने हनुमानगढ़ टाउन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उनकी वृद्ध मां सरकारी अस्पताल में दवा लेने आई थीं। शिकायत के अनुसार, दवा लेकर अस्पताल से बाहर निकलते समय एक युवक उनकी मां के कान से सोने की बाली झपटकर फरार हो गया था। इस रिपोर्ट के आधार पर टाउन थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। आरोपी से पूछताछ में जुटी पुलिस जांच अधिकारी एएसआई उम्मेदराम और उनकी टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

मंत्री मदन दिलावर के खिलाफ लगे मुर्दाबाद के नारे

सांड के हमले में जान गंवाने वाले परिवार को सहायता नहीं मिलने पर फूटा गुस्सा

कोटा,एजेंसी। रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के बन्दा गांव में शनिवार को शिक्षा मंत्री एवं स्थानीय विधायक मदन दिलावर के दौरे के दौरान हंगामे की स्थिति बन गई। नगर निगम की गौशाला में सांड के हमले में जान गंवाने वाले गोपाल भील के परिवार को अनुकंपा सहायता दिलाने की मांग लेकर पहुंचे ग्रामीणों ने मंत्री से मुलाकात की कोशिश की। इसी दौरान एक युवक के वीडियो बनाने पर मंत्री के निजी सहायक ने आपत्ति जताई, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और मंत्री वहां से रवाना हो गए।

ग्रामीणों का आरोप है कि मंत्री ने उनकी बात सुने बिना ही कार्यक्रम स्थल छोड़ दिया। इसके बाद लोगों ने नाराजगी जताते हुए मदन दिलावर के खिलाफ नारेबाजी की और मुर्दाबाद के नारे लगाए।

ज्ञापन देने गए थे ग्रामीण- निवर्तमान उप महापौर पवन मीणा के नेतृत्व में ग्रामीण गोपाल भील के परिवार की ओर से ज्ञापन सौंपकर अनुकंपा नियुक्ति और आर्थिक सहायता की मांग करना चाहते थे। पवन मीणा ने कहा कि ग्रामीण किसी निजी हित के लिए नहीं, बल्कि पीड़ित परिवार को न्याय और नियमानुसार सरकारी सहायता दिलाने की मांग लेकर पहुंचे थे। उनका कहना है कि यह एक संवेदनशील मामला है और ऐसे मामलों में जनप्रतिनिधियों को पीड़ित परिवार की बात सुननी चाहिए। ग्रामीणों ने सरकार से गोपाल भील के परिवार को जल्द आर्थिक सहायता और आवश्यक राहत देने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक परिवार को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक वे लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध जारी रखेंगे।

कार-बाइक की भीषण टक्कर में युवक की मौत, हादसे के बाद कार में लगी आग

जैसलमेर,एजेंसी। जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार रात कार और बाइक की भीषण भिड़ंत में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार करीब 20 फीट तक हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरा। हादसे के बाद बाइक कार के अगले हिस्से में फंस गई, जिससे शॉर्ट सर्किट होने पर कार में आग लग गई।

आग लगते ही कार के तीन दरवाजे ऑटोमैटिक लॉक हो गए, लेकिन पीछे का एक दरवाजा खुल जाने से कार में सवार तीन लोगों की जान बच गई। जानकारी के अनुसार रामगढ़ निवासी पंकज सोनी अपनी स्विफ्ट कार से जैसलमेर से बोहा गांव में एक ग्राहक को सोने का गहना देकर वापस लौट रहे थे। उनके साथ मोतीलाल सोनी और महेंद्र सोनी भी कार में सवार थे। शनिवार रात बोहा और नेहड़ाई गांव के बीच सामने से आ रही एक बाइक से उनकी कार की भिड़ंत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद बाइक कार के बोनट में फंस गई और वाहन में आग लग गई। कार चालक पंकज सोनी ने बताया कि आग लगते ही कार के तीन दरवाजे लॉक हो गए।

काफी प्रयास के बाद एक दरवाजा खुला, जिससे तीनों युवक बाहर निकलने में सफल रहे। हादसे में कार सवार मोतीलाल सोनी के सिर पर चोट आई, जबकि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना के बाद कार सवारों ने घायल युवक की मदद करने का प्रयास किया। इसी दौरान युवक के पास गिरे मोबाइल पर उसके परिजनों का फोन आया। कॉल रिसीव कर हादसे की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही नेहड़ाई गांव से परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान 28 वर्षीय फकीरा राम भील निवासी नेहड़ाई के रूप में हुई।

सूचना पर नेहड़ाई चौकी प्रभारी देवी सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और परिजनों की मदद से युवक को जैसलमेर के राजकीय जवाहिर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। हादसे में स्विफ्ट कार और बाइक दोनों आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गए। मोहनगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से पैंथर की मौत

कोटा-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर जंगल में सड़क क्रॉस करते हादसा; गाड़ी की तलाश के लिए सीसीटीवी खंगालेगा विभाग

कोटा,एजेंसी। कोटा-चित्तौड़गढ़ नेशनल हाईवे में एक गाड़ी की टक्कर से हुए हादसे में वयस्क पैंथर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पैंथर जंगल से निकलकर सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन ड्राइवर मौके से फरार हो गया। यह हादसा चित्तौड़गढ़ जिले के मांडलगढ़ क्षेत्र में रविवार को करीब 12 बजे हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार- घायल पैंथर सड़क किनारे काफी देर तड़पता रहा। हाईवे से गुजर रहे कई लोगों ने अपनी गाड़ियां रोककर उसे बचाने का प्रयास किया। वहीं वन विभाग को सूचना दी, लेकिन कुछ ही देर में पैंथर ने दम तोड़ दिया। कोटा मुकुंदरा टाइगर रिजर्व के डीएफओ मुथू एस ने बताया- प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सड़क पार कर पैंथर दूसरी ओर जा रहा था, तभी किसी गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी। वन विभाग हादसे की जांच में जुटा है।

विभाग थाने में दर्ज कराएगा शिकायत

घटना की सूचना मिलते ही मांडलगढ़ रेंज के वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पैंथर के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रवाना हुई। हाईवे पर पैंथर का शव मिलने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।

डीएफओ मुथू एस ने बताया- अज्ञात वाहन ड्राइवर के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई जाएगी।

साथ ही हाईवे के टोल प्लाजा और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जाएगी, ताकि आरोपी वाहन की पहचान की जा सके। पोस्टमॉर्टम के बाद वन विभाग पैंथर का अंतिम संस्कार करेगा।

ड्रग्स-फैक्ट्री पकड़ने पहुंची टीम, अंदर बन रहा था नकली घी

बाड़मेर,एजेंसी। बाड़मेर में ड्रग्स फैक्ट्री की सूचना पर पहुंची डीएसटी को नकली घी की फैक्ट्री मिली। टीम को मौके से 870 किलो तैयार मिलावटी घी, 1560 किलो पाम ऑयल और सोयाबीन तेल समेत अन्य सामान मिला। डीएसटी टीम ने स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। फूड इंस्पेक्टर ने मौके से घी के सैंपल लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस पूरे मामले की अलग से जांच कर रही है। मामला सदर थाना इलाके में सूरमल नगर रिंग रोड का रविवार का है। फैक्ट्री संचालक जितेंद्र जैन और तिलोक को डीएसटी टीम ने हिरासत में लिया है। दोनों आरोपी बाजार से असली घी लाकर इसमें पाम आयल मिलाकर नकली घी बनाते थे। मादक पदार्थ की सूचना पर पहुंची टीम, मिली घी बनाने की फैक्ट्री बाड़मेर डीएसटी टीम को रात में सूचना मिली कि रिंग रोड पर चामुंडा होटल के सामने एक घर में ड्रग बनाया जा रहा है। आज सुबह टीम मौके पर पहुंची तो वहां मकान के अंदर मिलावटी घी बनाने की फैक्ट्री चल रही थी। क्रीम से निकालते थे असली घी, फिर पाम ऑयल मिलाकर करते थे तैयार पुलिस की जांच में सामने आया कि यह फैक्ट्री जितेंद्र जैन और तिलोक नाम के दो युवक चला रहे थे। शुरुआती पूछताछ में पता चला कि वे मारुति डेयरी और बाजार से क्रीम खरीदकर लाते थे। क्रीम से घी निकालते थे।

● कॉन्स्टेबल की हत्या का आरोपी कोर्ट से भागा

सरेंडर करने आया था, जमानत न मिलने की आशंका पर फरार हुआ

दौसा,एजेंसी। दौसा में 5 साल पहले पुलिस कॉन्स्टेबल हत्याकांड में वांटेड बदमाश कोर्ट में सरेंडर करने के बाद भाग निकला। उसे अंदेशा था कि उसकी जमानत नहीं हो पाएगी। ऐसे में, मौका पाकर बदमाश कोर्ट में रफूचक्कर हो गया। मामला दौसा के सिकराय कोर्ट का शनिवार का है। कोर्ट की रिपोर्ट पर मानपुर थाने में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। लोक अदालत में भीड़ का फायदा उठा कर भागा मानपुर थाना इंचार्ज सतीश कुमार ने बताया- आरोपी विजय मीणा को 2024 में कॉन्स्टेबल संजय गुर्जर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया था। केस ट्रायल के दौरान आरोपी बेल पर चल रहा था। 2026 जून में इसी मामले में पेशी थी। आरोपी कोर्ट में पेश नहीं हुआ। इसके बाद 16 को विजय मीणा के खिलाफ सिकराय कोर्ट ने अरेस्ट वारंट जारी किया था। शनिवार को यह कोर्ट में सरेंडर करने आया था।

राजस्थान के सरकारी टीचर्स और स्टूडेंट्स को एआई सिखाया जाएगा

छात्र को किस सब्जेक्ट में ज्यादा मेहनत की जरूरत इसका भी पता लगाया जा सकेगा

उदयपुर,एजेंसी। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित पढ़ाई की शुरुआत होने जा रही है। इसके जरिए टीचर्स और स्टूडेंट्स दोनों को एआई तकनीक से जोड़ना है। इसके लिए टीचर्स एआई टूल्स का इस्तेमाल सीखेंगे। वहीं, स्टूडेंट्स को एआई के काम करने के तरीके, उसके सही और गलत उपयोग तथा डिजिटल सुरक्षा के बारे में जानकारी दी जाएगी। शिक्षा विभाग ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत पहले चरण में राजस्थान के 10 जिलों में करीब एक लाख शिक्षकों को एआई का प्रशिक्षण देने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके बाद यह मॉडल प्रदेश के अन्य जिलों तक विस्तार किया जाएगा। शिक्षा विभाग इस पर काम कर रहा है। इसकी शुरुआत उदयपुर में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण के जरिए की गई। इसमें प्रदेश की 34 डाइट की फैकल्टी को सबसे पहले समझाते हुए ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को बताया जा रहा है कि एआई की मदद से कुछ ही मिनटों में लैसन प्लान (शिक्षण योजना) कैसे तैयार किया जा सकता है। स्टूडेंट के स्तर के अनुसार गतिविधियां कैसे बनाई जा सकती हैं। मूल्यांकन कैसे तैयार होगा और किस छात्र को किस सब्जेक्ट में अतिरिक्त सहायता की जरूरत है, इसका विश्लेषण कैसे किया जा सकता है।

इससे पढ़ाई को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। स्टूडेंट्स को भी एआई के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्हें समझाया जाएगा कि एआई कैसे काम करता है। वह जानकारी किस आधार पर तैयार करता है। उसकी सीमाएं क्या हैं। किसी जानकारी की सत्यता कैसे परखी जाए। साथ ही साइबर सिक्योरिटी, डिजिटल लिटरेसी और ऑनलाइन सुरक्षा से जुड़े विषय भी ट्रेनिंग का हिस्सा होंगे। ये कार्यक्रम राजस्थान के साल 2047 के विजन डॉक्यूमेंट के अनुसार शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में कदम है। एक्सपर्ट का मानना है कि जिन कार्यों में पहले शिक्षकों को एक घंटे तक का समय लगता था। वे एआई की मदद से कुछ ही मिनटों में पूरे किए जा सकेंगे। इससे टीचर्स को स्टूडेंट्स के साथ अधिक गुणवत्तापूर्ण समय देने का अवसर मिलेगा।

कोटा में ऊर्जा मंत्री की बैठक में बत्ती गुल

कोटा,एजेंसी। कोटा में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर की अधिकारियों के साथ चल रही बैठक में अचानक बिजली गुल हो गई। इसके चलते मंत्री जिला परिषद सभागार में करीब 6 मिनट तक अंधेरे में बैठे रहे। बाद में जनरेटर चालू कर लाइट बहाल की गई। रविवार को ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों, मुक्तिधामों के जीर्णोद्धार, रास्ते के विवादों और निर्माण कार्यों को लेकर ऊर्जा मंत्री ने एक बैठक बुलाई थी। इस बैठक में जिला परिषद के तमाम अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। बैठक दोपहर करीब सवा एक बजे शुरू हुई। मीटिंग शुरू होने के कुछ ही देर बाद, जब मंत्री नागर सड़कों के निर्माण को लेकर अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे, तभी हॉल की बत्ती गुल हो गई। हालांकि, बिजली जाने के बाद भी चर्चा रुकी नहीं और जारी रही। सभागार के कर्मचारियों ने तुरंत खिड़कियों के पर्दे हटा दिए ताकि अंदर प्राकृतिक रोशनी आ सके।

एक दिन में कितने भीगे बादाम खाना है सेहत के लिए फायदेमंद?

बादाम सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। इन्हें खाने से दिमाग तेज होता है और सेहत को कई अन्य फायदे भी मिलते हैं। इसलिए लोग रोजाना बादाम खाना पसंद करते हैं। उसमें भी भीगे हुए बादाम सेहत के लिए और ज्यादा लाभदायक होते हैं। लेकिन हर चीज की तरह बादाम भी अगर सही मात्रा में खाए जाएं, तो ही सेहत को फायदा मिलता है। आइए जानें एक दिन में कितने भीगे बादाम खाना सेहत के लिए फायदेमंद है।

भीगे बादाम खाने के फायदे

पाचन में आसानी– बादाम के भूरे छिलके में टैनिन होता है, जो पोषक तत्वों के अब्जॉर्प्शन में बाधा डाल सकता है। भिगोने से यह छिलका आसानी से उतर जाता है, जिससे पाचन तंत्र पर जोर कम पड़ता है और पोषक तत्व आसानी से शरीर में अब्जॉर्ब हो जाते हैं।

पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ना– भिगोने से बादाम में मौजूद एंजाइम एक्टिव हो जाते हैं। इस प्रक्रिया में विटामिन्स, खासकर विटामिन–ई और बी–कॉम्प्लेक्स, ज्यादा आसानी से उपलब्ध होते हैं।

वेट मैनेजमेंट– भीगे बादाम में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है, जो पेट को लंबे समय तक भरा रखती है और अनहेल्दी स्नैकिंग से बचाती है।

एक स्वस्थ वयस्क व्यक्ति के लिए हर दिन लगभग 6 से 8 भीगे हुए बादाम खाने चाहिए। हालांकि, यह मात्रा कई बातों पर निर्भर करती है–

एथलीट या हैवी फिजिकल एक्टिविटी करने वाले– ये लोग 10–15 बादाम तक खा सकते हैं, क्योंकि उनके शरीर को ज्यादा एनर्जी और पोषण की जरूरत होती है।

बच्चे– बच्चों को 2–4 भीगे बादाम दिए जा सकते हैं। उनके छोटे पाचन तंत्र के लिए यह मात्रा काफी होती है।

बुजुर्ग– 4–6 बादाम उनके लिए फायदेमंद रहते हैं।

वजन घटाना– अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो 6–8 बादाम से ज्यादा न लें, क्योंकि इनमें कैलोरी भी होती है।

मसल्स बिल्डिंग– मांसपेशियां बनाने के लिए प्रोटीन और हेल्दी फैट की जरूरत होती है, इसलिए 10–12 बादाम लिए जा सकते हैं।

पाचन संबंधी समस्या– अगर आपका पाचन तंत्र कमजोर है, तो शुरुआत सिर्फ 2–3 बादाम से करें और फिर धीरे–धीरे मात्रा बढ़ाएं।

इस प्रकार खायें बादाम

बादाम शरीर को ताकत देने के साथ ही दिमाग भी तेज करता है, इसलिए हमेशा इसके सेवन की सलाह दी जाती है। बादाम को सभी तरीके से खाना जरुरी है। अगर आप ऐसे ही खायेंगे तो इससे पाचन को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए बादाम को भिगा कर खाना चाहिये। आमतौर पर बादाम को पचाना किसी भी व्यक्ति के लिए मुश्किल होता है क्योंकि इसके छिलके में पाचन में मदद करने वाले एंजाइम्स को रोकने वाला पदार्थ होता है। इसलिए बादाम को खाने से पहले भिगोना या अंकुरित करना जरूरी होता है, ताकि वो सभी एंजाइम स्रावित हो सकें जो पाचन में योगदान देते हैं। बादाम के ब्राउन छिलके में टेनिन होता है, जो पोषक तत्वों को अवशोषित होने से भी रोकता है लेकिन जब आप बादाम को भिगो देते हैं तो इसका छिलका आसानी से अलग हो जाता है और बादाम के पोषक तत्व आसानी से शरीर में अवशोषित हो सकते हैं। भीगे बादाम में बिटामिन ई और बिटामिन–17 होता है। कोलेस्ट्रोल कम करता है। फ्लोनोवाइड मौजूद है। एंजाइम लाइपेज रिलीज करने की ताकत बादाम में होती है। इस प्रकार बादाम यदि सही तरीके से खाया जाए तो लाभकारी साबित हो सकता है।

क्या ज्यादा बादाम खाने के नुकसान हैं?

जी हां, ज्यादा मात्रा में बादाम खाने के कुछ दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं, जैसे–

वजन बढ़ना– बादाम कैलोरी से भरपूर होते हैं। जरूरत से ज्यादा खाने से वजन बढ़ सकता है।

पाचन समस्या– ज्यादा मात्रा में फाइबर होने के कारण इससे पेट फूलना, गैस या कब्ज की शिकायत हो सकती है।

विटामिन–ई ओवरडोज– बहुत ज्यादे बादाम खाने से शरीर में विटामिन–ई की मात्रा ज्यादा हो सकती है, जिससे सिरदर्द, थकान और चक्कर आने जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

दवाइयों के साथ इंटरेक्शन– बादाम में मैंगनीज की मात्रा ज्यादा होती है। ज्यादा खाने पर यह कुछ दवाओं के साथ इंटरेक्शन कर सकता है।

भीगे बादाम खाने का सही तरीका

सबसे अच्छा तरीका है रात में 6–8 बादाम को साफ पानी में भिगो दें और सुबह छिलका उतारकर खाली पेट खाएं। भीगे हुए बादाम को चबा–चबा कर खाना चाहिए, ताकि इसके पोषक तत्व ठीक से अब्जॉर्ब हो सकें।

बारिश के मौसम में बीमारियों से बचने करें ये आसान उपाय

बरसात का मौसम सुहाना होता है, हरियाली और गरमी से राहत लाता है पर लेकिन यही मौसम कई स्वास्थ्य चुनौतियों का कारण भी बन सकता है। बारिश के दौरान वातावरण में बढ़ती नमी के चलते बैक्टीरिया, वायरस और फंगस तेजी से पनपते हैं, जिससे सर्दी–जुकाम, वायरल बुखार, डेंगू, मलेरिया और पेट से जुड़ी परेशानियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में मौसम का भरपूर आनंद लेने के साथ–साथ अपनी सेहत का भी खास ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

सबसे पहले, खानपान में सावधानी बरतना अत्यंत आवश्यक है। बरसात के दिनों में बाहर का खुला या लंबे समय तक रखा हुआ खाना खाने से बचें, क्योंकि खाद्य पदार्थ जल्दी खराब हो सकते हैं और फूड पॉइजनिंग व पेट के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। हमेशा ताजा और घर का बना भोजन ही करें। फल और सब्जियों को इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह धोना सुनिश्चित करें और पर्याप्त मात्रा में उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ साफ पानी पिएं। गर्म और ताजा भोजन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने में भी सहायक होता है। यदि बाहर खाना जरूरी हो, तो साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखने वाले स्थान का ही चुनाव करें।

बारिश में भीगने के बाद गीले कपड़ों या जूतों में ज्यादा देर तक रहना भी हानिकारक हो सकता है। यह सर्दी–जुकाम के साथ–साथ त्वचा संक्रमण और फंगल इंफेक्शन का कारण बन सकता है। घर पहुंचते ही तुरंत गीले कपड़े बदलें, शरीर को अच्छी तरह सुखाएं और पैरों की साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दें। अगर जूते भीग गए हैं, तो उन्हें पूरी तरह सूखने दें। इसके अलावा, मानसून के दौरान मच्छरों का खतरा भी बढ़ जाता है, क्योंकि जगह–जगह पानी जमा होने से उनका प्रजनन तेजी से होता है। डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचने के लिए अपने घर के आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, गमलों और टंकियों की नियमित सफाई करें। सुबह और शाम के समय पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें और जरूरत पड़ने पर मच्छरदानी या मच्छर भगाने वाले सुरक्षित उपायों का इस्तेमाल करें।

सामान्य साफ–सफाई और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखना भी इस मौसम में बेहद महत्वपूर्ण है। बरसात में संक्रमण से बचने के लिए हाथों की साफ–सफाई बेहद जरूरी है। बाहर से आने के बाद और खाना खाने से पहले साबुन से हाथ अच्छी तरह धोना न भूलें। पर्याप्त नींद लें, नियमित रूप से हल्की एक्सरसाइज करें और अपनी डाइट में मौसमी फल, हरी सब्जियां तथा विटामिन और प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। एक मजबूत इम्यून सिस्टम शरीर को मौसमी संक्रमणों से लड़ने में मदद करता है। हालांकि, इन सभी सावधानियों के बावजूद यदि आपको लगातार बुखार, तेज खांसी, उल्टी, दस्त या अन्य कोई गंभीर लक्षण दिखाई दें, तो घरेलू उपचारों पर निर्भर रहने के बजाय तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है। इन आसान लेकिन जरूरी बातों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर आप मानसून के मौसम का आनंद बिना किसी परेशानी के उठा सकते हैं।

बारिश में कौन सी बीमारियों का सबसे ज्यादा खतरा-

डेंगू और मलेरिया-

- मानसून बीमारियों में सबसे पहला नाम मच्छरों से होने वाले रोगों का आता है. गमलों, कूलरों, पुराने टायरों या सड़कों के गड्ढों में रुका हुआ साफ या गंदा पानी मच्छरों का घर बन जाता है.
- डेंगू– डेंगू का खतरा बढ़ जाता है. यह एडीज मच्छर के काटने से होता है, जो अमूमन दिन में काटता है.
- लक्षण– इसमें अचानक तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द और जोड़ों में तेज दर्द होता है.
- मलेरिया– यह एनाफिलीज मच्छर के फैलने से होता है.
- लक्षण– इसमें मरीज को तेज ठंड लगकर बुखार आता है.
- 2. टाइफाइड और गैस्ट्रोएंटेराइटिस–
- बारिश के दिनों में बाहर का खुला खाना या दूषित पानी पीने से पेट की बीमारियां सबसे ज्यादा होती हैं.
- टाइफाइड– यह साल्मोनेला टाइफी नाम के बैक्टीरिया से होता है, जो गंदे पानी या खराब खाने के जरिए हमारे शरीर में जाता है.

लक्षण– इसमें लगातार तेज बुखार और पेट में तेज दर्द रहता है.?गैस्ट्रोएंटेराइटिस– इसे आम भाषा में फूड पॉइजनिंग या पेट का इन्फेक्शन भी कहते हैं. लक्षण– इसमें उल्टी, दस्त और पेट में मरोड़ जैसी दिक्कतें होने लगती हैं.

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में छपी डब्ल्यूएचओ की इस रिपोर्ट के मुताबिक, बारिश के मौसम में पीने के पानी के सोर्स के दूषित होने के कारण गैस्ट्रोएंटेराइटिस और टाइफाइड का खतरा दोगुना हो जाता है.

तपती गर्मी के बाद जब बारिश होती है, तो मिट्टी की सौंधी खुशबू हर किसी का मन खुश कर देती है. चाय–पकौड़े का दौर शुरू हो जाता है और मौसम सुहाना लगने लगता है. लेकिन, इस खूबसूरत मानसून के साथ बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है. ?इस मौसम में हवा में नमी बढ़ जाती है और जगह–जगह पानी जमा होने लगता है. यही वजह है कि बैक्टीरिया, वायरस और मच्छर बहुत तेजी से पनपने लगते हैं.

सेहत के प्रति थोड़ी सी भी लापरवाही आपको अस्पताल के चक्कर काटने पर मजबूर कर सकती है. आइए जानते हैं कि इस मौसम में कौन सी बीमारियां सबसे ज्यादा फैलती हैं और कैसे इनसे बचा जा सकता है.

3. वायरल फीवर और फ्लू-

?मौसम बदलते ही सर्दी, खांसी, जुकाम और वायरल बुखार के मामले सबसे ज्यादा देखे जाते हैं. यह इन्फेक्शन हवा के जरिए एक इंसान से दूसरे इंसान में बहुत तेजी से फैलता है.

?खुद को और परिवार को कैसे रखें सुरक्षित–

?पानी न रुकने दें– अपने घर के कूलर, गमलों की ट्रे और छत पर रखे कबाड़ को साफ रखें. कहीं भी पानी जमा न होने दें ताकि मच्छर न पनक पाएं.

?पानी उबालकर पीएं– मानसून में बाहर का पानी पीने से पूरी तरह बचें. घर पर भी पानी को अच्छी तरह उबालकर या अच्छे फिल्टर) का ही पानी इस्तेमाल करें.

?बाहर के खाने से बचें– इस मौसम में सड़क किनारे मिलने वाले कटे हुए फल, चाट–पकौड़े और खुले में बना खाना खाने से बिल्कुल बचें. हमेशा ताजा और गर्म खाना ही खाएं.

?पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें– जब भी बाहर निकलें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें और मच्छर भगाने वाली क्रीम या पैच का इस्तेमाल जरूर करें.

पपीते का रस
ठीक करता है कई गंभीर बीमारियां

आम तौर पर माना जाता है कि पपीते का फल पेट की बीमारियों का रामबाण उपाय है पर इतना ही नहीं है। पपीता एक ऐसा फल है जो गंभीर बीमारियों को बढ़ने से रोकता है। ऐसे में अगर आप स्वस्थ् रहना चाहते हैं तो पपीते का सेवन करना शुरु कर दें। पपीता ही नहीं इसके पत्तों का रस भी बेहद स्वस्थ्यवर्धक होता है। अगर आपने इसके पत्तों का रस पीया है तो ठीक और नहीं पीया तो पीना शुरू कर दीजिए क्योंकि पपीता खाने के साथ ही इसके पत्तों का रस पीने से कई तरह की बड़ी बीमारियों से बचाव होता है।

वैसे तो ज्यादातर डेंगू और चिकनगुनिया के रोगियों को इसका रस पीने की सलाह दी जाती है लेकिन अगर आप ताउम्र स्वस्थ रहना चाहते हैं तो इसे आपने आहार में शामिल करें।

कैंसर कोशिकाओं को रोकता है

पपीते के पत्तों में कैंसररोधी गुण होते हैं जो कि रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने में मदद करते हैं और सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर जैसे कैंसर के सेल्स को बनने से रोकते हैं।

संक्रमण से बचाव

शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाने के साथ ही पपीते के पत्तों का जूस शरीर में बैक्टीरिया की ग्रोथ रोकने में भी सहायक है। यह खून में सफेद रक्त कणों और प्लेटलेट्स को बढ़ाने में भी सहायता करता है।

डेंगू नहीं होगा

डेंगू और मलेरिया से लड़ने में पपीते की पत्तियों का रस काफी लाभकारी रहता है। यह बुखार की वजह से गिरती प्लेटलेट्स को बढ़ाने और शरीर में कमजोरी को बढ़ने से रोकता है।

पीरियड्स में लाभप्रद

पीरियड्स में होने वाला दर्द में अगर पपीते की पत्ती को इमली, नमक और 1 ग्लास पानी के साथ मिलाकर काढ़ा बनाया जाए और इसे ठंडा करके पिया जाए तो काफी आराम मिलता है।

एनीमिया में लाभप्रद

पपीते का रस किसी औषधि से कम नहीं है। अगर आपकी ब्लड प्लेटलेट्स कम हो रही हैं तो इसे पीने से ब्लड प्लेटलेट्स बढ़ जाती हैं। बस रोजाना इस रस को दो चम्मच लगभग तीन महीने तक पिएं।

शुगरफ्री
मिठाई से कम रहता है डायबिटीज का खतरा

मिठाईयां और मीठे व्यंजन सभी को पसंद होते हैं पर इसके अधिक सेवन से उन्हें डायबिटीज जैसी बीमारी होने का खतरा भी बना रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे में लोगों को शुगर–फ्री मिठाई का सेवन करना चाहिये।

बेसन लड्डू: बेसन, घी और ढेर सारी चीनी से बना बेसन का लड्डू काफी लोगों को पसंद होता है, हालांकि आजकल इसका शुगर–फ्री विकल्प भी उपलब्ध है, जिसमें चीनी बिल्कुल नहीं होती और खाने में यह अच्छा होता है।

खजूर रोल: कैलोरी को लेकर सचेत रहने वाले लोगों के लिए खजूर अच्छा विकल्प है1 आप बादाम के टुकड़ों के साथ खजूर रोल खा सकते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए भी बढ़िया है।

अंजीर बफी: अंजीर को दुनियाभर में काफी हेल्दीर माना जाता है। यह पाचन में सुधार कर मधुमेह को नियंत्रित करता है। इस फल को अंजीर की बर्फी के रूप में भी खाया जा सकता है, जिसमें रिफाइंड शुगर बिल्कुल नहीं होता है। यह मिठाई काजू, बादाम, पिस्ता, अंजीर, घी और शहद से बनाई जाती है, जो बच्चों और बड़ों दोनों के लिए स्वास्थ्यवर्धक है।

फिनी: फिनी एक पारंपरिक राजस्थानी मिठाई है. यह मुख्य रूप से राजस्थान के बीकानेर में मिलती है. इसे आटे, चीनी और शुद्ध घी से बनता है, लेकिन आजकल शहद से तैयार शुगर–फ्री फिनी भी मिलने लगी है, जिसका आप लुत्फ ले सकते हैं।

लौकी का हलवा: आप इसका सेवन भी कर सकते हैं. इसे सिर्फ एक छोटा चम्मच घी, लौकी, कम वसा वाले दूध, इलायची पाउडर और स्टेविया डालकर बनाया जाता है। खजूर नारियल रोल: यह रोल खजूर, बादाम और एक कप ग्रेट किए हुए नारियल से बनाया जाता है, जिसमें दो ग्राम फाइबर होता है।

दिल्ली रोमांटिक डेट और प्रॉपर्टी खरीदने के मामले में दुनिया का सबसे सस्ता बड़ा शहर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली रोमांटिक डेट और प्रॉपर्टी खरीदने के मामले में दुनिया का सबसे सस्ता बड़ा शहर है। लेकिन, यहां के लोगों की सैलरी भी सबसे कम है। रहने की लागत और क्वालिटी ऑफ लाइफ पर नजर रखने वाली एक रिपोर्ट से इसका पता चलता है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि

दिल्ली में दुनिया का सबसे सस्ता ब्रॉडबैंड इंटरनेट मिलता है। इसका मासिक कनेक्शन खर्च 7.3 डॉलर (लगभग 703 रुपये) है। यह 69 शहरों के सैंपल में सबसे कम है। रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की तुलना में शहर के केंद्र में प्रॉपर्टी की कीमतें कम हैं। इनकी औसत कीमत 2,465 डॉलर प्रति वर्ग मीटर (लगभग 2,37,000 रुपये) है। दिल्ली दुनिया भर में 65वें स्थान पर है। इसके अलावा, रिपोर्ट में दिल्ली को 2026 में 69 शहरों में से 66वां स्थान दिया गया है, जहां मासिक नेट सैलरी 538 डॉलर (लगभग 51,800 रुपये) है। यह न्यूयॉर्क के स्तर का 10 फीसदी है। दिल्ली में मासिक वेतन के पुराने आंकड़े इस प्रकार थे- 2012 में 633 डॉलर, 2016 में 653 डॉलर, 2019 में 556 डॉलर, 2025 में 607 डॉलर और 2026 में 538 डॉलर। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी तुलना में ज्यूरिख मासिक नेट वेतन 8,363 डॉलर (लगभग 8,05,200 रुपये) के साथ वेतन रैंकिंग में सबसे ऊपर रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दशक में डॉलर के हिसाब से दिल्ली में वेतन में 17.7 फीसदी और 2019 के बाद से 3.3 फीसदी की गिरावट आई है। ड्यूश बैंक के रिसर्च इंस्टीट्यूट के जिम रीड और गैलिना पॉज्दन्याकोवा की ओर से तैयार और 13 जुलाई को प्रकाशित यह रिपोर्ट मुख्य रूप से क्राउडसोर्स्ड डेटा पर आधारित है। इसे बैंक की रिसर्च टीम ने क्रॉस-चेक और साफ किया था।

सस्ती डेट का खर्च

ड्यूश बैंक की 'मैपिंग द वर्ल्ड्स प्राइसेस 2026' रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में एक 'सस्ती डेट' का खर्च 103 डॉलर (करीब 9,920 रुपये) है। वहीं, इंडेक्स में सबसे महंगे शहर जिनेवा में यह खर्च 475 डॉलर (लगभग 45,750 रुपये) है। यह रिपोर्ट कीमतों, सैलरी और क्वालिटी ऑफ लाइफ के आधार पर शहरों की तुलना करती है। रिपोर्ट की क्वालिटी ऑफ लाइफ रैंकिंग में दिल्ली टॉप 50 शहरों में शामिल नहीं थी। इस रैंकिंग में क्रय शक्ति, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रहने की लागत, घर की किफायती कीमत, आने-जाने का समय, प्रदूषण और जलवायु जैसे फैक्टरों पर विचार किया जाता है। 'सस्ती डेट' इंडेक्स में वाइन की एक बोतल, जींस की एक जोड़ी, एक ड्रेस, दो कॉफी, दो लोगों के लिए खाना, सिनेमा के दो टिकट, दो वन-वे ट्रांसपोर्ट टिकट और 5 किमी की टैक्सी सवारी का खर्च शामिल है। अन्य बड़े शहरों की तुलना में रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले दशक में डॉलर के हिसाब से दिल्ली में प्रॉपर्टी की कीमतों में 9.8 फीसदी की गिरावट आई है।

10000 के सिप को बदला 9 लाख में

प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड के 5 साल पूरे

30 जून, 2026 तक 8.47 लाख रुपये में बदल गया

मुंबई, एजेंसी। प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड का पांच साल का सफर पूरा हो गया है। यूं तो बीते पांच साल के दौरान पूंजी बाजार का सफर रोलर कोस्टर वाला रहा है। लेकिन, बाजार की अलग-अलग परिस्थितियों में भी इसका प्रदर्शन उत्साहजनक रहा हे। इसके शुरुआत के समय जिन्होंने 10,000 रुपये की मासिक खुलवाई होगी, वह 30 जून, 2026 तक 8.47 लाख रुपये में बदल गया है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड का निवेश लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में होता है। एक तरह से कहें तो यह ओपन-एंडेड डायनामिक इक्विटी स्कीम है। इसकी शुरुआत 17 जुलाई 2021 को हुई थी। यह स्कीम 'ग्रोथ से वैल्यू बनती है' के सिद्धांत पर आधारित निवेश नीति का पालन करती है। इसका मकसद 'प्योर बॉटम-अप स्टॉक-पिकिंग अप्रोच' के जरिए तेजी से बढ़ने की क्षमता वाले मौकों में निवेश करना है। पिछले पांच सालों में

एक मजबूत इन्वेस्टमेंट प्रोसेस और लगातार ऊंचे एक्टिव शेयर की वजह से इस स्कीम का नेट एसेट्स वैल्यू लगभग दोगुना हो गया है। इस स्कीम को एक हाई-कनविक्शन पोर्टफोलियो बनाए रखने की कोशिश के साथ मैनेज किया जाता है, जिसमें एक्टिव शेयर यानी बेंचमार्क से अंतर 60 प्रतिशत से ज्यादा होता है और यह बेंचमार्क-एग्नोस्टिक होती है। इसका मकसद ऐसे पोर्टफोलियो को बनाना है जिसमें शामिल कंपनियां गिरावट के समय व्यापक बाजार की तुलना में तेजी से और बेहतर तरीके से रिकवर कर सकें। उदाहरण के लिए व्यापक बाज़ार में गिरावट की तुलना में स्कीम की एनएवी को रिकवर होने में कम समय लगा। पोर्टफोलियो का मार्केट-कैप मिक्स समय के साथ इसके बॉटम-अप स्टॉक सिलेक्शन प्रोसेस के स्वाभाविक नतीजे के तौर पर विकसित हुआ है। सफर फ़ायदेमंद होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी रहा है। इस दौरान, हम अपनी मुख्य निवेश सोच पर अडिग रहे हैं। इसमें बॉटम-अप रिसर्च के जरिए अच्छे बिजनेस की पहचान करना, मजबूत मैनेजमेंट टीमों का साथ देना और लंबे समय के नजरिए से निवेश करना शामिल है। पिछले पांच साल का सफर फ़ायदेमंद होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी रहा है।

कैसा रहा प्रदर्शन

इस फंड में उस समय खुलवाया गया 10 हजार रुपये महीने का सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान आज 8.47 लाख रुपये का कोर्पस बना दिया। मतलब कि पांच साल का 13.83 प्रतिशत रहा। इस दौरान कुल निवेश 6 लाख रुपये था। इसी अवधि में, बेंचमार्क 500 का XIRR 10.43 प्रतिशत होता। जिन्होंने इसमें एक बार ही 10 लाख रुपये का निवेश किया होगा, उसकी रकम आज 19.61 लाख रुपये में बदल गया। मतलब कि (चक्रवृद्धि रिटर्न) 14.55 प्रतिशत। इसके मुकाबले, यदि वही निवेश इसके बेंचमार्क 500 में किया होता, तो 17.4 लाख रुपये में बढ़ता, जिसका 11.88 प्रतिशत होता। इसमें बॉटम-अप रिसर्च के जरिए अच्छे बिजनेस की पहचान करना, मजबूत मैनेजमेंट टीमों का साथ देना और लंबे समय के नजरिए से निवेश करना शामिल है।

अब कहानियों से समझ आएगी इंश्योरेंस की एबीसीडी, लॉन्च हुई कॉमिक बुक सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। बीमा सबके लिए' के विजन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। ऐसा करते हुए इंश्योरेंस रेगुलेटर आईआरडीएआई के चेयरमैन अजय सेठ ने उपभोक्ताओं के मध्य जीवन बीमा की अवधारणाओं को आसान बनाने और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उपभोक्ता जागरूकता कॉमिक बुक सीरीज का अनावरण किया। जीवन बीमा क्षेत्र के प्रमुख लीडर्स ने एक मंच पर आकर जीवन बीमा को सारे देशवासियों और परिवारों के लिए अधिक आसान, सरल और प्रासंगिक बनाने की दिशा में अपने साझा संकल्प को मजबूत किया।

यह शिक्षाप्रद कॉमिक बुक सिरीज जीवन बीमा की समझ को सरल और लोकतांत्रिक बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। यह इस तथ्य पर आधारित है कि संभावित खरीदारों के साथ वे लोग भी, जो जीवन बीमा लेने से बचते हैं, अक्सर इसे कठिन मानते हैं। इस पहल का उद्देश्य एमडब्ल्यूपी (मैरिड वुमंस प्रॉपर्टी एक्ट), वेवर ऑफ प्रीमियम और गंभीर बीमारी राइडर जैसी प्रमुख अवधारणाओं को

सरलता से समझाना है।

इंश्योरेंस के कॉन्सेप्ट को बनाया गया है आसानः इन कॉन्सेप्ट को तकनीकी भाषा के बजाय रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी कहानियों के जरिये प्रस्तुत किया गया है। सीखने के माध्यम के रूप में कॉमिक्स का चयन इस बात का संकेत है कि अब कहानी-आधारित शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। यह विभिन्न आयु वर्गों और भौगोलिक क्षेत्रों के लोगों से सहज रूप से जुड़ती है। यह सिरीज युवा जीवन बीमा सलाहकार सुप्रिया की यात्रा पर आधारित है। इसके माध्यम से वास्तविक जीवन की परिस्थितियों को 'स्टोरी मेमोरीज' के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे लोगों को यह समझने में मदद मिलती है कि पहले लिए गए वित्तीय निर्णय भविष्य की आर्थिक सुरक्षा को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। यह प्रयास 'बीमा सबके लिए' यानी (इंश्योरेंस फॉर ऑल) के व्यापक लक्ष्य की दिशा में एक सार्थक कदम है। यह केवल उत्पाद की जानकारी तक सीमित न रहकर उपभोक्ताओं को समझदारी के साथ निर्णय लेने में सक्षम बनाता है।

उन्होंने कहा, 'इस यात्रा में जीवन बीमा की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह लोगों और परिवारों को वित्तीय आत्मविश्वास प्रदान करता है, उनकी आकांक्षाओं को समर्थन देता है और सुरक्षित परिवारों की मजबूत नींव तैयार करता है। आईआरडीएआई के अध्यक्ष की ओर से जारी की गई यह उपभोक्ता जागरूकता कॉमिक बुक सीरीज इस मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुरक्षा के महत्व को एक अभिनव और सहज तरीके से उपभोक्ताओं तक पहुंचाती है। पूरे इकोसिस्टम के सामूहिक प्रयासों के जरिये भारत को वित्तीय रूप से अधिक सक्षम बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध हैं ताकि प्रत्येक व्यक्ति और परिवार अपनी आकांक्षाओं की सुरक्षा कर सके।

क्या है इस पहल का मकसद

राष्ट्रीय बीमा जागरूकता दिवस के अवसर पर शुरू की गई यह पहल आईआरडीएआई और जीवन बीमा उद्योग की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को सूचित निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना, जीवन सुरक्षा सॉल्यूशन की समझ को गहरा करना और भारतीय परिवारों में वित्तीय तैयारी की भावना को मजबूत करना है। कॉमिक बुक सीरीज का अनावरण करते हुए आईएसी-लाइफ के अध्यक्ष कमलेश राव ने कहा, 'भारत की ग्रोथ स्टोरी उसके लोगों की उम्मीदों, प्रगति और दृढ़ता से आकार ले रही है। जैसे-जैसे देश अधिक समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, परिवारों की वित्तीय तैयारी को मजबूत करना दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती का एक महत्वपूर्ण आधार बनेगा। 'बीमा सबके लिए' का विजन एक परिवर्तनकारी यात्रा है। बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय परिवार की वित्तीय योजना का अभिन्न हिस्सा सुरक्षा को बनाना है।'

ऐसी जगह अटके रहने से ज्यादा दर्दनाक कुछ नहीं है जहां आप फिट नहीं बैठतेः एन.आर. नारायण मूर्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भारत की टेक्नोलॉजी क्रांति की बात होती है तो एन.आर. नारायण मूर्ति का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। अपनी ईमानदारी वाली लीडरशिप और समझदारी के लिए पहचाने जाने वाले मूर्ति का लंबे समय से यह मानना रहा है कि सफलता सिर्फ टैलेंट से नहीं, बल्कि चरित्र और मजबूती से मिलती है।

मूर्ति ने 1981 में छह साथियों और कम निवेश के साथ इन्फोसिस की शुरुआत की थी। उनकी लीडरशिप में कंपनी भारत की सबसे सम्मानित ग्लोबल ढ्ञ्ञ फर्मों में से एक बन गई। कॉर्पोरेट ट्रांसपेरेंसी, एथिकल गवर्नेंस और कर्मचारियों की हिस्सेदारी को बढ़ावा देने के लिए भी उन्हें काफी सराहना मिली। फोर्ब्स के अनुसार, 18 जुलाई 2026 तक नारायण मूर्ति की रियल टाइम नेटवर्थ 3.6 अरब डॉलर थी।

नारायण मूर्ति के विचारों से दुनियाभर में करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा मिली है। आइए, आज सुबह की शुरुआत नारायण मूर्ति के कुछ विचारों के साथ करते हैं:

1. विकास दर्दनाक होता है। बदलाव दर्दनाक होता है। लेकिन, ऐसी जगह अटके रहने से ज्यादा दर्दनाक कुछ नहीं है जहां आप फिट नहीं बैठते।
2. अगर इंग्लैंड एक विश्व शक्ति बना, तो इसकी वजह औद्योगिक क्रांति थी।
3. मुझे हमेशा से गणित पसंद रहा है। यह किसी भी विचार

को व्यक्त करने का सबसे सटीक और संक्षिप्त तरीका है।

4. मेरा मानना है कि सभी यूनिवर्सिटीज को कम से कम राजनीति और पॉलिसी लागू करने से जुड़े कोर्स जरूर चलाने चाहिए।
5. मुझे लगता है कि आखिरकार, आपको बिजनेस में आने वाली रुकावटों को कम करना होगा और आदर्श रूप से उन्हें शून्य तक लाना होगा ताकि ज्यादा से ज्यादा एंटरप्रेन्योर ज्यादा से ज्यादा नौकरियां पैदा कर सकें और लोगों की डिस्पोजेबल इनकम (खर्च करने योग्य आय) बढ़ सके।
6. एंटरप्रेन्योरशिप असल में भविष्य के फायदे के लिए अभी की संतुष्टि को टालने के बारे में है।
7. मुझे लगता है कि भारत के बाहर भी और भारत में भी मौके मौजूद हैं। असल में ज्यादातर भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियां जो बड़े प्रोजेक्ट्स कर रही हैं, उनमें से कुछ भारत में ही हैं।
8. इंजीनियर और डॉक्टर होने के नाते, हम सभी की यह बड़ी जिम्मेदारी है कि हम दुख झेल रही मानवता के चेहरों पर मुस्कान लाएं।
9. कोई भी ऐसा तरीका जिससे उपभोक्ताओं को फायदा हो, जिससे अनाज की बर्बादी न हो या जिससे सबसे गरीब लोगों की मदद हो, वह एक स्वागत योग्य कदम है।
10. हालांकि, हमारे पास हेल्थकेयर की पर्याप्त सुविधाएं हैं, लेकिन अक्सर ये गरीब और जरूरतमंद लोगों तक नहीं पहुंच पाती हैं। ऐसे में टेक्नोलॉजी ही सबसे अच्छा समाधान है।

38000 की नौकरी छोड़ खोली चाय की दुकान

लोगों ने कहा- गलती कर रहे हो, आज हर महीने 1 लाख का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के दौर में जहां लोग एक सुरक्षित नौकरी की तलाश में रहते हैं, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपनी किस्मत खुद लिखने का हौसला रखते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अंकित पांडेय नाम के एक यूजर की पोस्ट जमकर वायरल हो रही है। इसमें उन्होंने बताया है कि उनके पड़ोसी ने 38000 रुपये महीने की नौकरी छोड़ एक सफल बिजनेस खड़ा कर दिया। इससे उन्हें सारे खर्चे निकालकर 1 लाख रुपये की कमाई हो रही है।

अंकित के मुताबिक, उनके पड़ोसी पहले टेलीपरफॉर्मेंस कंपनी में काम करते थे, जहां उन्हें हर महीने करीब 38,000 रुपये सैलरी मिलती थी। व्यस्त रूटीन की वजह से दोनों की आपस में ज्यादा बातचीत नहीं हो पाती थी। इसी साल मई के महीने में उनके पड़ोसी ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया। जब उन्होंने नौकरी छोड़ी, तो आसपास के लोगों और जानने वालों को लगा कि वह अपने पैर

पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं और बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं।

लोगों की परवाह न करते हुए, उन्होंने अपने फैसले पर भरोसा रखा। उन्होंने करीब 2 लाख रुपये का निवेश किया और एक ऑटो स्टैंड के पास बहुत ही खूबसूरत और वेल-डिजाइन चाय की दुकान खोल ली। दुकान को अच्छे से चलाने के लिए उन्होंने चाय बनाने और सर्व करने के लिए दो महिला कर्मचारियों को भी नौकरी पर रखा। वह नॉर्मल चाय का कप 10 रुपये में और प्रीमियम चाय का कम 20 रुपये में देते हैं। दुकान खुलते ही उनका यह आइडिया सुपरहिट हो गया। आज के समय में उनके स्टॉल पर हर दिन लगभग 400 कप चाय बिक जाती है। इससे उनकी रोज की कमाई करीब 6,000 रुपये हो जाती है, यानी महीने का टर्नओवर लगभग 1.8 लाख रुपये बैठता है।

स्वामीनॉमिक्सः तेल के झटकों का दौर खत्म, अमेरिका की टैरिफ धमकी से भारत को नहीं घबराना चाहिए, 50 साल का इतिहास देता है जवाब

नईदिल्ली, ऐंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही धीमी पड़ गई है। ब्रेंट क्रूड का दाम युद्धविराम के बाद 72.6 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 85 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया है। इसके साथ ही अमेरिका के 60 सीनेटरों ने एक ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत समेत पांच देशों पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है।

कुछ ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि युद्धविराम को लेकर बेफिक्र होना गलत था। उनका कहना है कि भू-राजनीतिक जोखिम अब बाजार पर हावी हो गए हैं और आर्थिक संकट गहरा सकता है। उनका सुझाव है कि देशों को तेल के स्रोतों में विविधता लानी चाहिए, विदेशों में तेल क्षेत्रों का अधिग्रहण करना चाहिए, घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

इतिहास कुछ और बताता हैः हालांकि इतिहास कुछ और कहानी बताता है। दुनिया इससे कहीं बड़े तेल संकट झेल चुकी है और मौजूदा स्थिति उसके मुकाबले बहुत छोटी है। हर तेल संकट की तुलना 1973-74 के अरब तेल प्रतिबंध से की जानी चाहिए। उस समय तेल की कीमत 2.7 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 10 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई थी। इससे दुनिया में

दोहरे अंक की महंगाई और मंदी आई थी।

उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने प्रोजेक्ट इंडिपेंडेंस शुरू किया। इस योजना के तहत सिंथेटिक ईंधन, शेल ऑयल, कोयला गैसीकरण, समुद्री तापीय ऊर्जा, पवन ऊर्जा और सौर ऊर्जा जैसी तकनीकों पर अरबों डॉलर खर्च किए गए ताकि अमेरिका को मध्य-पूर्व के तेल पर निर्भर न रहना पड़े। लेकिन यह योजना सफल नहीं हुई। 1980 में ईरान-इराक युद्ध के दौरान तेल 30 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के बाद भी कोई वैकल्पिक तकनीक बड़े पैमाने पर सफल नहीं हो सकी। इसके बावजूद अमेरिका ने बाजार की ताकतों के सहारे अपनी आर्थिक प्रगति जारी रखी।

भारत को लेना पड़ा कर्जः 1980 के ईरान-इराक युद्ध के दौरान तेल की कीमतें फिर बढ़ीं और भारत को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज लेना पड़ा। इसके बावजूद 1980 के दशक में भारत ने औसतन 5.3 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर्ज की, जो उस समय तक की सबसे तेज़ आर्थिक वृद्धि थी। 1990 में इराक द्वारा कुवैत पर हमला करने के बाद भी तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं, लेकिन यह बढ़ोतरी अस्थायी रही। इसके बाद 2003 से 2008 के बीच वैश्विक कमोडिटी बूम के दौरान तेल की कीमत 24 डॉलर से बढ़कर 144 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। इसके बावजूद दुनिया मंदी में नहीं गई। बल्कि चीन की अगुवाई में वैश्विक अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी और भारत ने भी कुछ वर्षों में 10 प्रतिशत तक की आर्थिक वृद्धि दर्ज की।

इस साल भी ब्रेंट क्रूड युद्ध से पहले 78.2 डॉलर प्रति बैरल था और अप्रैल के अंत में बढ़कर 126.4 डॉलर तक पहुंच गया। इसके बावजूद कीमतें दोगुनी नहीं हुईं। बाजार ने इस संघर्ष की तुलना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को ज्यादा महत्वपूर्ण माना।

भारत भी खुद को सुरक्षित समझता था

जापान भी 1974 के तेल संकट के बाद बेहद चिंतित था। उसके पास न तो अपने तेल क्षेत्र थे और न ही विदेशों में तेल संपत्तियां। उसने नए तेल स्रोत खोजने और वैकल्पिक ऊर्जा पर निवेश करने की कोशिश की, लेकिन इसमें खास सफलता नहीं मिली। फिर भी 1990 तक बैंकिंग संकट आने से पहले जापान दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा। भारत ने भी 1974 के बाद ईरान के रोस्तम और रक्ष तेल क्षेत्रों में हिस्सेदारी हासिल कर खुद को सुरक्षित समझा था। लेकिन जल्द ही ईरान ने इन तेल क्षेत्रों का राष्ट्रीयकरण कर दिया। ओपेक के कई अन्य देशों ने भी ऐसा ही किया। इससे विदेशों में तेल संपत्तियां खरीदने की रणनीति लगभग विफल साबित हुई।

बेसिक पे 68940 रुपये! 3.83 फिटमेंट फैक्टर, 8वें पे कमीशन से होगा बड़ा बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। जस्टिस रंजना देशाई की अध्यक्षता में 8वें पे कमीशन का गठन किया गया है। मौजदा समय में यह आयोग देश भर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर कर्मचारियों और पेंशनर्स संगठनों से बातचीत कर रहा है। स्टाफ साइड ने पे कमीशन से 3.83 फिटमेंट फैक्टर की डिमांड की है। अगर इस मांग को मान लिया गया तो कर्मचारियों का बेसिक पे 283 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। इससे मौजूदा 18000 रुपये का बेसिक पे 68940 रुपये पहुंच सकता है। बता दें, आयोग की तरफ से अबतक कोई भी ऐलान फिटमेंट फैक्टर या बेसिक पे को लेकर नहीं किया गया है। 8वां वित्त आयोग जो भी फैसला करेगा उसका सीधा असर 50 केंद्रीय कर्मचारियों और 70 लाख पेंशनर्स पर पड़ेगा। 8वें वित्त आयोग के सामने कर्मचारी संगठनों ने 69000 रुपये कम से कम बेसिक पे रखने की मांग की है। इसके साथ ही पुरानी पेंशन की व्यवस्था को भी बहाल करने की डिमांड की गई है। सगंठनों ने अधिक एचआरए की भी मांग की है। फिटमेंट फैक्टर ही वह फॉर्मूला है जिसके गुणांक में सैलरी में इजाफा होगा। 7वें पे कमीशन के दौरान फिटमेंट फैक्टर 2.57 था। अगर इस बार 3.83 फिटमेंट फैक्टर की मांग को मान लिया जाता है तो कर्मचारियों की सैलरी में मौजूदा बेसिक पे का इतने गुना ही इजाफा होगा। बता दें, 7वें वित्त आयोग के दौरान कम से कम बेसिक पे 7000 रुपये से बढ़कर 18000 रुपये हो गया था। 8वां पे कमीशन देश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार मीटिंग कर रहा है। आयोग दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लखनऊ में मीटिंग कर चुका है। आयोग कर्मचारी संगठनों और पेंशनर्स से बातचीत कर रहा है।

लंदन में एकसाथ खिलखिलाते दिखे रोहित-विराट और गंभीर

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर मौजूद भारतीय टीम ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग का दौरा किया। इस दौरान खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ का ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त कुमारन पेरियासामी और वहां मौजूद भारतीय प्रवासी समुदाय ने गर्मजोशी से स्वागत किया। यह मुलाकात खिलाड़ियों और सभी उपस्थित लोगों के लिए यादगार रही।

टीम इंडिया के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ का ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त कुमारन पेरियासामी ने भारतीय उच्चायोग में स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मौजूद भारतीय प्रवासी भी खिलाड़ियों से मिले और उनका उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम के दौरान बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी मौजूद लोगों को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के सुनहरे दौर और कई यादगार टीमों से जुड़ी पुरानी यादों को साझा किया।

रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर अटकलों के बीच लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग से सामने आई यह तस्वीर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। तस्वीर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और मुख्य कोच गौतम गंभीर एक साथ ठहाके लगाते और हल्के-फुल्के अंदाज में नजर आ रहे हैं। मैदान के बाहर दिखी यह सहज मुस्कान ऐसे समय सामने आई है, जब रोहित के भविष्य और टीम में उनकी भूमिका को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं।इससे पहले, लॉर्ड्स में अभ्यास सत्र से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ बालकनी में मौजूद थे। इसी दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कुछ मजाकिया इशारे किए, जिन्हें देखकर रोहित शर्मा अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उनके साथ मौजूद सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी ठहाके लगाते नजर आए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं।

दूसरे वनडे के दौरान सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें सामने आई थीं कि लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे हो सकता है। हालांकि, इन अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने विराम लगा दिया। सैकिया ने स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक चयनकर्ताओं की योजनाओं में रोहित शामिल हैं, तब तक वह भारतीय टीम के लिए खेलते रहेंगे।

30 की हुई स्मृति

बल्ले से लिख रही हैं भारतीय महिला क्रिकेट की नई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आज 30 साल की हो गई हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार रिकॉर्ड और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। आज महिला टीम के मुकाबलों में स्टेडियम दर्शकों से भरने लगे हैं और टीवी व डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी संख्या में लोग मैच देखते हैं। इस बदलाव के पीछे जिन खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान माना जाता है, उनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम सबसे आगे आता है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार तकनीक और निरंतर प्रदर्शन के दम पर स्मृति मंधाना ने न केवल भारतीय टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं, बल्कि महिला क्रिकेट को नई पहचान भी दिलाई है। लोकप्रियता के मामले में वह देश के कई पुरुष क्रिकेटरों को भी कड़ी टक्कर देती हैं। मैदान पर अक्सर फैंस के बीच 'मंधाना... मंधाना...' के नारे उनकी बढ़ती लोकप्रियता की गवाही देते हैं।

बचपन से ही क्रिकेट से जुड़ाव

स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही क्रिकेट से जुड़ा रहा है। उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेट खेल चुके हैं। इसी माहौल ने स्मृति को भी क्रिकेट की ओर प्रेरित किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनके पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज बेहद पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना शुरू किया। महज नौ साल की उम्र में उन्हें महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम में जगह मिल गई थी, जबकि 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम का हिस्सा बन गई।घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद स्मृति मंधाना ने 5 अप्रैल 2013 को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 मुकाबले से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और जल्द ही भारतीय महिला टीम की सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल हो गईं।

केर ने माइल दौड़ का 27 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

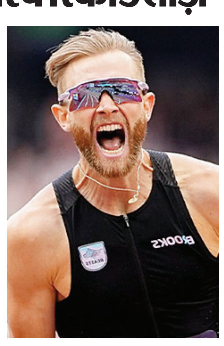

लंदन। ब्रिटेन के स्टार धावक जोश केर ने शनिवार को लंदन डायमंड लीग में पुरुषों की माइल (एक मील) दौड़ का 27 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया। केर ने 3 मिनट 42.66 सेकेंड का समय निकालते हुए मोरक्को के महान धावक हिचाम एल गुएरूज का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले माइल दौड़ का विश्व रिकॉर्ड हिचाम एल गुएरूज के नाम था। उन्होंने 1999 में रोम में 3 मिनट 43.13 सेकेंड का समय दर्ज किया था। यह रिकॉर्ड पिछले 27 वर्षों से अटूट बना हुआ था, जिसे अब जोश केर ने तोड़ दिया। केर ने न केवल विश्व रिकॉर्ड बनाया, बल्कि रेस में भी पूरी तरह दबदबा कायम रखा। उन्होंने दूसरे स्थान पर रहे अमेरिका के यारेड नुगुसे को तीन सेकेंड से अधिक के अंतर से पीछे छोड़ा।

फीफा फुटबाल वर्ल्डकप-2026

ओलीसे ने पेले का 56 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, बेलिंगहम ने की माराडोना की बराबरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले में भले ही फ्रांस को इंग्लैंड के हाथों 6-4 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इस मैच में दो ऐसे रिकॉर्ड बने, जिन्होंने फुटबॉल इतिहास में नई इबारत लिख दी। फ्रांस के विंगर माइकल ओलीसे ने 1970 से कायम पेले के सबसे ज्यादा असिस्ट के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जबकि कप्तान किलियन एम्बाप्पे विश्व कप इतिहास के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। हालांकि, ये दोनों उपलब्धियां फ्रांस को जीत नहीं दिला सकीं और टीम चौथे स्थान पर रही। वहीं, इंग्लैंड के जूड बेलिंगहम ने भी अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर माराडोना की बराबरी की है।

बायर्न म्यूनिख के स्टार विंगर माइकल ओलीसे ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में एम्बाप्पे के दोनों गोल में असिस्ट किया। इसके साथ ही उनके नाम इस विश्व कप में कुल सात असिस्ट हो गए। इससे पहले एक विश्व कप के एक संस्करण में सबसे ज्यादा छह असिस्ट का रिकॉर्ड ब्राजील के महान खिलाड़ी पेले के नाम था, जिन्होंने 1970 विश्व कप में यह उपलब्धि हासिल की थी। यह रिकॉर्ड 56 वर्षों तक कायम रहा। ओलीसे ने टूर्नामेंट की शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने सेनेगल के खिलाफ पहले मैच में एक, इराक और स्वीडन के खिलाफ दो-दो तथा इंग्लैंड के खिलाफ दो असिस्ट देकर नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया। हालांकि एक संस्करण में सबसे ज्यादा असिस्ट का रिकॉर्ड अब ओलीसे के नाम हो गया है, लेकिन विश्व कप इतिहास में कुल असिस्ट के मामले में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी अब भी शीर्ष पर हैं।

रिकॉर्डों के बीच इंग्लैंड ने जीता कांस्य पदक

मैच आधुनिक विश्व कप इतिहास का सबसे ज्यादा गोल वाला तीसरे स्थान का मुकाबला बन गया। इंग्लैंड ने पहले हाफ में 4-0 की बढ़त बना ली थी। डेक्लन राइस ने तीसरे मिनट में खाता खोला, इसके बाद एजरी कोंसा ने बढ़त दोगुनी की। बुकायो साका ने दो और गोल दागकर हाफ टाइम तक स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे हाफ में फ्रांस ने शानदार वापसी की। एम्बाप्पे ने दो और ब्रैडली बारकोला ने एक गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया। हालांकि, 87वें मिनट में साका ने पेनाल्टी पर हैट्रिक पूरी कर इंग्लैंड को राहत दिलाई। इंजरी टाइम में उस्मान डेम्बेले ने एक गोल जरूर किया, लेकिन 90+8वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने गोल कर इंग्लैंड की 6-4 की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। इस हार के साथ फ्रांस के मुख्य कोच डिडिएर डेशां का 14 वर्षों का कार्यकाल भी समाप्त हो गया। दूसरी ओर, इंग्लैंड ने 1966 के बाद विदेशी धरती पर विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

एमबाप्पे बने विश्व कप के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

इंग्लैंड के खिलाफ दो गोल दागकर किलियन एम्बाप्पे ने भी इतिहास रच दिया। उनके विश्व कप करियर में अब 22 गोल हो गए हैं और उन्होंने अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी (21) को पीछे छोड़ दिया।इंग्लैंड के जूड बेलिंगहम ने मैच के अंतिम क्षणों में गोल दागा और विश्व कप में किसी मिडफील्डर द्वारा सबसे ज्यादा गोल करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

सात साल का इंतजार खत्म! सिंधू ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने आखिरकार अपने लंबे खिताबी इंतजार को खत्म करते हुए जापान ओपन 2026 का महिला एकल खिताब जीत लिया। टोक्यो में खेले गए बीडब्ल्यूएफ सुपर-750 टूर्नामेंट के फाइनल में सिंधु ने मेजबान जापान की विश्व नंबर-तीन अकाने यामागुची को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से हराकर इतिहास रच दिया। करीब 50 मिनट तक चले मुकाबले में सिंधू ने शुरुआत से अंत तक आक्रामक खेल दिखाया और यामागुची को वापसी का मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ वह जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई।

सात साल बाद जीता सुपर-750 स्तर का खिताब

सिंधू के लिए यह जीत कई मायनों में खास रही। उन्होंने दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद पहली बार कोई बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब अपने नाम किया। वहीं, अगर सुपर-750 या उससे बड़े स्तर के टूर्नामेंट की बात करें तो सिंधू ने करीब सात साल बाद कोई बड़ा खिताब जीता है। उनका पिछला बड़ा खिताब 2019 विश्व चैंपियनशिप था, जिसमें उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

17-17 के बाद लगातार चार अंक

फाइनल का पहला गेम काफी रोमांचक रहा। एक समय स्कोर 17-17 से बराबर था, लेकिन इसके बाद सिंधु ने शानदार आक्रामक खेल दिखाते हुए लगातार चार अंक जीते और गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक क्षणों में उन्होंने यामागुची को कोई मौका नहीं दिया।

नहीं दिया वापसी का मौका

दूसरे गेम में सिंधू ने शुरुआत से बढ़त बना ली। उन्होंने 8-3, फिर 14-7 और बाद में 16-12 की बढ़त हासिल कर मुकाबले पर पूरी पकड़ बनाए रखी। उनकी तेज रफ्तार, सटीक स्मैश और डिफेंस से अटैक में शानदार बदलाव के सामने यामागुची लगातार संघर्ष करती नजर आईं। आखिर में सिंधू ने दूसरा गेम भी 21-17 से जीतकर सीधे गेमों में मुकाबला समाप्त कर दिया।

पूरे टूर्नामेंट में दिखी पुरानी सिंधू

इस पूरे टूर्नामेंट में सिंधू ने शानदार लय दिखाई। उन्होंने सभी मुकाबले सीधे गेमों में जीते और विश्व की शीर्ष खिलाड़ियों को हराते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल में भी उन्होंने अपनी पुरानी रणनीति और धैर्य के साथ खेलते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

यामागुची पर बढ़ाई बढ़त

सिंधू और अकाने यामागुची के बीच यह 30वीं भिड़ंत थी। इस जीत के बाद भारतीय स्टार ने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। दोनों खिलाड़ियों के बीच पिछले कुछ वर्षों में कई यादगार मुकाबले हुए हैं, लेकिन इस बार सिंधू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापानी स्टार को उनके घरेलू दर्शकों के सामने मात दी।

चैम्पियन बनने के बाद कर दी आलोचकों की बोलती बंद

पीवी सिंधु ने आंसुओं के साथ बयां किया 19 महीने का दर्द!

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व वर्ल्ड चैम्पियन पीवी सिंधु का जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीतना बेहद खास है। इस दमदार जीत के बाद उनकी आंखें नम हो गईं। इस टूर्नामेंट से पहले पीवी सिंधु को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। जिस पर अब उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। टोक्यो में खेले गए खिताबी मुकाबले में सिंधु ने दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची को सीधे गेमों में घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। इस धमाकेदार जीत के साथ ही सिंधु ने अपने करियर का पहला सुपर 750 खिताब जीतकर एक बार फिर शान से भारत का तिरंगा लहराया है।

जापान ओपन के फाइनल में पीवी सिंधु ने घरेलू स्टार अकाने यामागूची को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से शिकस्त दी। जैसे ही यामागूची का आखिरी शॉट कोर्ट से बाहर गिरा, सिंधु कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं। इसके साथ ही वहीं चेहरे को हाथों से ढककर फूट-फूटकर रोने लगीं। पीवी सिंधु की आंखों से निकलने वाले आंसू यह बताने के लिए काफी है कि यह जीत उनके लिए कितना मायने रखता है।

लोग पूछ रहे थे-सब खत्म हो गया

जीत के बाद पीवी सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ से बात करते हुए कहा कि मेरी आंखों में आंसू थे क्योंकि यह जीत मेरे लिए बेहद जरूरी थी। मैं खुद पर बहुत कड़ी मेहनत कर रही थी। बहुत से लोग पूछ रहे थे- क्या हो रहा है? क्या करियर खत्म हो गया? लेकिन मुझे खुद पर अपने परिवार और कोचों पर पूरा भरोसा था। इस जीत का श्रेय उन्होंने अपने कोच, माता-पिता और पति को दिया।

2019 के बाद हुआ ये करिश्मा

लंबे समय से पीवी सिंधु की झोली में कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं आई थी। साल 2019 के बाद पहली बार उन्होंने कोई सुपर 750 स्तर का टूर्नामेंट जीता है। उन्होंने कहा कि फाइनल खेलना एक बात है, लेकिन पोडियम पर खड़े होकर गोल्ड जीतना बिल्कुल अलग अहसास है। इससे मेरा आत्मविश्वास सातवें आसमान पर पहुंच गया है। इस जीत के साथ ही सिंधु अब दुनिया की नंबर 7 खिलाड़ी बनने के बेहद करीब पहुंच गई हैं। अगले महीने दिल्ली में वर्ल्ड चैम्पियनशिप होनी है। ऐसे में सिंधु अपनी इस फॉर्म को आगे भी बरकरार रखना चाहेगी।

बच्चों को किस दिशा में सुलाना चाहिए? वास्तु का यह नियम बढ़ाएगा एकाग्रता, करियर में मिलेगी सफलता

वास्तु शास्त्र में सोने की दिशा का बहुत महत्व माना जाता है। खासकर बच्चों के लिए सही दिशा में सुलाना उनके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए बेहद जरूरी है। अगर बच्चा गलत दिशा में सिर करके सोता है, तो उसकी पढ़ाई, व्यवहार और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

सोने की सही दिशा

बच्चों को सही दिशा में सुलाने से का मन शांत रहता है, एकाग्रता बढ़ती है और करियर में अच्छी सफलता मिलती है। वास्तु शास्त्र कहता है कि सोते समय सिर की दिशा सही होनी चाहिए। गलत दिशा में सोने से पृथ्वी की चुंबकीय ऊर्जा और शरीर की ऊर्जा में टकराव होता है। इससे बच्चे का मन अशांत रहता है और नींद पूरी नहीं होती। आइए वास्तु के अनुसार जानते हैं कि बच्चों को किस दिशा में सिर करके सोना फायदेमंद होता है।

बच्चों के लिए पूर्व दिशा सबसे शुभ

बच्चों को पूर्व दिशा में सिर करके सुलाना सबसे अच्छा माना जाता है। पूर्व दिशा सूर्योदय की दिशा है, जो नई ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है। इस दिशा में सोने से बच्चे की बुद्धि तेज होती है, सीखने की क्षमता बढ़ती है और एकाग्रता अच्छी रहती है। सुबह सूर्य की पहली किरणें बच्चे को ऊर्जा देती हैं। इससे उनका दिन तरोताजा शुरू होता है।

दक्षिण दिशा भी देती है लाभ

दक्षिण दिशा में सिर करके सोना बच्चों के लिए दूसरा अच्छा विकल्प है। इस दिशा में सोने से तनाव कम होता है, नींद गहरी आती है और स्वास्थ्य अच्छा रहता है। वास्तु के अनुसार, दक्षिण दिशा सुख-समृद्धि का प्रतीक है। इससे बच्चे का स्वभाव शांत रहता है और मानसिक थकान जल्दी दूर होती है। अगर पूर्व दिशा में जगह नहीं है, तो दक्षिण दिशा चुन सकते हैं।

उत्तर दिशा सबसे हानिकारक

उत्तर दिशा में सिर करके सोना बच्चों के लिए सबसे अशुभ माना गया है। वास्तु शास्त्र में इसे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया गया है। इस दिशा में सोने से बच्चे चिड़चिड़े, बेचैन और कमजोर महसूस करते हैं। उनकी एकाग्रता कम होती है और पढ़ाई में मन नहीं लगता है। लंबे समय तक उत्तर दिशा में सोने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं।

अन्य दिशाओं में सोने का प्रभाव

पश्चिम दिशा में सिर करके सोना औसत माना जाता है। इससे आराम तो मिलता है, लेकिन एकाग्रता और सफलता पर ज्यादा असर नहीं पड़ता है। ईशान या आग्नेय कोण में सोना भी बच्चों के लिए ठीक नहीं होता है। इन दिशाओं में सोने से बच्चे की ऊर्जा बिखर सकती है। हमेशा पूर्व या दक्षिण दिशा को प्राथमिकता दें।

बच्चों के कमरे का वास्तु

बच्चों का कमरा साफ, हल्का और हवादार होना चाहिए। बिस्तर को दीवार से सटाकर रखें, लेकिन सिर की दिशा सही हो। कमरे में ज्यादा भारी फर्नीचर ना रखें। रोशनी और हवा का अच्छा प्रवाह रखें। सोने से पहले कमरे में अगरबत्ती या कपूर जलाकर वातावरण शुद्ध करें। इससे बच्चे को अच्छी नींद आएगी और सुबह तरोताजा उठेंगे।

सही दिशा से मिलने वाले फायदे

सही दिशा में सोने से बच्चे की पढ़ाई बेहतर होती है, स्मरण शक्ति बढ़ती है और स्वभाव शांत रहता है। करियर में सफलता आसान होती है। स्वास्थ्य अच्छा रहता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। वास्तु नियमों का पालन करने से बच्चे का भविष्य उज्ज्वल बनता है।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर बच्चा पहले से गलत दिशा में सो रहा है, तो धीरे-धीरे सही दिशा में बदलें। वास्तु विशेषज्ञ की सलाह लेकर कमरे की व्यवस्था करें। सही दिशा में सोना सिर्फ स्वास्थ्य नहीं, बल्कि बच्चे के पूरे भविष्य को बेहतर बनाने का तरीका है। डिस्क्लेमरः इस आलेख में दी गई जानकारियों के पूर्णतया सत्य एवं सटीक होने का हम दावा नहीं करते हैं। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

घर की छत पर मनी प्लांट लगाना चाहिए या नहीं? जानें नुकसान और सही नियम

लोग डेकॉर के लिए मनी प्लांट को घर की छत पर भी लगा लेते हैं लेकिन क्या वास्तुशास्त्र के हिसाब से ये तरीका सही है? जानें क्या घर की छत पर मनी प्लांट लगाना सही होता है या गलत? इसी के साथ जानिए मनी प्लांट से जुड़े वास्तु के नियमों के बारे में।

घर की छत पर मनी प्लांट लगाना चाहिए या नहीं?

मनी प्लांट ना सिर्फ घर की शोभा बढ़ाता है बल्कि वास्तुशास्त्र के अनुसार इसके कई फायदे भी होते हैं। हालांकि इसके लिए इसे सही जगह पर लगाना काफी मायने रखता है। डेकॉर के लिए लोग इसे घर की छतों पर भी लगा लेते हैं लेकिन क्या ऐसा करना सही है? वास्तु के अनुसार इसे खुली छत पर लगाने से बचना चाहिए। जानिए मनी प्लांट से जुड़े कुछ नियम।

धूप से खराब होंगे पत्ते

खुली छत पर तेज धूप और गर्म हवा की वजह से मनी प्लांट के पत्ते आसानी से सूख सकते हैं। वास्तु मान्यता के अनुसार सूखता हुआ मनी प्लांट आर्थिक परेशानियां ला सकता है। ऐसे में घर में कभी भी बरकत नहीं आएगी।

मनी प्लांट लगाने की सही दिशा

वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को सही दिशा में लगाने से ये घर में अच्छी एनर्जी ले आता है। नियम के हिसाब से इस प्लांट को हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर लगाना ही बेहतर होता है। वास्तु की दुनिया में इस दिशा को सुख-समृद्धि से जुड़ा बताया जाता है। ऐसे ये दिशा मनी प्लांट के लिए बेहतर होती है।

ऊपर की ओर बढ़नी चाहिए मनी प्लांट की बेल

मनी प्लांट को लेकर एक वास्तु नियम ये भी है कि इसकी बेल जमीन पर नहीं आनी चाहिए। जब ये ऊपर की ओर बढ़ता है तो इसे शुभ मानते हैं। इसी लिए इसे स्टैंड वगैरह का सहारा देना सही होता है। छत पर लगाने से ये रेलिंग को पकड़ते हुए नीचे की ओर बढ़ने लगेगा।

लोगों की नजर से रखें मनी प्लांट को दूर

वास्तु मान्यता है कि मनी प्लांट पर बाहरी लोगों की नजर बार-बार नहीं पड़नी चाहिए। इसे ऐसी जगह लगाएं जहां ये सुरक्षित रहे। इससे घर में पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है और बरकत भी खूब होती है।

घर में इस जगह लगा सकते हैं मनी प्लांट

मनी प्लांट को आप घर के अंदर, बालकनी या फिर किसी ऐसी जगह लगा सकते हैं जहां पर इसे अच्छी हल्की रोशनी मिलती रहे। इसे साफ मिट्टी के गमले में ही लगाएं।

ऐसे करें मनी प्लांट की देखभाल

अगर आपके मनी प्लांट के पत्ते सूखे या फिर पीले पड़ गए हैं तो उसे तुरंत ही हटा दें। समय-समय पर इसे पानी देते रहें। इसे साफ रखें और कोशिश करें कि इसकी बेल हमेशा ऊपर की ओर ही बढ़ती रहें।

क्या कहते आपके सितारे

मेष पूर्व दिनों की अपेक्षा दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। मीडिया से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विवाह आदि मांगलिक कर्म में आ रही बाधा दूर हो सकती है। व्यवसाय में बड़ा फेरबदल कर सकते हैं। छोटे भाई-बहनों की मदद करनी पड़ेगी।

वृषभ आज पूरा दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। प्रत्येक समस्या का समाधान कुशलता से कर लेंगे। नकारात्मक विचारों को स्वयं पर हावी न होने दें। किसी की सहायता करने से आपको मदद मिलेगी। पहले दिया गया उधार आपको वापस मिल सकता है। उच्च शिक्षा में सफलता प्राप्त होने के आसार हैं।

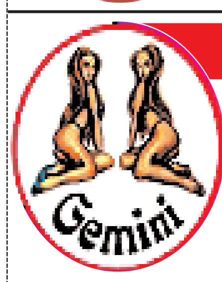

मिथुन कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहने वाला है। नयी तकनीक का प्रयोग आप सीख सकते हैं। ज़िम्मेदारी के साथ सभी काम करेंगे जिसका सुखद परिणाम आपको प्राप्त होगा। फोन के माध्यम से आपको शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं।

कर्क आज अत्यधिक काम के कारण आपको आराम नहीं मिलेगा जिसके कारण थकान महसूस हो सकती है। जल्दबाज़ी में कोई बड़ा निर्णय न लें। मित्रों के स्वभाव में आया अचानक बदलाव आपको दुखी कर सकता है। अपनी गुप्त बातें किसी से शेयर न करें। भारी सामान उठाने से बचें।

सिंह आपकी व्यावसायिक योजना सफल होगी। आपकी मनोकामना पूर्ण हो सकती है। सम्पत्ति के मामले आज हल होने की सम्भावना है। रिश्तेदारों से साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। लोग आपकी बातों से प्रभावित रहेंगे। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा।

कन्या आज आप कुछ नया सीखने को लेकर उत्सुक रहेंगे। सामाजिक यश और सम्मान प्राप्त होगा। किसी मित्र से बहस हो सकती है। आपको मेहनत का उचित परिणाम आज शायद ही मिलें। इसीलिये आपको धैर्यवान होकर ही सारे काम करने चाहिये।

तुला आज धन लाभ के बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। परिवार के सभी सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे। सन्तान की सफलता से उत्साहित हो सकते हैं। व्यापार में महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। बच्चों की सफलता से गौरवान्वित महसूस करेंगे।

वृश्चिक आपके कुछ काम बिगड़ सकते हैं। प्रेम सम्बन्धों में ज्यादा भावुक नहीं होना चाहिये। कानूनी मामलों को लेकर थोड़े सावधान रहें। गलत प्रवृत्ति के लोगों के साथ सम्पर्क न रखें। पेट में कुछ विकार उत्पन्न हो सकते हैं। अभिनय और संगीत आदि में रुचि लेंगे।

धनु सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे। विरोधियों के ऊपर भारी पड़ेंगे। नयी जॉब की तलाश कर रहे हैं तो सफलता मिलेगी। शेयर मार्केट से धन लाभ प्राप्त होगा। लघु उद्योगों में आपको सफलता मिलेगी। तीर्थ यात्रा की योजना बना सकते हैं।

मकर आपकी सूझबूझ की सर्वत्र प्रशन्सा होगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। व्यापार में आपको शानदार परिणाम मिलेंगे। बच्चों के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें। आपकी सलाह से लोगों को लाभ प्राप्त होगा। रुका हुआ धन आपको वापस मिलेगा।

कुंभ कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बेहतरीन होगा। आपको मेहनत के दम पर उत्तम सफलता मिलने की सम्भावना है। परिजनों के साथ बहस हो सकती है। क्रोध और गुस्से के कारण आपको परेशानी होगी। अपने विचारों को दूसरों पर न लादें। अपने मन पसन्द कार्यों को समय अवश्य दें।

मीन वैवाहिक सम्बन्धों में मधुरता रहेगी। विद्यार्थी नयी जानकारियों को सीखने का प्रयास करेंगे। ज्यादा मेहनत करने के कारण शरीर में थकावट हो सकती है। आज आपके पास काम की अधिकता रहेगी। अधिकारियों का विरोध झेलना पड़ सकता है। मित्रों की मदद से आपकी कोई योजना सफल होगी।

मानसून सत्र से पहले सियासी उलटफेर

उद्धव के छह सांसदों का शिवसेना में विलय को मंजूरी, टीएमसी के 20 बागी सांसद बैठेंगे अलग

मुंबई, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के शिवसेना (शिंदे) में विलय को मंजूरी दे दी है। साथ ही शिवसेना की ताकत 13 सांसदों की हो गई है। लोकसभा अध्यक्ष ने तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी आफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल होने वाले 20 सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था को भी मंजूरी दे दी है।

अपनी पार्टी से अलग बैठेंगे टीएमसी से बागी सांसदः तृणमूल से बगावत करने वाले 20 सांसद अपनी मूल पार्टी से अलग बैठेंगे। बागी तृणमूल सांसदों की एनसीपीआई के हिस्से के तौर पर मान्यता दिए जाने की मांग पर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। यह मामला अभी विचाराधीन है। तृणमूल और शिवसेना (यूबीटी) ने विद्रोही सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग की थी। विद्रोही तृणमूल सांसदों के रविवार को होने वाली सर्वदलीय बैठक में शामिल होने की भी संभावना है। लोकसभा अध्यक्ष ने इससे पहले तृणमूल के नेता अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल और पार्टी के अलग हुए गुट से मुलाकात की थी।

उद्धव गुट के शिवसेना का कैसा हाल?

शिवसेना (यूबीटी) के मामले में भी ऐसी ही प्रक्रिया अपनाई गई थी। सूत्रों के मुताबिक, संसद के कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञों से सलाह-मशविरा किया गया और उन्होंने स्पीकर को निर्णय लेने के लिए अपनी राय दी।

सूत्रों ने बताया कि फैसले लेने से पहले इसी तरह की स्थितियों में लोकसभा के पूर्व अध्यक्षों और राज्यसभा के पूर्व सभापतियों द्वारा लिए गए निर्णयों का भी अध्ययन किया गया। साथ ही संवैधानिक और कानूनी पहलुओं पर भी गौर किया गया।

कांग्रेस द्वारा द्रमुक के साथ दशकों पुराना गठबंधन तोड़कर मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की टीवीके से हाथ मिलाने के बाद द्रविड़ पार्टी ने भी अपने पूर्व सहयोगी से अलग बैठने की व्यवस्था करने की मांग की है। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा इस मांग को भी स्वीकार किए जाने की संभावना है।

उद्धव ने नागपुर के राममंदिर में किया राम रक्षा स्तोत्र का पाठ

दूसरी ओर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के गृह क्षेत्र और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गढ़ नागपुर के राम नगर स्थित ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर पहुंचकर शनिवार को उद्धव ठाकरे ने राम रक्षा स्तोत्र और हनुमान चालीसा का पाठ किया।

पूजा-अर्चना और महाआरती के बाद मंदिर परिसर के बाहर जनसभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने भाजपा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और संघ प्रमुख मोहन भागवत पर तीखा हमला बोला।

ठाकरे ने अपने संबोधन में भाजपा के हिंदुत्व पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर निर्माण से जुड़े कथित घोटालों और चंदे की हेराफेरी के आरोपों का जिक्र करते हुए भाजपा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि शिवसेना ने राज्य में 'रामरक्षा' (राम की सुरक्षा) मुहिम इसलिए शुरू की है ताकि हिंदुओं को अंधभक्ति से जगाया जा सके। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आज प्रभु श्रीराम के नाम पर राजनीति करने वाले खुद को हिंदुत्व का ठेकेदार समझते हैं, लेकिन असल में वे केवल सत्ता के भूखे हैं। संजय राउत ने इस कार्यक्रम के लिए आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी विशेष निमंत्रण भेजा था।

डिप्रेशन से जूझ रही महिला नग्न होकर पहुंच गई मंदिर, तालाब में कूदकर दी जान

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां मियापुर इलाके में मानसिक रूप से परेशान 25 वर्षीय पूर्व महिला तकनीशियन ने शनिवार को एक मंदिर के तालाब में कूदकर अपनी जान दे दी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि पीड़िता (मृतक महिला) और उसकी मां दोनों गंभीर मानसिक तनाव व भय से पीड़ित थीं। पीड़िता के माता-पिता के बीच वैवाहिक विवादों के कारण, पिता विशाखापत्तनम में रहते हैं। वहीं पीड़िता और उसकी मां हैदराबाद के पीरजादिगुडा में रह रही थी।

क्या है पूरा मामला?: 17 जुलाई को वह और उसकी मां शहर के मियापुर में एक डबल बेडरूम अपार्टमेंट खरीदने के इरादे से देखने गए थे। घर लौटने के बाद वे अलग-अलग कमरों में सोए। बाद में मृत महिला ने अपनी मां के कमरे को बंद कर दिया और नग्न अवस्था में पास के ही एक मंदिर पहुंच गई और वहां स्थित तालाब में कूदकर जान दे दी।

पुलिस ने तालाब से निकाला शवः पुलिस को शनिवार सुबह घटना की सूचना मिली, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तालाब से शव बरामद किया। पोस्टमार्टम के बाद शव महिला की मां को सौंप दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला के पिता को घटना की जानकारी दे दी गई है। मामले की जांच जारी है। हेल्पलाइन यदि आप भी किसी तरह की मानसिक परेशानी से जूझ रहे हैं या फिर ऐसी समस्या झेल रहे किसी शख्स को आप जानते हैं तो नीचे दी गई जानकारी मददगार साबित हो सकती है। सरकार की हेल्पलाइन के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से संपर्क किया जा सकता है।

हिमाचल में एमआईएस के तहत सेब बिक्री के लिए पोर्टल पर पंजीकरण जरूरी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश ने सरकार मंडी मध्यस्थता योजना (एमआइएस) के तहत बड़ा बदलाव किया है। सेब खरीद की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने बागबानों का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। पंजीकरण की प्रक्रिया सोमवार से शुरू कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने बीते रोज इसके लिए एप लांच की थी। बागवान स्वयं भी इस एप के माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं।

इसके अलावा लोक मित्र केंद्र, बागबानी विभाग के कार्यालय व पंचायत सचिव के पास यह पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण के लिए जमीन दस्तावेज दिखाना अनिवार्य होगा। एमआइएस के तहत बीते साल पेश आई कथित गड़बड़ियों के बाद पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सरकार ने यह निर्णय लिया है। जिस बागवान का पंजीकरण होगा, सेब खरीद उसी से की जाएगी। इसके लिए नियम फाइनल कर दिए हैं। 20 जुलाई को होने वाली कैबिनेट मीटिंग में अंतिम फैसला होगा। राज्य सरकार का सेब खरीद के लिए यह दूसरा बड़ा बदलाव है। दो साल पूर्व राज्य सरकार ने सेब खरीद के लिए यूनिवर्सल कार्टन की व्यवस्था को लागू किया था। उस वक्त भी काफी ज्यादा विरोध हुआ था। सरकार ने यूनिवर्सल कार्टन लागू किया जिससे बागबानों को फायदा मिल रहा है। नई व्यवस्था को लागू करने का मकसद भी योजना में पारदर्शिता लाना है। बागबानों को भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा। एचपीएमसी एमआइएस के तहत बागबानों से निम्न गुणवत्ता (सी-ग्रेड) का सेब खरीदता है। सी ग्रेड सेब को ओपन मार्केट में खरीददार नहीं मिल पाते। अभी तक सरकार पंचायत स्तर पर तीन से चार कलेक्शन सेंटर बनाती थी बागबान वहां पर अपने सेब को बेच सकते थे।

इस बार सरकार ने निर्णय लिया है कि कलेक्शन सेंटरों की संख्या सीमित की जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर 20 जुलाई को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट, एसआइटी सौंपेगी स्टेटस रिपोर्ट

अयोध्या, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी की निष्पक्ष और तय समय-सीमा के भीतर जांच की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर 20 जुलाई को सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत की सूची के अनुसार, इस मामले से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाओं पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ सुनवाई करेगी। 13 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने इन याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए सहमति व्यक्त की थी। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी को निर्देश दिया था कि वह उसके समक्ष स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। अदालत ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी कर इस मामले में उसका जवाब मांगा था। बता दें कि मामले में मुख्य पक्षकारों में से एक रहे निर्मोही अखाड़ा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अखाड़े ने केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की मांग की है कि राम मंदिर का कामकाज संभालने वाले 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' का पुनर्गठन करके इसे पूरी तरह से एक 'पब्लिक ट्रस्ट' बनाया जाए।

हार्ट अटैक को लेकर हुआ बड़ा खुलासा, इन लोगों के दिल तक पहुंच रहा है ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक

रोम, एजेंसी। सूक्ष्म प्लास्टिक कण (माइक्रोप्लास्टिक) आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है। ये समुद्रों, पीने के पानी, समुद्री भोजन और हमारी सांसों की हवा में तो पहले ही मिल चुके हैं। अब ये मानव शरीर के लगभग हर हिस्से-प्लेसेंटा (गर्भनाल) से लेकर मस्तिष्क तक में भी पाए जा रहे हैं।

इटली के शोधकर्ताओं द्वारा यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन ने इस सूची में एक और अंग जोड़ दिया है–हृदय को रक्त पहुंचाने वाली कोरोनरी धमनियां। हालांकि कोरोनरी रक्त में सूक्ष्म प्लास्टिक कण का मिलना चिंता का विषय है, लेकिन अध्ययन का सबसे दिलचस्प निष्कर्ष प्लास्टिक नहीं, बल्कि यह है कि ये वहां तक पहुंच कैसे रहे हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि धूम्रपान करने वाले लोगों में, धूम्रपान न करने वालों की तुलना में हृदय को रक्त पहुंचाने वाली धमनियों में सूक्ष्म प्लास्टिक और अति सूक्ष्म प्लास्टिक कण पाए जाने की आशंका छह गुना अधिक थी। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह रही कि जो लोग धूम्रपान करते थे और साथ ही अत्याधिक प्रदूषित माहौल में रहे, उनमें से हर व्यक्ति के रक्त में प्लास्टिक के कण पाए गए। इसके विपरीत, जो लोग न तो धूम्रपान करते थे और न ही अधिक प्रदूषित माहौल में रहते थे, उनमें केवल 12.5 प्रतिशत लोगों के रक्त में ऐसे कण मिले। अपेक्षाकृत छोटे अध्ययन में भी यह अंतर बेहद उल्लेखनीय है। ये निष्कर्ष केवल धूम्रपान के एक और दुष्प्रभाव की पुष्टि नहीं करते, बल्कि एक नए निष्कर्ष भी सामने रखते हैं कि सिगरेट शायद सूक्ष्म प्लास्टिक कणों को शरीर के भीतर पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम भी हो सकती है। दशकों से वैज्ञानिक जानते हैं कि धूम्रपान हृदय और रक्त वाहिकाओं को कैसे नुकसान पहुंचाता है। तंबाकू के धुएं में हजारों ऐसे रसायन होते हैं, जो शरीर में सूजन बढ़ाते हैं, रक्त वाहिकाओं को क्षति पहुंचाते हैं, रक्त के थक्के बनने की आशंका बढ़ाते हैं और धमनियों में वसा जमा होने की प्रक्रिया को तेज कर देते हैं। नया अध्ययन संकेत देता है कि इन स्थापित जोखिमों के साथ-साथ एक और प्रक्रिया भी काम कर सकती है। सिगरेट के धुएं में अत्यंत सूक्ष्म कण बड़ी मात्रा में होते हैं, जो फेफड़ों के सबसे भीतर तक पहुंच जाते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि सांस के जरिए अंदर गए सूक्ष्म प्लास्टिक और अति सूक्ष्म प्लास्टिक इन्हीं कणों के साथ फेफड़ों की एल्वियोली को पार कर पहले की तुलना में कहीं अधिक आसानी से रक्त प्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं। वायु प्रदूषण भी इसी तरह की प्रक्रिया को बढ़ावा दे सकता है। इसका यह अर्थ नहीं है कि रक्त में मिले सभी प्लास्टिक कण सीधे सिगरेट से आए हों, हालांकि अधिकांश सिगरेट फिल्टर प्लास्टिक आधारित सेलूलोज एसीटेट से बने होते हैं और उनका भी कुछ योगदान हो सकता है। दरअसल, धूम्रपान करने वाले लोग पहले से ही उस हवा में मौजूद सूक्ष्म प्लास्टिक कणों को सांस के जरिए अंदर लेते हैं, जो सिंथेटिक कपड़ों के रेशों, टायरों के घिसने, खराब हो चुकी प्लास्टिक पैकेजिंग और अनेक अन्य पर्यावरणीय स्रोतों से उत्पन्न होते हैं। संभव है कि धूम्रपान केवल इन कणों को फेफड़ों से रक्त प्रवाह तक पहुंचने का रास्ता आसान बना देता हो। अध्ययन में 61 ऐसे मरीजों को शामिल किया गया, जिनकी कोरोनरी एंजियोग्राफी की जा रही थी। शोधकर्ताओं ने तीन समूहों की तुलना की–हाल में दिल का दौरा झेल चुके लोग, स्थिर कोरोनरी धमनी रोग वाले मरीज और सामान्य कोरोनरी धमनियों वाले लोग। दिल का दौरा झेल चुके 84 प्रतिशत मरीजों के रक्त में सूक्ष्म प्लास्टिक और अति सूक्ष्म प्लास्टिक कण मिले। वहीं, दीर्घकालिक कोरोनरी धमनी रोग वाले मरीजों में यह आंकड़ा 40 प्रतिशत और सामान्य कोरोनरी धमनियों वाले लोगों में 32 प्रतिशत रहा।

दो दिन की तलाश के बाद परिवार से मिली आंध प्रदेश की बुजुर्ग महिला, जबलपुर स्टेशन पर ट्रेन छूटने से बिछड़ी थीं

अमरावती, एजेंसी। उत्तर प्रदेश जा रही 74 वर्षीय महिला ट्रेन से उतरने के बाद जबलपुर स्टेशन पर अपने परिवार से बिछड़ गई। करीब दो दिन तक चली तलाश के बाद रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने महिला को सकुशल ढूंढकर उसके स्वजन से मिला दिया।

भावुक पल में स्वजन ने महिला को गले लगाते हुए आरपीएफ और मददगार युवकों का आभार जताया। इस दौरान आरपीएफ ने स्टेशन सहित आसपास के सैकड़ों कैमरों की फुटेज खंगाली। 50 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की उसके बाद महिला को ढूंढा जा सका।

आंध्र प्रदेश के ईस्ट गोदावरी जिले के मारेदुमल्ली मंडलम निवासी बी शेट्टी नागमणि अपने परिवार के पांच सदस्यों के साथ ट्रेन क्रमांक 02552 बेंगलुरु-दानापुर एक्सप्रेस के बी-2 कोच में सवार होकर विजयवाड़ा से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन जा रही थीं।

गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि लगभग दो बजे ट्रेन जबलपुर स्टेशन पहुंची, जहां महिला किसी कारणवश नीचे उतर गईं। इसी दौरान ट्रेन रवाना हो गई और वह स्टेशन पर ही रह गई। अगली सुबह स्वजन ने सीट पर महिला को नहीं पाया तो आरपीएफ को सूचना दी।

जबलपुर आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव खरब के नेतृत्व में टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें महिला ट्रेन जाने के बाद रात को सवा दो बजे मुख्य स्टेशन के प्लेटफार्म पर कटनी एंड पर नजर आई। यहां यार्ड और आसपास लगातार तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। फिर शहर पुलिस की मदद से विभिन्न स्थानों के कैमरे भी खंगाले गए।

आरपीएफ ने इंटरनेट पर महिला का फोटो प्रसारित किया गया। इसके बाद महिला को रेल नंबर एक, दो, तीन और सदर चौपाटी के पास देखे जाने का पता चला। हर जगह जाकर आरपीएफ ने पूछताछ की।

मणिपुर में छह नगा नागरिकों की हत्या मामले में दो और आरोपित गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी। नगा समुदाय के छह लोगों की हत्या के दो और आरोपितों को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अगुवाई में सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम ने शनिवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि नगा समुदाय के छह लोगों के अपहरण और हत्या की जांच के बाद एनआईए, मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान लेइलोन वैफेई गांव के निवासी लुंगौला वैफेई और कुकी-बहुल कांगपोकपी जिले के निवासी लुनमिंथंग सिथलौ (उर्फ जैक) के तौर पर हुई है। इससे पहले, 10 जुलाई को एनआईए ने लेइलोन वाइफेई से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया था। मामले से जुड़े अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। लेइलोन वैफेई गांव के पास 10 जून को नगा समुदाय के छह नागरिकों के शव मिले जिसके बाद नगा और मैतेयी समुदायों ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए विरोध-प्रदर्शन किया।

कनाडा भागने की फिराक में था गैंगस्टर, अमेरिका बॉर्डर पर जग्गू भगवानपुरिया गैंग का नितिश कौशल गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के कुख्यात जग्गू भगवानपुरिया गिरोह से जुड़े नितिश कौशल उर्फ लाला को कनाडा भागने की कोशिश के दौरान अमेरिका की सीमा पर गिरफ्तार कर लिया गया। अमेरिकी सीमा सुरक्षा अधिकारियों ने उसे वर्मोंट राज्य में कनाडा सीमा से करीब एक मील पहले पकड़ लिया। उसकी गिरफ्तारी का पूरा घटनाक्रम अमेरिका की जिला अदालत में दाखिल हिरासत संबंधी दस्तावेजों से सामने आया है। दस्तावेजों के अनुसार 16 जुलाई की रात नितिश कौशल ने सीमा से कुछ दूरी पहले अपनी कार छोड़ दी और पैदल कनाडा के क्यूबेक प्रांत में प्रवेश करने का प्रयास किया।

कनाडा में भारतीय मूल के ड्राइवर की संदिग्ध मौत, हत्या समेत किन पहलुओं पर हो रही जांच?

ओटावा, एजेंसी। कनाडा से एक बेहद हैरान और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। ओंटारियो प्रांत के हैमिल्टन शहर में एक भारतीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक का शव एक सीवेज कलवर्ट (नाले की पुलिया) से बरामद हुआ है। इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। कनाडाई पुलिस ने इसे सीधे तौर पर होमिसाइड यानी हत्या का मामला मानकर तफ्तीश शुरू कर दी है। यह सनसनीखेज मामला बुधवार, 15 जुलाई का है। सुबह करीब 8:15 बजे पुलिस को सूचना मिली। हैमिल्टन के फ्रूटलैंड रोड के उत्तरी छोर पर एक नाले में किसी का शव पड़ा था। पुलिस और इमरजेंसी क्रू तुरंत मौके पर पहुंचे।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉ क फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेंकड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनज़र समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
1- गोपाल न्यूज एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर- 9811477204
2- नरेंद्र बुक्सर शाप
मूँगफली चौक एन.आई.टी.नम्बर-5 फरीदाबाद
मोबाइल - 9810229192
3- दीक्षित न्यूज एजेन्सी ओल्ड फरीदाबाद
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए

सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु, 900 प्राप्त करिए
भेदी नज़र समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए

बम्पर ड्रा

पहला इनाम
एक हीरो बाईक

दूसरा इनाम
एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम

तीसरा इनाम
बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो एसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स सेक्टर - 10
फरीदाबाद से प्रकाशित एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा